फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 65 प्रभात जयपुर, सोमवार 5 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Crows Are Really Smart

"The Crow and the Pitcher" is a true story. The studies reveal that crow drops pebbles into the pitcher and raises the water level high enough to drink, and this has been tested out

Why Is This Simple Saree on Display at the World's Largest Museum?

केरल सरकार ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने मामले में विजिलैंस जांच के आदेश दिये

यह मामला उनके पीडब्ल्यूडी सचिव के कार्यकाल का है तथा मलेशिया के सिविल इंजीनियर की आत्महत्या से जुड़ा है

तिरुवनंतपुरम, 04 अक्टूबर। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मामले की विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला 2006 में राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान हुई अनियमितताओं के आरोपों से जुड़ा है। मामला मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली की आत्महत्या से संबंधित है, जो केरल राज्य परिवहन परियोजना के तहत एमसी रोड के अपग्रेडेशन में शामिल पीएटीआई-बीईएल कंसोर्टियम से जुड़े थे। मंत्री ने दावा किया कि इंजीनियर के सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार के नाम का जिक्र था।

■ **केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने कहा कि उन्हें मिली शिकायत में कुछ गंभीर मुद्दों का जिक्र है इसलिये उन्होंने विजिलैंस डायरेक्टर को सभी आरोपों की गहन जांच करने का निर्देश दिया है।**

राज्य के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने विजिलेंस डायरेक्टर को सीधे निर्देश दिए हैं कि वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मामले में सभी आरोपों की गहन जांच करें और जांच के नतीजों के आधार पर उचित कार्रवाई करें।

केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने कहा, "कल कांग्रेस कार्यकर्ता मलयिनकीझु वेणुगोपाल ने मुझे ज्ञानेश कुमार के पीडब्ल्यूडी सेक्रेटरी रहने के दौरान हुई गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार के बारे में एक शिकायत सौंपी। इस शिकायत में कुछ गंभीर मुद्दों का ज़िक्र है। इसी दौरान मलेशियाई प्रोजेक्ट इंजीनियर ली ने आत्महत्या की थी। सुसाइड नोट में पीडब्ल्यूडी सेक्रेटरी ज्ञानेश कुमार का साफ़ तौर पर ज़िक्र किया गया है। इसलिए सरकार चुप नहीं बैठ सकती। मैं मूकदर्शक नहीं बन सकता। मैंने इसे विजिलेंस डायरेक्टर के पास भेज दिया है ताकि वे शिकायत की डिटेल में जाएं और न्याय दिलाने के लिए कानूनी कार्रवाई करें।

रमेश चेन्निथला ने साफ किया कि यह कोई राजनीतिक बदले की भावना नहीं है। बेशक, हम सब चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल गांधी भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं। ज्ञानेश कुमार भाजपा और केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं। एसआईआर और दूसरे मुद्दे भी हैं। हम उनके खिलाफ लड़ रहे हैं, लेकिन यह मामला अलग है। एक मंत्री के तौर पर डिटेल में जाना मेरी ज़िम्मेदारी है और अगर कोई संज्ञेय अपराध हुआ है तो आगे की जांच के लिए इसे विजिलेंस डायरेक्टर के पास भेजना मेरा फ़र्ज़ है। मैंने वही किया है।

विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग आगे सरकाया

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की इंडिया गठबंधन की योजना फिलहाल टल गई है। विपक्षी गठबंधन ने पिछले सप्ताह ही नया प्रस्ताव लाने की तैयारी की थी, लेकिन अब इसे कुछ समय के लिए रोकने का फैसला किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा समय में कथित वोट चोरी, एसआईआर और चुनाव आयोग के खिलाफ चल रहे आंदोलन से ध्यान नहीं भटके, इसलिए नवंबर में नया नोटिस देने की तैयारी है।

■ **नेताओं का मानना है कि फिलहाल चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन पर ध्यान देंगे।**

सूत्रों के मुताबिक, इंडिया गठबंधन के नेताओं में राय बनी कि फिलहाल विपक्ष को ऐसे जमीनी आंदोलनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव आयोग के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बड़ी संख्या में मताधिकार से वंचित करना संविधान का उल्लंघन है- जस्टिस भुइयां

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां ने कहा कि कोई भी बहाना वोट का अधिकार छीनने को उचित नहीं ठहरा सकता

हैदराबाद, 04 अक्टूबर। नई दिल्ली:सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जवल भुइयां ने कहा है कि भारतीय नागरिक का वोट डालने का अधिकार संविधान की मूल संरचना का अभिन्न हिस्सा है। अगर किसी प्रक्रिया के जरिए बड़ी संख्या में नागरिकों को मताधिकार से वंचित किया जाता है तो ऐसी प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से मनमानी होगी और संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 326 का उल्लंघन करेगी। उन्होंने कहा कि कोई भी बहाना नागरिकों का वोट का अधिकार छीनने को उचित नहीं ठहरा सकता।

■ **जस्टिस भुइयां ने यह टिप्पणी जस्टिस बी.आर. सावनी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन समारोह में की। उन्होंने सीधे तौर पर चुनाव आयोग की एसआईआर का उल्लेख नहीं किया।**

जस्टिस भुइयां ने यह टिप्पणी 19वें एनएएलएसएआर -जस्टिस बी.आर. सावनी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2026 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए की। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर चुनाव आयोग की मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का उल्लेख नहीं किया, लेकिन उनकी टिप्पणी ऐसे समय आई है जब मतदाता सूची के पुनरीक्षण और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जस्टिस भुइयां ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों में वोट के अधिकार को मौलिक अधिकार नहीं माना गया है, लेकिन यह निश्चित रूप से संवैधानिक अधिकार है, जिसका स्रोत संविधान का अनुच्छेद 326 है। यह अनुच्छेद लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग विवाद में सुप्रीम कोर्ट आज दो याचिकाओं पर सुनवाई करेगा

याचिकाओं में मुख्य चुनाव आयुक्त को निलंबित करने तथा एकतरफा लिये गये 14 फैसले रद्द करने की मांग की गई है

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। चुनाव आयोग से जुड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को अहम सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर दो रिट याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले अन्य दो चुनाव आयुक्तों की कथित असहमति के बावजूद लिए गए। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ करेगी।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, ये याचिकाएं उन खबरों के आधार पर दाखिल की गई हैं, जिनमें कहा गया है कि अन्य दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी, की आपत्तियों के बावजूद ईसीआई के नाम पर करीब 14 फैसले लिए गए। याचिकाओं के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच एसआईआर के अलग-अलग चरणों को लेकर कम से कम 14 आपत्तियां दर्ज कराई थीं।

■ **सर्वोच्च न्यायालय में पहली याचिका रमेश कुमार सिंह तथा दूसरी याचिका वकील शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी की ओर से दायर की गई है।**

रमेश कुमार सिंह की ओर से दाखिल एक याचिका में मांग की गई है कि यह स्पष्ट किया जाए कि भारत निर्वाचन आयोग, जो एक बहु-सदस्यीय निकाय है, उसके फैसले एकतरफा तरीके से नहीं लिए जा सकते। याचिकाकर्ता ने आयोग के मूल रिकॉर्ड की जांच की भी मांग की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि विवादित कदम संवैधानिक और कानूनी ढ ांचे के मुताबिक उठाए गए थे या नहीं। याचिका में अंतरिम राहत के तौर पर मुख्य चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जीएसटी अधिकारियों से छिन सकता है गिरफ्तारी का अधिकार

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। जीएसटी काउन्सिल जीएसटी लागू करने के तरीकों को पूरी तरह बदलने जा रही है। सात अक्टूबर को जीएसटी काउन्सिल की बैठक में अगर प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है तो टैक्स अधिकारियों से गिरफ्तारी का अधिकार

■ **सात अक्टूबर को जीएसटी काउन्सिल की बैठक में अभियोजन की सीमा बढ़ाने सहित कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी।**

छीन लिया जाएगा। अगर किसी मामले में गिरफ्तारी जरूरी है तो इसके लिए कोर्ट का आदेश आवश्यक होगा। इसके अलावा अभियोजन की सीमा एक करोड़ रुपये से बढ़ ाकर पांच करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, ताकि आपराधिक प्रक्रिया उन मामलों तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत और रुस के बीच लंबे समय से भरोसे का रिश्ता है- जयशंकर

विदेश मंत्री न कहा कि जब अमेरिका भारत के खिलाफ युद्धपोत भेज रहा था, रुस ने अपनी नौसेना भेजी थी

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और रूस के रिश्तों पर बात करते हुए यूरोपीय देशों को स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हर देश अपने अनुभवों के आधार पर दूसरे देशों के साथ संबंध तय करता है। जिस तरह यूरोप रूस को लेकर भारत के नजरिये से फैसला नहीं कर सकता, उसी तरह भारत भी रूस के साथ अपने रिश्तों को यूरोप के नजरिये से नहीं देख सकता। जयशंकर ने कहा कि भारत का रूस के साथ अनुभव सकारात्मक रहा है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से भरोसे का रिश्ता है।

जर्मनी में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने भारत और रूस के पुराने संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने 1950 के दशक की ओर इशारा करते हुए कहा कि उस दौर में पश्चिमी देश पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही वाली सरकार का समर्थन कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने

■ **विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका और चीन की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया के देशों को संतुलन बनाकर चलना होगा।**

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का भी जिक्र किया। जयशंकर के मुताबिक, उस समय जब अमेरिका ने भारत के खिलाफ अपने युद्धपोत भेजने का फैसला किया था, तब सोवियत संघ ने भी अपनी नौसेना भेजी थी। इन घटनाओं ने भारत और सोवियत संघ के बीच भरोसे को मजबूत किया।

जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस की साझेदारी समय के साथ और मजबूत हुई। सत्तर और अस्सी के दशक में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ ा। इसमें सैन्य सहयोग, परमाणु क्षेत्र और व्यापार शामिल थे। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के संबंध समय के साथ बदलते रहे हैं। आज भी सैन्य हथियार और परमाणु क्षेत्र से जुड़ी सामग्री दोनों देशों के सहयोग का हिस्सा हैं, लेकिन अब उनके बीच बड़े पैमाने पर व्यापार भी होता है।

रूस आज भी भारत के लिए कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल है। रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देश भारत पर सवाल उठाते रहे हैं। जयशंकर पहले भी इस मुद्दे पर भारत का पक्ष रख चुके हैं और यूरोपीय देशों के रवैये पर सवाल उठा चुके हैं। इसी विवाद के बीच अमेरिका ने भारत पर शुल्क भी लगाया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को अनुचित और बेबुनियाद बताया था। भारत का पक्ष रहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और जरूरतों के आधार पर फैसले लेता है।

इतना ही नहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका और चीन की चाल पर भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ ती प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया के देशों को संतुलन बनाकर चलना होगा। म्यूनिख लीडर्स मीटिंग में उन्होंने कहा कि उभरती और मध्यम ताकतों को किसी एक खेमे के साथ पूरी तरह जुड़ने के बजाय अपने हितों के हिसाब से फैसले लेने चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में दो बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। पहला, अमेरिका की रणनीति में बड़ा बदलाव आया है। अमेरिका एक तरह से जानबूझकर अकेले चलने वाली ताकत बन गया है। दूसरा बदलाव चीन का बढ़ ता प्रभाव है। उन्होंने कहा कि इन दोनों देशों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है।

मुख्यमंत्री आज नवनिर्वाचित निकाय प्रमुखों से संवाद करेंगे

जयपुर, 4 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को प्रदेश के नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, उपमहापौर, सभापति, उपसभापति, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद

■ **वे निकाय के पहले 100 दिनों की कार्ययोजना पर चर्चा करेंगे।**

करेंगे। इस दौरान निकायों की पहले 100 दिनों की कार्ययोजना के साथ नगरीय विकास, स्वच्छता, पानी, बिजली और अन्य जनसुविधाओं पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारियों के साथ बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने की है। शहरों में स्वच्छता, सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात और पार्किंग सहित मूलभूत सुविधाओं के विकास तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'20 प्रतिशत से ज्यादा रिकवर की गई राशि लौटाए आयकर विभाग'

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि "कानूनी प्रावधान यही है कि विवादित आय के प्रकरणों में इनकम टैक्स विभाग विवादित रकम की 20 प्रतिशत राशि ही बतौर सुरक्षा वसूल सकता है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आयकर विभाग को निर्देश दिए हैं कि परिवादी से आय को लेकर चल रहे विवाद में 20 प्रतिशत से ज्यादा की राशि वसूली गई है, उसे लौटाएं। अदालत ने कहा कि कानूनी प्रावधान यही है कि विवादित आय के प्रकरणों में इनकम टैक्स विभाग विवादित रकम की 20 प्रतिशत राशि ही बतौर सुरक्षा वसूल सकता है, जब विवाद का निपटारा होगा तब या तो आयकर विभाग पूरी राशि वसूलेगा या फिर परिवादी से ली गई सुरक्षा राशि लौटाएगा।

न्यायाधीश अरूण मोंगा व आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश योगेश चौधरी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ रांका व सत्विका झा पैरवी के लिए पेश हुए थे।

अदालत में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि, आयकर विभाग ने वर्ष

■ **अदालत ने आदेश दिए कि, "अतिरिक्त वसूली गई रकम की गणना करके शेष राशि ब्याज के साथ 6 सप्ताह में परिवादी को लौटाई जाए।"**

■ **याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में बताया गया कि, "आयकर आयुक्त ने 20 प्रतिशत से ज्यादा की वसूली गई रकम को लौटाने के बजाय आगामी वर्षों में समायोजित करने के लिए कहा था।"**

2018-19 में गणना करते हुए पीड़ित योगेश चौधरी की सालाना आय 5.39 करोड़ बतायी थी। विभाग ने 2.78 करोड़ रुपए की टैक्स डिमांड का नोटिस जारी किया। जिस पर परिवादी ने आयकर आयुक्त के समक्ष अपील करते हुए इसे चुनौती दी। जब यह मामला लंबित था, उसी बीच 17 अगस्त 2023 को आयकर विभाग ने स्प्ष्टीकरण दिया कि, परिवादी ने 80.50 लाख रुपए टीडीएस जमा करवा रखा है, साथ ही उसे 64.05 लाख रुपए गत वर्षों का रिफंड मिला हुआ है। यह रकम आयकर विभाग के ही सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) ने गणना करके दिया है। विभाग की ओर से कहा गया कि, यह रकम आयकर विभाग को प्राप्त है, ऐसे में अब सिर्फ 1.35 करोड़ रुपए ही बकाया टैक्स है। परंतु याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि, प्राथमिक गणना में बतायी गई 2.78 करोड़ रुपए की विवादित डिमांड राशि 2 करोड़ रुपए है। याचिकाकर्ता ने कहा कि, 2 करोड़ रुपए की इस विवादित आय के बदले में विभाग ने जो रिकवरी की है, वह 73.96 लाख रुपए है, जो कि 37 प्रतिशत राशि है। जबकि विभाग कानूनी रूप से विवादित राशि का सिर्फ 20 प्रतिशत हिस्सा ही सुरक्षा के तौर पर रिकवर कर सकता है। ऐसे में शेष 17 प्रतिशत राशि उसे लौटाई जाए।

आयकर आयुक्त ने 24 जुलाई 2025 को सुनवाई में यह तथ्य तो रिकॉर्ड पर माना कि, 20 प्रतिशत राशि कानूनी रूप से जमा है, इसके अलावा बताई गई 17 प्रतिशत राशि को आगामी वर्षों में समायोजित कर लिया जायेगा।

याचिकाकर्ता ने आयकर आयुक्त के इस फैसले को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिस पर न्यायाधीश अरूण मोंगा व आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने आयकर विभाग को साफ कहा है कि, कानूनी रूप से आयकर विभाग 20 प्रतिशत राशि ही रिकवर कर सकता है। परिवादी से 20 प्रतिशत से जितनी रकम ज्यादा है, उसकी गणना करके 6 सप्ताह में रकम ब्याज के साथ लौटाई जाए।

और तेज हुआ दिल्ली में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। राजधानी दिल्ली में रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन तीसरे दिन भी तेज हो गए। आप कार्यकर्ता, एआईएसए, एनएसयूआई और अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने भारी तैनाती कर उन्हें रोका। कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। यह आंदोलन चुनाव आयोग पर लगे आरोपों के खिलाफ चल रहा है।

■ **प्रदर्शनकारियों की जंतर मंतर की ओर बढ़ने की कोशिश पुलिस ने नाकामयाब की।**

एआईएसए कार्यकर्ता अशोका रोड इलाके से जंतर-मंतर की ओर निकले, लेकिन पुलिस बैरिकेडिंग के कारण उन्हें रोका गया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की और सुरक्षा बलों से हल्की झड़प हुई। एआईएसए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के लिये जासूसी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

गुवाहाटी, 04 अक्टूबर। असम में, पाकिस्तान को सेना से जुड़ी जानकारी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें सेना का एक रिटायर्ड जवान भी शामिल है। साथ ही

■ **गुवाहाटी में गिरफ्तार युवक के पास आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए।**

बिहार निवासी अभिषेक कुमार सिंह को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

खुफिया जानकारी के आधार पर, 3 और 4 अक्टूबर की रात को असम एसटीएफ ने एक अभियान चलाया और अभिषेक कुमार सिंह (31) को गुवाहाटी के सातगांव पुलिस स्टेशन के तहत गांधीनगर में एक किराए के घर से गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण का रहने वाला है। अभियान के दौरान, उसके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद और ज़ब्त किए गए। शुरुआती जांच में जासूसी से जुड़ी गतिविधियों में उसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

पुस्तकालय कहाँ जा रहे हैं?

पिछले दिनों भारत के समाचार पत्रों में छपी एक खबर ने पुस्तक-प्रेमियों को चिंतित कर दिया। खबर का निहितार्थ यह था कि राजधानी दिल्ली के शास्त्री भवन में अवस्थित केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की लगभग साढ़े आठ लाख किताबें खतरे में हैं। असल में शास्त्री भवन को खाली किया जा रहा है और उसके नए ठिकाने में कदाचित इतनी सारी पुस्तकों के लिए पर्याप्त जगह न हो। इस पुस्तकालय की स्थापना कोलकाता में सन 1891 में इम्पीरियल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी के रूप में हुई थी और सन 1969 से यह शास्त्री भवन में अवस्थित है। पुस्तकालय की वेबसाइट के अनुसार इसमें लगभग साढ़े आठ लाख मुद्रित और मुद्रणेतर ग्रंथ हैं। कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पुस्तकालय के बाद यह देश का दूसरा सबसे बड़ा पुस्तकालय है। लेकिन इस पुस्तकालय में केवल सामान्य पुस्तकें नहीं हैं। इसमें दुर्लभ पुस्तकें, सरकारी दस्तावेज, जनगणना रिपोर्ट्स, बजट अभिलेख, संसदीय बहसें, भारत का राजपत्र और अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रकाशन हैं। यहाँ कुछ दुर्लभ सामग्री तो 1702 तक की है। कहा जा सकता है कि यह केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, हमारी जीवित स्मृति का एक कोश है।

इस कोश के भविष्य को लेकर प्रबुद्ध जन का आशंकित होना स्वाभाविक ही था। उनकी आशंकाओं को खाद-पानी इस बात से भी मिला कि इसी केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय का एक खंड-प्रादेशिक भाषाओं का खंड, जिसे तुलसी सदन पुस्तकालय कहा जाता था-सन 2011 में मंडी हाउस मेट्रो निर्माण के कारण बंद कर दिया गया था और उसकी दो लाख से अधिक किताबें लंबे समय तक डिब्बों में बंद पड़ी रहीं। यह संतोष की बात है कि इस पुस्तकालय के असमिया और कन्नड़ खंड के कुछ हिस्से तथा हिंदी खंड को भी आंशिक रूप से खोला गया है।

ये पंक्तियाँ लिखते-लिखते आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय का एक बयान भी सामने आया है, जिसके अनुसार सेंट्रल विस्टा योजना में पुस्तकालय के लिए प्रावधान रखा गया है। कामना करें कि केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के इस विशाल एवं मूल्यवान संग्रह को लेकर हमारी आशंकाएँ निर्मूल साबित हों।

लेकिन इस पूरे प्रसंग में असली सवाल शायद यह नहीं है कि साढ़े आठ लाख किताबें कहाँ जाएँगी। असली सवाल यह है कि हमारे समाज में पुस्तकालय कहाँ जा रहे हैं।

कुछ लोग तो सीधे यह मानते हैं कि अब लोगों की पढ़ने की आदत लगभग खत्म हो गई है, इसलिए पुस्तकालयों की कोई जरूरत ही नहीं है। यह बहुत एकांगी और भ्रामक दृष्टिकोण है। बेशक आज पुस्तकों के बहुत सारे विकल्प हमारे सामने हैं और तकनीक ने हमें पहले की तुलना में कहीं अधिक सूचना-संपन्न बना दिया है। इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि ने सूचना तक हमारी पहुँच को असाधारण रूप से आसान भी कर दिया है। फिर भी यह मान लेना कि अब पुस्तकालय अप्रासंगिक हो गए हैं, ठीक नहीं होगा। आखिर एक किताब हमें केवल सूचना नहीं देती। वह हमें एक अनुभव से गुजारती है। वह हमें किसी विचार, किसी समय, किसी व्यक्ति और किसी समाज के साथ कुछ देर रहने का अवसर देती है। पढ़ना केवल जान लेना नहीं है; पढ़ना अपने भीतर किसी चीज को जगह देना भी है। तकनीक सूचना तक पहुँच आसान कर सकती है, लेकिन पुस्तक और पुस्तकालय का अनुभव अभी भी उससे अलग और महत्त्वपूर्ण है।

सूचना की दुनिया बहुत बड़ी हो गई है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि ज्ञान की जरूरत कम हो गई है। शायद उलटे, सूचना की इस बाढ़ में ज्ञान को पहचानने की जरूरत और बढ़ गई है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत में 46,746 सार्वजनिक पुस्तकालय हैं। हमारे यहाँ पुस्तकालय चूँकि राज्य सरकारों का विषय हैं, इसलिए उनका रख-रखाव और संचालन राज्य सरकारें करती हैं। स्वाभाविक ही है कि अलग-अलग राज्यों में पुस्तकालयों की स्थिति भी अलग होगी। फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल मिशन ऑनलाइब्रेरीज संचालित हो रहा है। मार्च 2026 तक इसके अंतर्गत 28 राज्य केंद्रीय पुस्तकालयों और 41 जिला पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण के लिए सहायता राशि स्वीकृत की जा चुकी है। 2465 पुस्तकालयाध्यक्षों को प्रशिक्षण भी दिया गया है।

जहाँ तक हमारे अपने प्रांत राजस्थान की बात है, जयपुर स्थित डॉ। राधाकृष्णन राज्य केंद्रीय पुस्तकालय को नेशनल मिशन ऑनलाइब्रेरीज के अंतर्गत 183.51 लाख रुपये और कोटा के राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय को 63.46 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की जा चुकी है। सन 2025-26 में नेशनल मिशन ऑनलाइब्रेरीज का संशोधित बजट3,507 लाख रुपये था और इसमें से 3,309 लाख रुपये जारी किए गए, जबकि वास्तविक व्यय 3,244.08 लाख रुपये बताया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारें पुस्तकालयों पर ध्यान तो दे रही हैं।

यह देखना दुखद है कि अनेक सरकारी प्रयासों और भारी पूंजी निवेश के बावजूद देश के अधिकांश पुस्तकालय बदहाली के शिकार हैं। उनके अपर्याप्त, अप्रशिक्षित और उदासीन स्टाफ की वजह से लोग उनकी तरफ आकर्षित नहीं होते, उनसे दूर भागते हैं। पुस्तकालयों को केवल भवन, अलमारियों और पुस्तकों के भण्डार के रूप में नहीं, एक जीवंत संस्था के रूप में देखने की जरूरत है।

लेकिन यहीं एक विचारणीय प्रश्न सामने आता है। क्या पुस्तकालय को केवल पुस्तकों का भंडार मान लेना पर्याप्त होगा? सरकार बजट दे और किसी भवन में किताबें भर दी जाएँ-क्या यह पर्याप्त है? यह भी देखने की बात है कि क्या हम अपने पुस्तकालयों के प्रति आम जन में रुचि पैदा करने के लिए कुछ करते हैं? क्या पुस्तकालयों का विकास सामुदायिक केंद्रों के रूप में नहीं हो सकता? वहाँ तरह-तरह के आयोजन हों, आम जन आएँ और पुस्तकों को देखकर उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित हों। पुस्तकों और विचारों को केंद्र में रखकर गोष्ठियाँ हों। लोग पुस्तकों के बीच बैठकर चर्चाएँ करें और तब शायद किताबें भी उन्हें अपनी ओर आकर्षित करें। पुस्तकालय केवल किताबें रखने की जगह न होकर विचारों के मिलने-जुलने की जगह क्यों नहीं बन सकते? बहुत बड़ा सवाल यही कि जिस जगह किताबें हों, वहाँ केवल अलमारियाँ क्यों हों, वहाँ बातचीत क्यों न हो?

इधर हमारी सरकारें पुस्तकालयों के डिजिटलीकरण पर खूब जोर दे रही हैं। यह अच्छी बात है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। पुस्तकों को कागज से हटाकर स्क्रीन तक ले जाकर ही हमारे काम की इतिश्री नहीं हो जानी चाहिए। हमें हर संभव प्रयत्न इस बात का करना होगा कि लोग यह समझें कि इंटरनेट या एआई पुस्तकों और पुस्तकालयों का बेहतर विकल्प नहीं हैं। इनसे सूचना प्राप्त की जा सकती है, लेकिन सूचना और ज्ञान में जो अंतर है, उसे समझना भी उतना ही जरूरी है। और यह बात केवल भाषणों से नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभवों के द्वारा लोगों तक पहुँचाई जानी चाहिए।

एक बहुत रोचक बात यह है कि इन दिनों देश भर में जगह-जगह ऐसे साइन बोर्ड लगे नजर आते हैं जिन पर 'पुस्तकालय' या 'लाइब्रेरी' अंकित होता है। असल में यह इस शब्द का कुछ हद तक भ्रामक इस्तेमाल है। ये ठिकाने वास्तव में किराये पर दिए जाने वाले ऐसे स्थान होते हैं जहाँ विद्यार्थी बैठकर (अपनी) किताब पढ़ सकता है। वहाँ किताबों का कोई संग्रह नहीं होता। बेशक ये ठिकाने उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होते हैं जिनके घर में इतना एकांत नहीं है कि वे एकाग्र होकर पढ़ सकें। लेकिन यहाँ यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि प्रतियोगी परीक्षा या रोजगार को ध्यान में रखकर की जाने वाली पढ़ाई की प्रकृति उस पढ़ाई से भिन्न होती है जिसकी हम व्यापक अर्थ में कामना करते हैं। एक में लक्ष्य परीक्षा पास करना हो सकता है, दूसरी में स्वयं को थोड़ा अधिक जानना, दुनिया को समझना और अपने भीतर प्रश्न पैदा करना होता है।

एक जगह ऐसी हो जहाँ किताबें केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, जीवन को थोड़ा बेहतर समझने के लिए भी पढ़ी जाएँ-शायद सार्वजनिक पुस्तकालय की सबसे बड़ी जरूरत यही है।

यह देखना दुखद है कि अनेक सरकारी प्रयासों और भारी पूंजी निवेश के बावजूद देश के अधिकांश पुस्तकालय बदहाली के शिकार हैं। उनके अपर्याप्त, अप्रशिक्षित और उदासीन स्टाफ की वजह से लोग उनकी तरफ आकर्षित नहीं होते, उनसे दूर भागते हैं। पुस्तकालयों को केवल भवन, अलमारियों और पुस्तकों के भण्डार के रूप में नहीं, एक जीवंत संस्था के रूप में देखने की जरूरत है। उनका संचालन ऐसे समर्पित लोगों से करवाया जाना चाहिए जो स्वयं पुस्तकों से प्रेम करते हों और दूसरों को भी उनसे जोड़ने में रुचि रखते हों।

लेकिन इस काम को पूरी तरह सरकार पर छोड़ देना भी उचित नहीं है। सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक संगठनों को भी आगे आना चाहिए। आदर्श स्थिति तो यह हो कि हर मोहल्ले में, हर कॉलोनी में, हर गाँव में, हर शहर में पुस्तकालय हों, उनका एक जाल-सा बिछा हो और तकनीक के इस समय में वे सारे पुस्तकालय एक-दूसरे से जुड़े हों। अगर किसी पाठक को किसी दूसरे शहर के पुस्तकालय में अपनी रुचि की कोई पुस्तक दिखाई दे तो उसे वह पुस्तक सुलभ कराई जा सके। यह कोई बहुत बड़ा या अव्यावहारिक सपना नहीं है। दुनिया के बहुत सारे देशों में इस तरह की व्यवस्थाएं आम हैं।

मुझे इस समय की सबसे बड़ी जरूरत यह लगती है कि पुस्तकों और पुस्तकालयों को तो बचाया ही जाए, पाठकों को भी बचाया जाए और, उससे भी आगे, पाठकों की वंश-वृद्धि के प्रयास किए जाएँ। आखिर पुस्तकालय किसके लिए हैं?किताबें अलमारियों में सुरक्षित रखी जा सकती हैं। उन्हें डिजिटल भी किया जा सकता है। दुर्लभ पुस्तकों को स्कैन करके आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाया जा सकता है। लेकिन अगर उन्हें पढ़ने वाले लोग ही नहीं बचे, तो पुस्तकालयों का अर्थ क्या रह जाएगा? पाठक बचे रहेंगे तो पुस्तकालय अपने आप पनपेंगे। यह कुछ-कुछ मांग और पूर्ति वाली बात है। इसलिए आज शायद सबसे बड़ी जरूरत नई पुस्तकें खरीदने से भी पहलेनए पाठक पैदा करने की है।

जिस समाज में हर घर में पुस्तकालय नहीं हो सकता, वहाँ हर बच्चे के लिए एक अच्छा सार्वजनिक पुस्तकालय अवश्य होना चाहिए।

और शायद इसी कसौटी पर हमें अपने पुस्तकालयों को देखना चाहिए-हमारे पास कितनी किताबें हैं, यह महत्वपूर्ण है; लेकिन उन किताबों तक पहुँचने वाले कितने पाठक हैं, यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

राजस्थान के राज्य विश्वविद्यालयों में पेंशन का संकट और अकाल

लगभग 8,000 पेंशनरों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रश्न

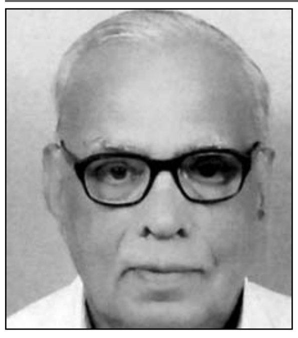

डॉ. आर. एम. शर्मा

भारत में पेंशन केवल सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली मासिक धनराशि नहीं है। यह कर्मचारी के जीवनभर की सेवा के बदले मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा है। नौकरी के दौरान वर्षों तक सेवा देने के बाद वृद्धावस्था में नियमित आय का साधन समाप्त हो जाता है और ऐसी स्थिति में पेंशन व्यक्ति तथा उसके परिवार को आर्थिक आत्मनिर्भरता, सम्मान और न्यूनतम सुरक्षा प्रदान करती है। इसलिए पेंशन का समय पर भुगतान केवल वित्तीय विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा से जुड़ा प्रश्न है।

राजस्थान के राज्य विश्वविद्यालयों से जुड़े लगभग 8,000 पेंशनरों की स्थिति इसी दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। विभिन्न विश्वविद्यालयों में पेंशन भुगतान में विलंब और वित्तीय संकट की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। मूल प्रश्न यह है कि विश्वविद्यालयों की वित्तीय कठिनाइयों का भार उन सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर क्यों पड़े, जिन्होंने अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा इन्हीं संस्थाओं को समर्पित किया है?

पेंशन व्यवस्था का ऐतिहासिक विकास –भारत में पेंशन व्यवस्था का विकास क्रमिक रूप से हुआ। औपनिवेशिक काल में पेंशन मुख्यतः सरकारी सेवकों की सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा के रूप में विकसित हुई। स्वतंत्रता के बाद इसे व्यापक सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा से जोड़ा गया। संगठित क्षेत्र के विस्तार के साथ भविष्य निधि, ग्रेच्युटी और पेंशन जैसी व्यवस्थाएं विकसित हुईं। Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952, Employees' Pension Scheme, 1995 Payment of Gratuity Act, 1972 इसी व्यापक कर्मचारी-सुरक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। राजस्थान के राज्य विश्वविद्यालयों की पेंशन व्यवस्था भी इसी ऐतिहासिक विकास का हिस्सा है। विश्वविद्यालयों में पेंशन योजना का विकास लगभग 1990 के आसपास हुआ और राज्य सरकार के निर्णयों, निर्देशों तथा संबंधित पेंशन विनियमों के माध्यम से इसे संस्थागत रूप मिला। इसलिए सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में स्थापित पेंशन व्यवस्था की दीर्घकालीन वित्तीय स्थिरता केवल सेवानिवृत्त कर्मचारी की निजी समस्या नहीं, बल्कि संस्था और सार्वजनिक नीति का प्रश्न है।

राज्य के बजट में पेंशन का स्थान –भारत सरकार और राज्य सरकारें पेंशन को नियमित बजटीय दायित्व के रूप में स्वीकार करती हैं। भारत सरकार के 2024-25 के वास्तविक व्यय में पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभों पर लगभग 3.46 लाख करोड़ खर्च हुए। राजस्थान में 2024-25 का पेंशन व्यय लगभग 29,318 करोड़ रहा, जबकि 2025-26 के बजट में लगभग 33,882 करोड़ का प्रावधान किया गया। ईंरदे पं् 2071–"Pension and Other Retirement Benefits"—में सुपरएन्नुएशन पेंशन, कम्यूटेड पेंशन, ग्रेच्युटी, फैमिली पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभ शामिल हैं।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि राज्य सरकार पेंशन को एक नियमित और आवश्यक वित्तीय दायित्व मानती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि राज्य विश्वविद्यालयों के पेंशनरों के लिए स्थायी वित्तीय व्यवस्था क्यों विकसित नहीं की गई?

स्वायत्तता बनाम पेंशन की जिम्मेदारी –राज्य विश्वविद्यालयों को अकादमिक और प्रशासनिक स्वायत्तता प्राप्त है। लेकिन स्वायत्तता का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि विश्वविद्यालय अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति वित्तीय दायित्वों में पूरी तरह अकेले छोड़ दिए जाएं। पिछले दशकों में अनेक विश्वविद्यालयों की अपनी आय अपेक्षित गति से नहीं बढ़ी, जबकि पेंशनरों की संख्या, पेंशन संशोधन और जीवन-यापन की लागत बढ़ती गई। परिणामस्वरूप कई विश्वविद्यालयों के लिए पेंशन दायित्व उनकी आंतरिक आय की तुलना में अधिक हो गया। यहीं मूल नीति प्रश्न सामने आता है-क्या किसी विश्वविद्यालय की वित्तीय कमजोरी के कारण उसके कर्मचारियों की अर्जित पेंशन बाधित होनी चाहिए?

जिम्मेदारी किसकी-विश्वविद्यालय या राज्य सरकार? –इस संकट की जिम्मेदारी केवल किसी एक अधिकारी या विभाग पर डालना उचित नहीं होगा। यह संस्थागत उत्तरदायित्व का प्रश्न है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दायित्व पेंशन की गणना, स्वीकृति, उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग और पेंशन फंड का प्रभावी प्रबंधन है। लेकिन यदि संरचनात्मक वित्तीय कमी के कारण हजारों पेंशनरों की नियमित पेंशन प्रभावित होती है, तो उच्च शिक्षा विभाग और वित्त विभाग के सामने भी दीर्घकालीन नीति बनाने की जिम्मेदारी आती है।

राज्य सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि सभी विश्वविद्यालयों की कुल पेंशन देयता कितनी है, प्रत्येक विश्वविद्यालय के पास पेंशन फंड कितना है, पिछले वर्षों में कितनी सरकारी सहायता दी गई है और भविष्य की आवश्यकता कितनी होगी। वित्त विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार-सभी की अपनी भूमिका और जवाबदेही है।

लगभग 550 करोड़ का वार्षिक पेंशन दायित्व –उपलब्ध सार्वजनिक रिपोर्टों में राजस्थान के राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों के लगभग 8,000 पेंशनरों की वार्षिक पेंशन आवश्यकता करीब 550 करोड़ बताई गई है। यह आंकड़ा संबंधित विश्वविद्यालयों के समेकित ऑडिटेड खातों से सत्यापित किया जाना चाहिए, लेकिन नीति के स्तर पर इसका महत्व स्पष्ट है। राज्य का कुल वार्षिक पेंशन व्यय हजारों करोड़ रुपये में है, जबकि विश्वविद्यालय पेंशनरों की कथित वार्षिक आवश्यकता लगभग 550 करोड़ है। अतः समस्या केवल धनराशि की उपलब्धता की नहीं, बल्कि वित्तीय उत्तरदायित्व और स्थायी व्यवस्था की भी है।

सरकारी और विश्वविद्यालय पेंशन में अंतर क्यों? –यदि राज्य व्यवस्था के अंतर्गत कार्यरत सरकारी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद नियमित पेंशन मिलती है, तो राज्य विश्वविद्यालयों के पेंशनरों के लिए अलग और अस्थिर वित्तीय व्यवस्था क्यों हो-इसका स्पष्ट नीतिगत उत्तर आवश्यक है। यह प्रश्न किसी एक विश्वविद्यालय के विरुद्ध नहीं, बल्कि राजस्थान की समग्र उच्च शिक्षा वित्त नीति से जुड़ा है।

केंद्र की व्यवस्था से मिलने वाला नीति-संदेश –केंद्र सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालयों, IITs, NITs, IISERs तथा अन्य स्वायत्त संस्थाओं को विभिन्न प्रकार के अनुदान देती है। Grants-in-Aid-Salaries और अन्य आवर्ती सहायता के माध्यम से स्वायत्त संस्थाओं की वित्तीय आवश्यकताओं में सरकारी भागीदारी होती है। यह व्यवस्था प्रत्यक्ष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों की पेंशन के लिए कानूनी मिसाल नहीं है, लेकिन यह अवश्य दिखाती है कि स्वायत्तता और पूर्ण वित्तीय आत्मनिर्भरता एक ही बात नहीं हैं।

राजस्थान के सामने चार संभावित समाधान –राजस्थान सरकार के सामने समाधान के कई विकल्प हैं। पहला, प्रत्येक विश्वविद्यालय के पेंशन दायित्व के लिएपेंशन ब्लॉक ग्रांटदिया जा सकता है। दूसरा, विश्वविद्यालय पेंशनरों को राज्य कोष से सीधे भुगतान करने काट्रेजरी मॉडल अपनाया जा सकता है। तीसरा, विश्वविद्यालय और राज्य सरकार निर्धारित अनुपात में योगदान देकर साझा अंशदान मॉडल बना सकते हैं। चौथा, राज्य स्तर पर एक ळहग्नैगू झहेग्दह ण्देज्ले बनाया जा सकता है, जिसमें प्रारंभिक सरकारी सहायता के साथ विश्वविद्यालयों का निर्धारित योगदान हो। हालांकि किसी भी मॉडल को लागू करने से पहले प्रत्येक विश्वविद्यालय की वास्तविक पेंशन देयता, पेंशनरों की संख्या, उपलब्ध पेंशन फंड, आय, सरकारी सहायता तथा पिछले वर्षों के व्यय का स्वतंत्र वित्तीय परीक्षण आवश्यक है।

अन्य राज्यों से सीखने की जरूरत –राजस्थान को अन्य राज्यों में राज्य विश्वविद्यालयों के पेंशन दायित्व के वित्तपोषण का तुलनात्मक अध्ययन करना चाहिए। इसमें पेंशन का कानूनी आधार, पेंशन फंड, राज्य अनुदान, ट्रेजरी भुगतान, विश्वविद्यालय की आय, पेंशनरों की संख्या, वार्षिक व्यय और भुगतान में विलंब जैसे पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए। इससे राजस्थान के लिए तथ्य-आधारित, पारदर्शी और आर्थिक रूप से टिकाऊ मॉडल तैयार किया जा सकता है।

तत्काल वित्तीय समीक्षा और स्थायी नीति जरूरी –तत्काल आवश्यकता यह है कि राज्य सरकार सभी राज्य विश्वविद्यालयों से एक समान प्रारूप में पेंशन की वास्तविक वित्तीय स्थिति की जानकारी प्राप्त करे। वित्त विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय प्रशासन और लेखा-परीक्षा संस्थाओं के सहयोग से ळहग्नैगू झहेग्दह इर्हैहर्मेर्ंेन्ौ तैयार किया जाना चाहिए। इसमें प्रत्येक विश्वविद्यालय की वर्तमान पेंशन देयता, उपलब्ध निधि, आय, सरकारी सहायता और भविष्य की आवश्यकता स्पष्ट रूप से सामने आनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्वविद्यालय की अस्थायी वित्तीय कठिनाई के कारण वर्तमान पेंशन भुगतान बाधित नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार को विश्वविद्यालय पेंशन के लिए स्पष्ट और दीर्घकालीन वित्तीय नीति घोषित करनी चाहिए, ताकि प्रत्येक वर्ष पेंशनरों को अनिश्चितता, प्रतीक्षा और प्रशासनिक पत्राचार का सामना न करना पड़े।

पेंशन संकट का समाधान अब नीति से होना चाहिए – राजस्थान के राज्य विश्वविद्यालयों मेंपेंशन का संकट केवल लगभग 8,000 पेंशनरों की समस्या नहीं है। यह उच्च शिक्षा की वित्तीय संरचना, राज्य की सामाजिक-सुरक्षा नीति और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति सार्वजनिक दायित्व से जुड़ा व्यापक प्रश्न है। पेंशन किसी पर कृपा नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सेवा से जुड़ी सामाजिक सुरक्षा है।

विश्वविद्यालय की स्वायत्तता, उसकी वित्तीय क्षमता और राज्य सरकार की जिम्मेदारी-इन तीनों के बीच संतुलित और स्थायी व्यवस्था बनाना समय की आवश्यकता है। पेंशन ब्लॉक ग्रांट, ट्रेजरी भुगतान, साझा अंशदान अथवा स्थायी पेंशन कॉर्पस-राज्य के पास अनेक विकल्प हैं।

अब आवश्यकता केवल एक स्पष्ट और पारदर्शी नीति-निर्णय की है, ताकि विश्वविद्यालय सुचारु रूप से कार्य कर सकें और उनके सेवानिवृत्त कर्मचारी सम्मान, निश्चितता और आर्थिक सुरक्षा के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सकें।

–प्रो. डॉ. आर. एम. शर्मा,
पूर्व विभागाध्यक्ष,
जयनारायण व्यास विवि, जोधपुर

भाट की बही में दर्ज है शेढल माता की 770 वर्ष पुरानी आराधना का इतिहास

अचलदास डांगरा

संवत 1313 (ईस्वी सन् 1256) में श्री जयदेव डांगरा ने करवाई थी कुलदेवी की प्राण प्रतिष्ठा, डांगरा, पसारी एवं गोलकीया माहेश्वरी समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र

जैसलमेर। स्वर्णनगरी जैसलमेर की पहचान केवल उसके स्वर्णिम दुर्ग, भव्य हवेलियों और ऐतिहासिक स्थापत्य से ही नहीं है, बल्कि यहां सदियों से चली आ रही धार्मिक एवं पारिवारिक परंपराएं भी इसकी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसी ही प्राचीन आस्था और परंपरा श्री शेढल माता की है, जिसका उल्लेख पारिवारिक विवरण तथा भाट की बही में सुरक्षित बताया जाता है।

उपलब्ध पारंपरिक विवरण के अनुसार संवत 1313, अर्थात ईस्वी सन् 1256 में श्री जयदेव डांगरा ने श्री शेढल माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई थी। इस आधार पर वर्ष 2026 में इस परंपरा को लगभग 770 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। डांगरा, पसारी एवं गोलकीया माहेश्वरी समाज में श्री शेढल माता को आराध्य कुलदेवी के रूप में श्रद्धा के साथ पूजा जाता है।

भाट की बही में सुरक्षित है परंपरा का इतिहास –राजस्थान की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था में भाटों की बहियों का विशेष महत्व रहा है। परिवारों की वंशावली, महत्वपूर्ण घटनाओं, सामाजिक संबंधों और धार्मिक परंपराओं का विवरण पीढ़ी-दर-पीढ़ी इन बहियों में सुरक्षित रखा जाता रहा है।

डांगरा परिवार से संबंधित भाट की बही में उपलब्ध विवरण भी श्री शेढल माता की प्राचीन आराधना से जुड़ी परंपरा की स्मृति को संजोए हुए है। ऐसे पारंपरिक स्त्रोत आधुनिक इतिहास के औपचारिक अभिलेखों से अलग प्रकृति के होते हैं, लेकिन परिवार और समाज की स्मृति, वंश परंपरा तथा धार्मिक आस्था को समझने में इनका अपना महत्व है। इसलिए भाट की बही में दर्ज विवरण को सुरक्षित रखना केवल एक परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि उस सामाजिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है।

770 वर्षों से चली आ रही आस्था की परंपरा –यदि संवत 1313 को ईस्वी सन् 1256 माना जाए, तो वर्ष 2026 में श्री शेढल माता की इस परंपरा को लगभग 770 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इतने लंबे कालखंड में राजघराने बदले, शासन व्यवस्थाएं बदलीं, जैसलमेर ने अनेक ऐतिहासिक दौर देखे और सामाजिक जीवन में भी परिवर्तन आया, लेकिन कुलदेवी के प्रति श्रद्धा की परंपरा पीढ़ियों के साथ आगे बढ़ती रही। डांगरा परिवार में भी श्री शेढल माता के प्रति आस्था निरंतर बनी रही। स्वर्गीय जीतमल पुत्र जीवनलाल डांगरा कुलदेवी के नियमित श्रद्धालु रहे। वे नियमित रूप से मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए जाते थे और अन्य श्रद्धालुओं को भी कुलदेवी के दर्शन के लिए प्रेरित करते थे। उनके लिए मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि पूर्वजों की आस्था, पारिवारिक संस्कार और समाज की धार्मिक परंपरा से जुड़ा केंद्र था।

आज भी नियमित होती है ज्योत और आरती –समय के परिवर्तन के बावजूद श्री शेढल माता की आराधना की परंपरा आज भी जारी है। मंदिर में नियमित रूप से पूजा-अर्चना, ज्योत एवं आरती होती है। वर्तमान पुजारी रमेश महाराज द्वारा नित्य ज्योत एवं आरती की जाती है।

तकनीक के इस दौर में धार्मिक परंपरा ने भी नया माध्यम अपना लिया है। 'शेढल माता' व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से प्रतिदिन ज्योत एवं आरती के दर्शन के दृश्य देश-विदेश में रहने वाले समाजबंधुओं और श्रद्धालुओं तक पहुंचते हैं। इससे जैसलमेर से दूर रहने वाले परिवार भी अपनी कुलदेवी की दैनिक आराधना से जुड़े रहते हैं।

आस्था से इतिहास और इतिहास से नई पीढ़ी का जुड़ाव – श्री शेढल माता की यह परंपरा केवल पूजा-अर्चना की कहानी नहीं है। यह परिवार, समाज और पूर्वजों से जुड़े

संस्कारों की ऐसी विरासत है, जो लगभग 770 वर्षों के लंबे सफर के बाद भी वर्तमान पीढ़ी तक पहुंची है।

संवत 1313 यानी ईस्वी सन् 1256 में श्री जयदेव डांगरा द्वारा करवाई गई प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ा पारंपरिक विवरण, भाट की बही में सुरक्षित स्मृतियां, स्वर्गीय जीतमल डांगरा जैसे श्रद्धालुओं की नियमित दर्शन-सेवा और आज भी जारी ज्योत-आरती-ये सभी मिलकर श्री शेढल माता की आराधना की निरंतरता को सामने रखते हैं। आज आवश्यकता है कि ऐसी पारिवारिक एवं सामाजिक ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखा जाए। भाट की बहियों, पुराने हस्तलिखित दस्तावेजों और पारिवारिक अभिलेखों का संरक्षण किया जाए तथा उनकी प्रतिलिपियां और डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किए जाएं। इससे आने वाली पीढ़ियां अपने कुल, कुलदेवी, पूर्वजों और धार्मिक-सामाजिक परंपराओं के इतिहास से परिचित हो सकेंगी। जैसलमेर की पहचान केवल पत्थरों में लिखे इतिहास से नहीं, बल्कि ऐसी जीवंत आस्थाओं से भी है, जिन्हें पीढ़ियां अपने संस्कारों में संजोकर आगे बढ़ाती रही हैं। श्री शेढल माता की लगभग 770 वर्ष पुरानी आराधना इसी जीवंत विरासत का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जेठा पाड़ा,
जैसलमेर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 5 अक्टूबर, 2026

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत–2083, पुष्य नक्षत्र रात्रि 11:09 तक, शिव योग प्रातः 9:51 तक, वणिज करण दिन 3:01 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–कर्क, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 10:09 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 11:09 से रात्रि 2:08 तक है। भद्रा दिन 3:01 से रात्रि 2:08 तक रहेगी। आज दशमी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– अमृत सूर्योदय से 7:52 तक, शुभ 9:20 से 10:48 तक, चर 1:43 से 3:11 तक, लाभ अमृत 3:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:06

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कन्या
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आय में वृद्धि होगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

भाजपा सरकार ने देश में नोटबंदी के बाद वोटबंदी की : सचिन पायलट

मीडिया से रूबरू होकर पायलट ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पंजाब प्रभारी व टोंक विधायक सचिन पायलट ने रविवार को जयपुर में मीडिया से बातचीत में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया कि उन्होंने अन्य दोनों निर्वाचन आयुक्तों को अलग रखकर अपनी ओर से निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाएं शुरू कीं। पायलट ने दावा किया कि एसआईआर के तहत देश में 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। उन्होंने इसे "वोटबंदी" करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार के राज में "नोटबंदी" के बाद अब "वोटबंदी" की गई है, जबकि मतदान का अधिकार लोकतंत्र का सबसे बड़ा अधिकार है।

पायलट ने कहा कि हर एस.आई.आर के बाद मतदाताओं की संख्या बढ़ती रही है, लेकिन यह पहली बार है जब बड़ी संख्या में नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने हरियाणा, बिहार और पश्चिम बंगाल में लक्षित तरीके से वोट काटे जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची, मतदान और मतगणना को लेकर लोगों में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयुक्तों को बर्खास्त करने की मांग को लेकर देशभर में आंदोलन हो रहे हैं और यह मुद्दा प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री तक जाता है।

राजस्थान में अकाल के हालात पर पायलट ने कहा कि राज्य सरकार की प्लानिंग पूरी तरह फेल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का ध्यान शहरी चुनावों के प्रबंधन और सत्ता में बने रहने पर रहा। पायलट ने पुलिस-प्रशासन के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया और कहा कि मानसून की कमी के बाद सरकार को एक-दो महीने पहले ही राहत की योजना बनानी चाहिए थी। उन्होंने माना कि कम मानसून के कारण राजस्थान के कई इलाके संकट से जूझ रहे हैं।

पंजाब को लेकर पायलट ने कहा कि चिट्टा और रासायनिक ड्रग्स के कारण युवाओं में नशे की समस्या गंभीर हो गई है। उन्होंने गुलजार सिंह के मामले का उल्लेख करते हुए पंजाब सरकार पर नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने अमृतसर सहित विभिन्न स्थानों पर हो रही गोलीबारी और गैंगस्टरों की गतिविधियों पर भी सवाल उठाए। कहा कि गैंगस्टर जेल से फिरौती मांग रहे हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है।

पायलट ने भाजपा की 'नशा मुक्त यात्रा' पर सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। उन्होंने पूछा कि पिछले 12 वर्षों में कितने लोगों को पकड़ा और कितनी तस्करी रोकी गई।

पायलट ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस के पक्ष में अच्छा माहौल है और पार्टी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। वहीं विश्वेन्द्र सिंह के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मामला सामने आएगा और वे अपनी बात रखेंगे। पायलट ने कहा कि कांग्रेस को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान सरकार ने तीन साल में जनता का विश्वास खो दिया है और लोग विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रहे हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के स्वागत-सत्कार के लिए जयपुर स्थित आवास पर रविवार को समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी।

- उन्होंने देशभर में एसआईआर में 13 करोड़ नाम काटने का दावा करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए
- पायलट ने कहा कि, "हर बार एस.आई.आर के बाद मतदाताओं की संख्या बढ़ती रही है, लेकिन यह पहली बार है जब बड़ी संख्या में नाम हटाए गए। हरियाणा, बिहार और पश्चिम बंगाल में लक्षित तरीके से वोट काटे गए।"
- सचिन पायलट ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस के पक्ष में अच्छा माहौल है और पार्टी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी।

गवरी नृत्य की भीड़ में छिपा 25 हजार का इनामी बदमाश एएनटीएफ के हत्थे चढ़ा

मारवाड़ क्षेत्र में डोडा-पोस्त की बड़ी खेप सप्लाई करने की साजिश को अंजाम देने आया था आरोपी

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 25 हजार रुपए के इनामी और 3 साल से फरार कुख्यात तस्कर निम्बाराम जाट उर्फ निमाराम को गिरफ्तार किया।

जयपुर। राजस्थान पुलिस की विशेष इकाई एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने स्थापना का एक साल पूरा होने से ठीक पहले फरार इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी में शतक पूरा कर लिया। एएनटीएफ ने 100वें फरार इनामी अपराधी को गिरफ्तार कर अपनी 'सेंचुरी' पूरी की है। एएनटीएफ का स्थापना दिवस 7 अक्टूबर को है। इससे ठीक पहले चलाए गए 'ऑपरेशन मारामन' के तहत टीम ने चित्तौड़गढ़ पुलिस की ओर से घोषित 25 हजार रुपए के इनामी और तीन साल से फरार कुख्यात तस्कर निम्बाराम जाट उर्फ निमाराम को गिरफ्तार किया।

एएनटीएफ आईजी विकास कुमार ने बताया कि डीजीपी राजीव कुमार शर्मा और एडीजी दिनेश एमएन के मार्गदर्शन में नशा तस्करों तथा मादक पदार्थों के अवैध नेटवर्क के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। लंबे समय से फरार इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी पर भी विशेष फोकस रखा गया है।

मुखबिर से सूचना मिली थी कि निम्बाराम चित्तौड़गढ़ के जोगणिया माता क्षेत्र स्थित जोगणिया रिसॉर्ट में मध्यप्रदेश से मारवाड़ में डोडा-पोस्त की बड़ी खेप सप्लाई करने की साजिश को लेकर साथियों के साथ बैठक कर रहा है। सूचना पर एएनटीएफ टीम ने रिसॉर्ट की घेराबंदी की। पुलिस की गाड़ी देखते ही आरोपी होटल की दीवार फांदकर खेतों की ओर भाग गया। टीम ने करीब दो किलोमीटर तक पैदल पीछा किया।

खुद को घिरता देख आरोपी जोगणिया माता मंदिर परिसर के चौक में चल रहे पारंपरिक गवरी नृत्य में श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच जाकर छिप गया। टीम ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए भीड़ के बीच ही आरोपी को घेरकर दबोच लिया। आईजी ने बताया कि आरोपी फलौदी जिले की पश्चिमी ढाणी जाटावास का रहने वाला है। आठवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़कर ट्रक चलाने लगा था। लड़ाई-झगड़े के मामले में जेल जाने के दौरान उसका संपर्क बड़े तस्करों से हुआ और वहीं उसने मादक पदार्थों की तस्करी के गुर सीखे।

वर्ष 2024 में पारसोली थाना क्षेत्र में बागुंडा बालाजी के पास पुलिस की नाकाबंदी देखकर आरोपी डोडा चूरा से भरी लग्जरी गाड़ी छोड़कर जंगल में भाग गया था। इसी तरह जावदा-रावतभाटा क्षेत्र से 3 क्विंटल 16 किलो डोडा चूरा से भरी एसयूवी लेकर जाते समय कोटा के आरकेपुरम थाना क्षेत्र में पुलिस घेराबंदी होने पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया था। फरारी के दौरान भी वह मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रहा।

निम्बाराम के खिलाफ वर्ष 2017 से 2026 के बीच राजस्थान के विभिन्न जिलों में 26 गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। लोहावट, बनाड़, मथानिया, मंडोर, ओसियां, रोहट और चित्तौड़गढ़ सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम के साथ हत्या के प्रयास, मारपीट, लूट, आपराधिक षड्यंत्र सहित अन्य गंभीर अपराधों के मामले दर्ज है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ के स्थापना दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में इस कार्रवाई में शामिल पूरी टीम को पुलिस मुख्यालय में सम्मानित किया जाएगा।

नाक बंद और सांस में रुकावट से परेशान पिता-पुत्र की एक साथ हुई सर्जरी

जयपुर। जयपुर के बगरू निवासी पिता-पुत्र की एक जैसी नाक संबंधी समस्या का इलाज एक ही दिन सवाई मानसिंह अस्पताल के ईएनटी विभाग में किया गया। 49 वर्षीय रामबाबू प्रजापति और उनके 22 वर्षीय पुत्र लोकेश लंबे समय से नाक बंद रहने और सांस लेने में परेशानी से जूझ रहे थे। दोनों ने उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल के ईएनटी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. पवन सिंघल से परामर्श लिया।

डॉ. पवन सिंघल ने बताया कि जांच में पिता और पुत्र दोनों की नाक की हड्डी टेढ़ी होने के साथ टर्बाइनेट बढ़े हुए पाए गए। इसके कारण दोनों को नाक से सांस लेने में रुकावट और लगातार नाक बंद रहने की समस्या हो रही थी। समस्या को देखते हुए दोनों को सर्जरी की सलाह दी गई।

इसके बाद रामबाबू और लोकेश को एसएमएस अस्पताल में भर्ती किया गया। ईएनटी विभाग में दोनों की सर्जरी एक ही दिन की गई। एक ही परिवार के पिता और पुत्र का एक जैसी नाक संबंधी बीमारी के लिए एक ही दिन और एक ही विभाग में ऑपरेशन होना इस मामले को खास बनाता है।

सर्जरी के बाद पिता-पुत्र दोनों की स्थिति में सुधार हुआ है। नाक से सांस लेने में आ रही रुकावट दूर होने से दोनों को राहत मिली है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल दोनों स्वस्थ हैं और उनकी सांस लेने की समस्या में सुधार हुआ है।

एसएमएस अस्पताल में एक ही दिन पिता-पुत्र की समान बीमारी का उपचार और सर्जरी परिवार के लिए राहत देने वाली रही। दोनों को लंबे समय से चली आ रही नाक बंद रहने और सांस लेने में परेशानी से निजात मिली है।

पंचायत चुनाव में दावेदारों से ऑनलाइन आवेदन लेगी कांग्रेस

डोटासरा ने पार्टी की वेबसाइट का क्यूआर कोड जारी किया

जयपुर (कासं)। प्रदेश में पंचायत चुनाव का बिगुल बजने के साथ ही कांग्रेस ने प्रत्याशी चयन की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी ने पंचायत समिति सदस्य, प्रधान और जिला परिषद सदस्य पद के संभावित दावेदारों से ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने रविवार को पंचायत चुनाव के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने के साथ पार्टी की आधिकारिक वेबसाइट का क्यूआर कोड भी जारी किया।

क्यूआर कोड के माध्यम से संभावित दावेदार पार्टी की वेबसाइट पर जाकर अपना आवेदन कर सकेंगे। कांग्रेस ने इससे पहले नगर निकाय चुनाव में भी प्रत्याशी चयन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अपनाई थी। अब पंचायत राज चुनाव में भी इसी व्यवस्था के तहत दावेदारों से आवेदन मांगे गए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जिस तरह नगर निकाय चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे, उसी प्रकार पंचायत चुनाव में भी दावेदारों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जो दावेदार ऑनलाइन आवेदन नहीं करेगा, उसकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।

पार्टी नेताओं के अनुसार जिला परिषद सदस्य, प्रधान और पंचायत समिति सदस्य पद के दावेदारों को ऑनलाइन आवेदन करने के साथ उसका प्रिंट लेकर ऑफलाइन आवेदन भी जमा कराना होगा। ऑफलाइन आवेदन संबंधित जिलाध्यक्ष, विधायक, विधायक प्रत्याशी, सांसद, जिला प्रभारी और पार्टी के अन्य नेताओं को देना होगा। आवेदन में मतदाता क्रमांक, ईपीआईसी नंबर, स्थायी पता, वार्ड और क्षेत्र का नाम सही-सही दर्ज करना अनिवार्य होगा। पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि आवेदन में गलत जानकारी पाए जाने पर संबंधित दावेदार के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

किसान बेहाल, सरकार चुनावी जोड़-तोड़ में व्यस्त : जूली

जयपुर, 4 अक्टूबर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पंचायत चुनाव में जोड़-तोड़ और धनबल की तैयारी में लगी है, जबकि किसान मौसम की मार से परेशान है। उन्होंने कहा कि कहीं कम बारिश और सूखे से तो कहीं बेमौसम बारिश व जलभराव से फसलों को नुकसान हुआ है। जूली ने कहा कि किसानों ने बीज, खाद, जुताई और सिंचाई पर खर्च किया।

कई ने कर्ज लेकर खेती की, लेकिन मौसम ने मेहनत पर पानी फेर दिया। केसीसी की किस्तों का दबाव भी बढ़ रहा है। उन्होंने तत्काल फसल खराबे का सर्वे, गिरदावरी, फसल बीमा भुगतान, पशुपालकों के लिए चारे की व्यवस्था और कर्ज-केसीसी में राहत की मांग की।

विधानसभाध्यक्ष ने शोक जताया

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधायक अशोक चांदना के यहां सिरसी रोड स्थित निवास पर पहुंचकर उनकी माताजी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। देवनानी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

गहलोत के आरोपों पर भाजपा नेताओं का पलटवार

जयपुर, 4 अक्टूबर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आरोपों पर पलटवार करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा को मिले जनसमर्थन के बाद कांग्रेस नेताओं की हताशा बयानों में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश पर सवाल उठाने के बजाय कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि गहलोत का बयान हताशा भरा है और कांग्रेस की प्रासंगिकता जनता के बीच समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'एक राज्य, एक चुनाव' की परिकल्पना साकार की जा रही है। ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने गहलोत पर सत्ता के दुरुपयोग और पंचायत चुनाव टुकड़ों में कराने के आरोप लगाए। प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भी पलटवार करते हुए कोविड काल में कांग्रेस सरकार के होटल में रहने और गहलोत के वर्तमान राजनीतिक रुख पर सवाल उठाए।

पंचायत चुनाव के लिए भाजपा ने मीडिया टीम को दिया मंत्र

जयपुर। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी कुलजीत सिंह चहल ने पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रदेश मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी विभाग की बैठक में प्रवक्ताओं, पैनलिस्ट और टीम से संवाद किया। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, जल जीवन मिशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित सरकार के कामों को हर घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है। प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार ने कहा कि मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी विभाग सरकार की योजनाओं एवं संगठन की नीतियों को जनता तक पहुंचाने तथा विपक्ष की नकारात्मक राजनीति का जवाब देने के लिए तैयार रहें। उन्होंने निकाय चुनाव की तरह पंचायत चुनाव में भी भाजपा को समर्थन मिलने की बात कही। बैठक में प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया प्रभारी हिरेन्द्र कौशिक और आईटी प्रभारी अविनाश जोशी सहित टीम के सदस्य मौजूद रहे।

ओबीसी हक हुंकार अभियान के मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस ओबीसी विभाग के 'ओबीसी हक हुंकार अभियान' के लिए मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष हर सहाय यादव की अध्यक्षता में हुआ।

इसमें प्रदेशभर के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पश्चिमी भारत जोनल प्रभारी एवं राष्ट्रीय वार रूम इंचार्ज रोहिताश बेदी, राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर मोहित चौधरी, राजकमल यादव और भोला गुर्जर उपस्थित रहे। रोहिताश बेदी ने जातिगत जनगणना की कमियों को बताते हुए वैज्ञानिक जातिगत जनगणना के लिए देशभर में 100 दिवसीय अभियान चलाने का आ ान किया। जिला अध्यक्षों ने कलेक्टरों को ज्ञापन देकर कमियां दूर करने की मांग की।

खुली नहर के विरोध में रामपाल जाट को नेतृत्व

जयपुर। ईसरदा बांध से बंध बारेठा तक खुली नहर से पानी ले जाने के विरोध और भूमिगत पाइपलाइन की मांग को लेकर ग्राम सारसोप के गणेश मंदिर मैदान में किसान महापंचायत हुई। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के मुख्य आतिथ्य में आयोजित सभा में आंदोलन के संचालन के लिए सर्वसम्मति से कोर समिति गठित की गई।

समिति में बीरबल मीणा, भारत लाल मीणा, कांजी मीणा, एडवोकेट हंसराज यादव, मोतीलाल मीणा, गोकुल चंद्र मीणा, आशुतोष गोयल, श्रीफल मीणा, श्याम लाल मीणा, अखैराम गुर्जर, बाबूलाल मीणा शहर, श्रवण गुर्जर गोलपुरा, अर्जुन लाल मीणा महापुरा, राम प्रसाद मीणा भवरकी, शंकर लाल कौड़ियाई, प्रभु लाल मीणा और मुन्ना खा सारसोंप शामिल हैं।

समिति ने सर्वसम्मति से रामपाल जाट को आंदोलन की नेतृत्व की कमान सौंपी। सभा को मोतीलाल मीणा, तारा सिंह सिद्धू, कैलाश गहलोत, बत्ती लाल बैरवा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार शंभू मिश्रा ने किया।

राजस्थान में मानसून विदा होते ही फिर बढ़ी गर्मी

- चार शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा

जयपुर। राजस्थान से मानसून की विदाई के साथ ही प्रदेश में दिन का तापमान बढ़ने लगा है। रविवार को चार शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। पिलानी में अधिकतम तापमान 41 डिग्री रहा, जो प्रदेश में सबसे अधिक था। जालोर में न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, पिलानी के अलावा श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 40.6, चूरू में 40.2 और बीकानेर में 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जैसलमेर में 39.7 और बाड़मेर में 39.1 डिग्री तापमान रहा। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहा और सुबह से तेज धूप रही। राजस्थान में इस वर्ष मानसून करीब तीन दिन की देरी से शनिवार को पूरी तरह विदा हुआ। इस मानसून सीजन में प्रदेश में सामान्य से करीब 22 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार अगले एक सप्ताह प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने और आसमान साफ रहने की संभावना है। इस दौरान दिन में तेज धूप के कारण गर्मी बनी रहेगी। तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 30 से 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जयपुर में रविवार को तेज धूप रही। शनिवार रात गर्म हवाएं चलने से न्यूनतम तापमान में 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्थान युवा कांग्रेस चुनाव में अभिषेक चौधरी सबसे आगे

अध्यक्ष का फैसला दिल्ली साक्षात्कार के बाद होगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लंबी जद्दोजहद के बाद राजस्थान युवा कांग्रेस के अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों के चुनाव परिणाम रविवार शाम जारी कर दिए गए। युवा कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण ने प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी के चुनाव परिणाम घोषित किए। अध्यक्ष पद के लिए पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष अभिषेक चौधरी 6 लाख 15 हजार 57 वोट लेकर सबसे आगे रहे। जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अनिल चोपड़ा 5 लाख 45 हजार 638 वोट के साथ दूसरे और राजकुमार परसवाल 1 लाख 95 हजार 30 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। अभिषेक चौधरी ने अनिल चौपड़ा से 69 हजार 419 वोट अधिक हासिल किए।

युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण के आयुक्त सज्जाद अहमद के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए सर्वाधिक वोट पाने वाले तीनों प्रत्याशियों में से अंतिम रूप से अध्यक्ष का चयन दिल्ली में होने वाले साक्षात्कार के बाद किया जाएगा। अभिषेक चौधरी, अनिल चोपड़ा और राजकुमार परसवाल को जल्द ही दिल्ली बुलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि तीनों प्रत्याशियों का वन-टू-वन साक्षात्कार राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब और प्रभारी मनीष शर्मा की ओर से लिया जाएगा। इसके बाद अध्यक्ष पद पर अंतिम निर्णय होगा। युवा कांग्रेस से जुड़े नेताओं के अनुसार अब अध्यक्ष पद को लेकर जयपुर से दिल्ली तक राजनीतिक सक्रियता भी बढ़ सकती है। अभिषेक चौधरी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के करीब माना जाता है, जबकि अनिल चोपड़ा को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का करीबी बताया जाता है। सबसे अधिक वोट मिलने के बाद अभिषेक चौधरी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय स्थित वॉर रूम पहुंचे और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। अभिषेक ने कहा कि चुनाव में उनके साथियों और समर्थकों ने उन्हें बड़ी संख्या में वोट देकर समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि आगे सभी साथियों को साथ लेकर भाजपा की भजनलाल सरकार के खिलाफ सड़क पर संघर्ष किया जाएगा।

- 6.15 लाख वोट लेकर अभिषेक चौधरी प्रथम हैं, जबकि अनिल चौपड़ा दूसरे और राजकुमार परसवाल तीसरे स्थान पर रहे

सभी 19 प्रत्याशियों को कार्यकारिणी में जगह: युवा कांग्रेस के चुनाव परिणाम की खास बात यह रही कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे सभी 19 प्रत्याशियों को प्रदेश कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है। प्रत्याशियों को मिले वोट के आधार पर उन्हें उपाध्यक्ष, महामंत्री और सचिव जैसे पद दिए गए हैं। इसके अलावा एससी-एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक और महिला आरक्षण के तहत भी कार्यकारिणी में प्रतिनिधित्व दिया गया है। अध्यक्ष पद पर चौथे स्थान पर रहीं निशा खीचड़, जिन्हें 3,338 वोट मिले, को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। अलफिजा को 2,144 वोट मिलने पर अल्पसंख्यक कोटे से प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। इसी तरह छगनलाल कुलदीप, प्रकाश चंद मीणा और भगवती मीणा को एससी-एसटी कोटे में उपाध्यक्ष बनाया गया है।

दिव्यांग कोटे में तेजकरण चौधरी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। निर्मला मेघवाल को एससी-एसटी महिला, यासमीन को अल्पसंख्यक महिला तथा शीतल परिहार और राहुल खान को ओबीसी कोटे में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डिंपल सिंधल, सुमन बानो, दिव्यानी कटारा, पूजा भार्गव और आशीष को सचिव निर्वाचित किया गया है।

छह माह से अधिक चली चुनाव प्रक्रिया : युवा कांग्रेस में अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया छह माह से अधिक समय तक चली। इस बार चुनाव में रिकॉर्ड 32 लाख 64 हजार 980 वोट पड़े थे। चुनाव प्राधिकरण ने इनमें से 13 लाख से अधिक वोट खारिज कर दिए थे, जबकि वैध दस्तावेजों के अभाव में 5 लाख से अधिक वोटों को रोक दिया गया था। इसके बाद चुनाव प्राधिकरण ने 13 से 19 सितंबर तक प्रत्याशियों को अपने वोट और दस्तावेज दुरुस्त करने का मौका दिया।

प्रक्रिया पूरी होने के बाद रविवार को चुनाव परिणाम जारी किए गए। हालांकि अध्यक्ष पद पर अंतिम निर्णय अभी बाकी है और तीनों शीर्ष प्रत्याशियों के दिल्ली में साक्षात्कार के बाद ही प्रदेश युवा कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिलेगा।

नितिन नवीन मोबाइल पर हुए कार्यकर्ताओं से रूबरू

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दौसा में आयोजित भाजपा जिला बैठक में मोबाइल कॉल के माध्यम से कार्यकर्ताओं से संवाद किया। प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया के संबोधन के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा संकल्प अभियान में अधिकतम भागीदारी का आव्हान किया।

नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 7 अक्टूबर को संकल्प सभा और सेवा ज्योति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा का सेवा संकल्प

अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहा है। अभियान में मेरे सपनों का भारत, चित्र सेवा, नमो सेवा, अनकही कहानियां, आंगन मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा ज्योति कलश यात्रा, वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु, सेवा के रंग राष्ट्र के संग, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज और सुशासन सेवा संवाद सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

कनाडा में गूंजी राजस्थान की तंबाकू मुक्ति मुहिम

- 78 शोधपत्रों में चुनी गई भारत की एकमात्र केस स्टडी

जयपुर। कनाडा के विक्टोरिया शहर में 1 से 3 अक्टूबर तक आयोजित नॉर्थ अमेरिका सोशल मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस (एनएएसएमसी-2026) में राजस्थान की 76 वर्षों की तंबाकू मुक्ति यात्रा को भारत की एकमात्र केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया गया। गांधी फाउंडेशन के अध्यक्ष और डब्ल्यूएचओ सिविल सोसाइटी कमीशन के सदस्य डॉ. रमेश गांधी ने यह प्रस्तुति दी। सम्मेलन में विभिन्न देशों के 78 शोधपत्र शामिल हुए, जिनमें स्वास्थ्य पर 39, पर्यावरण पर 29 और सुरक्षा पर 10 शोधपत्र थे।

डॉ. गांधी ने बताया कि राजस्थान में 1950 में किशोर धूम्रपान निषेध अधिनियम लागू हुआ था। वर्ष 1994 में इंडियन अस्थमा केयर सोसाइटी की ओर से हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका आगे चलकर कोटपा-2003 का आधार बनी। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के अनुसार, प्रदेश में तंबाकू सेवन 32.30 प्रतिशत से घटकर 24.70 प्रतिशत रह गया, यानी 7.60 प्रतिशत की कमी आई। राजस्थान के 100 दिवसीय 'टोबैको फ्री यूथ कैंपेन-2022' को केंद्र सरकार ने 2023, 2024 और 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ गायत्री परिवार, सेवा मंदिर, राजस्थान कैंसर फाउंडेशन, एसआरकेपीएस, गांधी फाउंडेशन, राजस्थानी वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन, कट्स और प्रयास सहित संस्थाओं का योगदान रहा। राजस्थान को विश्व स्वास्थ्य संगठन से चार बार सम्मान मिल चुका है। वर्ष 2026 में भी राज्य स्वास्थ्य विभाग को दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में प्रथम स्थान का पुरस्कार मिला। डॉ. गांधी ने तंबाकू के पूर्ण उन्मूलन के लिए वर्ष 2030 तक 'तंबाकू एंड गेम' के लक्ष्य की दिशा में बहुक्षेत्रीय साझेदारी और जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

पाटन के स्यालोदड़ा गांव में प्रदूषण मापन मशीन हटते ही फिर छाए धूल के गुबार

जांच के दौरान क्रशर बंद रहने से प्रदूषण के वास्तविक स्तर पर ग्रामीणों ने सवाल उठाये

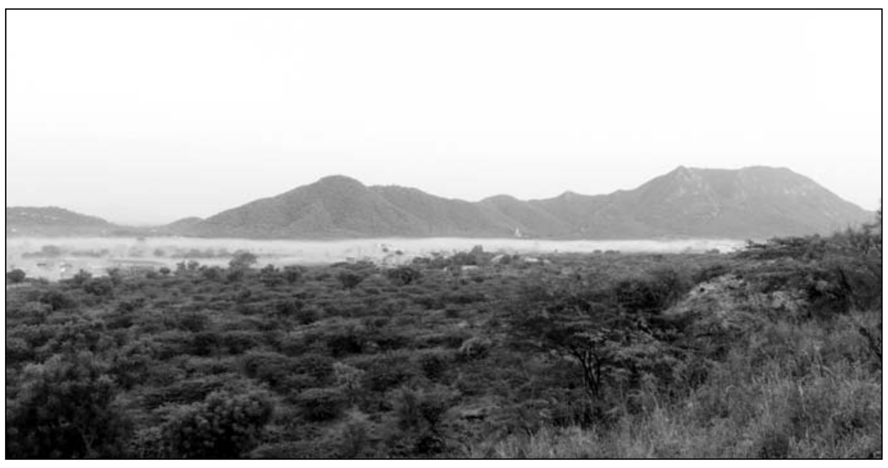

स्यालोदड़ा गांव में लंबे समय से बनी हुई धूल प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

■ ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग से स्यालोदड़ा में स्थायी रूप से धूल मापक अथवा वायु गुणवत्ता मापक यंत्र स्थापित करने की मांग की

पाटन, (निसं)। स्यालोदड़ा गांव में लंबे समय से बनी हुई धूल प्रदूषण की समस्या को लेकर ग्रामीणों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। कुछ दिन पूर्व प्रदूषण की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए गांव में प्रदूषण मापन मशीन लगाई गई थी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि जांच शुरू होने से करीब पांच घंटे पहले ही प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने क्रशर इकाइयों को बंद करवा दिया। इसके बाद करीब दो दिन तक मशीन से प्रदूषण की जांच की गई। इस दौरान क्रशर बंद रहने से ग्रामीणों ने जांच की निष्पक्षता और वास्तविकता पर सवाल उठाए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जैसे ही प्रदूषण मापन मशीन गांव से हटाई गई, वैसे ही क्षेत्र में एक बार फिर धूल के गुबार छाने लगे। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि जांच के दौरान क्रशर बंद रहेंगे और मशीन हटते ही दोबारा धूल उड़ने लगेगी, तो गांव में प्रदूषण के वास्तविक स्तर का पता कैसे चल पाएगा। ग्रामीणों का मानना है कि कुछ घंटों या दिनों की जांच के बजाय निरंतर निगरानी की व्यवस्था ही प्रदूषण की वास्तविक स्थिति सामने ला सकती है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से क्रशरों और अन्य औद्योगिक गतिविधियों से उड़ने वाली धूल परेशानी का कारण बनी हुई है। धूल के कारण लोगों को सांस संबंधी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की आशंका बनी रहती है। क्षेत्र में धूल जनित बीमारियों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। ग्रामीणों ने कई लोगों की मौत का भी उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंता जताई है। हालांकि, किसी बीमारी या मृत्यु का सीधा कारण प्रदूषण है या नहीं, इसकी पुष्टि चिकित्सकीय जांच के बाद ही हो सकती है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो भविष्य में इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। धूल प्रदूषण का असर केवल लोगों के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पेयजल, कृषि, खाद्य श्रृंखला और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसके बावजूद ग्रामीणों को समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई का इंतजार है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग से स्यालोदड़ा में स्थायी रूप से धूल मापक अथवा वायु गुणवत्ता मापक यंत्र स्थापित करने की मांग की है। उनका कहना है कि गांव में ऐसा यंत्र लगाया जाए, जो दिन-रात प्रदूषण के स्तर की वास्तविक समय में निगरानी कर सके। इसके आंकड़ों की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि प्रदूषण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो और निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ समय पर कार्रवाई की जा सके। ग्रामीणों के अनुसार, केवल कुछ दिनों के लिए मशीन लगाकर जांच करना पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय अचानक निरीक्षण, नियमित जांच और स्थायी निगरानी की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, ताकि जांच के दौरान क्रशर बंद कर वास्तविक स्थिति छिपाने की आशंका न रहे। साथ ही, निगरानी से प्राप्त आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं, जिससे ग्रामीणों को भी अपने क्षेत्र की वायु गुणवत्ता की वास्तविक जानकारी मिल सके। लोगों ने जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि स्यालोदड़ा में स्थायी प्रदूषण मापक यंत्र स्थापित कर उसकी नियमित मॉनिटरिंग और समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि यह किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि गांव के लोगों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर जनहित का विषय है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में धूल प्रदूषण पर नियंत्रण हो सके और लोगों को स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार मिल सके।

बीकानेर के बहुचर्चित राकेश हत्याकांड के छह दोषियों को उम्रकैद

कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

■ जांच में सामने आया था कि राकेश को आरोपियों ने जबरन रोक लिया और उसका अपहरण कर सुखाराम के घर ले गए, जहां उसे बांधकर पीटा था

बीकानेर, (निसं)। यहां छह साल पहले पुरानी रंजिश को लेकर युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। बहुचर्चित राकेश हत्याकांड में अपर सत्र न्यायालय संख्या-5 की जज मधु हिसारिया ने मामले की सुनवाई पूरी की। कोर्ट ने सभी 6 आरोपियों को दोषी ठहराया और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक दोषी पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

फैसले के समय मुख्य आरोपी सुखाराम और प्रहलाद पहले से ही न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद थे, जबकि अन्य चार आरोपी श्रवणचंद, मुकेश, पुष्पा देवी और मंजू देवी जमानत पर बाहर चल रहे थे। अदालत ने चारों की जमानत निरस्त कर दी और उन्हें तुरंत हिरासत में लेकर जेल भेजने के आदेश दिए। सभी दोषियों के सजा वारंट तैयार कर दिए गए हैं। जांच में सामने आया था कि राकेश को आरोपियों ने जबरन रोक लिया और उसका अपहरण कर सुखाराम के घर ले गए, जहां उसे बांधकर पीटा था।

अपर लोक अभियोजक शिवशंकर स्वामी ने मामले की पैरवी की। उन्होंने बताया कि घटना 19 जून 2021 की रात करीब 11:30 बजे की है। गीगासर गांव में रामदेवजी मंदिर के पास से गुजर रहे युवक राकेश को आरोपियों ने जबरन रोक लिया और उसका अपहरण कर सुखाराम के घर ले गए।

वहां आरोपियों ने उसे रस्सियों से बांध दिया और लाठियों-सरियों से ताबड़तोड़ हमला कर बेरहमी से पीटा। मारपीट की भनक लगते ही राकेश का भाई महावीर प्रसाद और परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने राकेश को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया और गंभीर हालत में देशनोक हॉस्पिटल ले गए। वहां से उसे बीकानेर के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई की रिपोर्ट पर 20 जून 2021 को देशनोक थाने में मामला दर्ज हुआ, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में केस पेश किया।

कोर्ट ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के नक्शे और आरोपियों से बरामद लाठियों व रस्सी जैसे ठोस सबूतों के आधार पर अभियोजन पक्ष के दावों को विश्वसनीय माना। इसके अलावा कोर्ट ने मृतक के आश्रितों को पीड़ित प्रतिकर (मुआवजा) दिलाने के लिए फैसले की प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बीकानेर को भेजने के निर्देश दिए। अदालत ने दोषियों को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। हालांकि इसके अलावा विभिन्न धाराओं में 10-10 हजार रुपए जुर्माना और 7, 2 और 1 साल की सजा तय की गई है। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

सेल्समैन की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

भीलवाड़ा, (निसं)। लुधियाना में एक कंपनी में ड्यूटी कर रहे सेल्समैन पंकज तिवारी की साइलेंट अटैक से मौत हो गई। घटना के चार दिन बाद, मृतक के परिजनों और स्थानीय निवासियों ने भीलवाड़ा स्थित टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन ऑफिस के बाहर एकत्रित होकर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। परिजनों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताते हुए उचित मुआवजे की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उठा भीड़ को समझाने व स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुट गई।

रावतभाटा में 290 किलो अफीम डोडा-चूरा बरामद, कार छोड़ तस्कर फरार हुये

पुलिस टीम ने कार से फर्जी नंबर प्लेट्स भी बरामद की

रावतभाटा, (निसं)। नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ जिला चित्तौड़गढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत भैंसरोड़गढ़ थाना पुलिस ने श्रीपुरा भुंजर घाटे पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांचग की, पुलिस नाकाबंदी को देखकर तस्कर अपनी कार को रास्ते में ही छोड़कर घने जंगलों में फरार हो गए। पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कार में भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया गया। टीम ने कार में तलाशी के दौरान फर्जी नंबर प्लेट्स भी बरामद की।

भैंसरोड़गढ़ थानाधिकारी कमल चंद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार तड़के विशेष पुलिस टीम द्वारा श्रीपुरा भुंजर घाटे पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस की नाकाबंदी देखकर कार चालक घबरा गया और कार को तुरंत मोड़कर भुंजर गांव की तरफ तेजी से भगाने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने संदेह होने पर बिना समय गंवाए तत्परता दिखाते हुए वाहन का पीछा किया, खुद को पुलिस से घिरा देख तस्करों ने भुंजर घाटे की चढ़ाई पर कार को बंद कर दिया। इसके बाद चालक और उसका साथी कार से कूदकर सड़क किनारे स्थित घने जंगल की ओर भाग गए। पुलिस टीम ने आसपास की पहाड़ियों और जंगलों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन घने जंगल की आड़ लेकर तस्कर अंधेरे में भाग गये।

पुलिस टीम ने मौके पर जप्त कार की सघन तलाशी ली, तो कार में से 290 किलोग्राम 210 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद हुआ। इसके साथ ही कार के अंदर से 6 फर्जी नंबर प्लेट्स भी जब्त की गईं, जिन पर तीन अलग-अलग पंजीकरण क्रमांक अंकित थे। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि तस्कर नाकों और टोल प्लाजा पर पुलिस को गुमराह करने के लिए फर्जी नंबर प्लेट्स बदलकर तस्करी को अंजाम देते थे। भैंसरोड़गढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर बरामद माल व कार को जप्त किया गया। पुलिस अब जब्त कार के चेसिस व इंजन नंबर के आधार पर उसके वास्तविक मालिक, फरार तस्करों के ठिकानों तथा इस पूरे अवैध नशा आपूर्ति नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी हुई है।

केमिकल से भरा टैंकर पलटा, आग लगने से ड्राइवर जिंदा जला

हादसे के दौरान चालक का भांजा टैंकर से सुरक्षित बाहर निकला

■ केमिकल टैंकर बड़ौदा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था, बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-48 के गोगा फला के पास हादसा हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-48 पर रविवार शाम चार बजे गोगा फला के पास तेज रफ्तार केमिकल टैंकर बेकाबू होकर पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप ले लिया। टैंकर में फंसे ड्राइवर राजाराम चौहान (26) की जिंदा जलने से मौके पर मौत हो गई, जबकि उसका भांजा जगदीश मौर्य (18) घायल हो गया। टैंकर में एसिड भरा होने से सड़क पर केमिकल फैल गया और धुआं उठने लगा। हादसे के बाद हाइवे के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई और यातायात बाधित हो गया।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी देवेंद्र देवल ने बताया कि रविवार दोपहर बाद केमिकल टैंकर बड़ौदा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था। गोगा फला के पास अचानक टैंकर बेकाबू हो गया और सड़क पर पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें भरा एसिड सड़क पर फैल गया और आग लग गई। एसिड जहां-जहां गिरा, वहां भी धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में आग की लपटें और धुआं तेजी से बढ़ने लगा। हादसे के दौरान ड्राइवर राजाराम चौहान टैंकर के अंदर फंस गया। आग की चपेट में आने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और जिंदा जलने से उसकी मौत हो गई। वहीं, उसका हेल्पर भांजा जगदीश मौर्य हादसे के बाद टैंकर से बाहर निकल आया, जिससे उसकी जान बच गई। वह हादसे में घायल हुआ है, जिसे पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। दोनों मध्यप्रदेश के धार जिले के पूरा टांडा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही डूंगरपुर से फायर ब्रिगेड को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टैंकर को सड़क से हटवाया और यातायात को धीरे-धीरे सुचारू कराया। हादसे के कारण हाइवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। पुलिस अब हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

चोरी के दो आरोपी पकड़े

पूंगल, (निसं)। पुलिस ने 26 सितंबर को हुई चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। भीमसेन मेघवाल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बंद मकान के ताले तोड़कर करीब 6 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर लिए गए थे। पुलिस ने जांच के बाद पूगल निवासी हितेश गिरी और दिनेश नायक को पकड़ा।

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टॉलों का निरीक्षण

जोधपुर, (कासं)। स्वच्छता अभियान के तहत जोधपुर रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टॉलों का निरीक्षण कर यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खान-पान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान स्टॉलों की साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, खाद्य पदार्थों के रखरखाव और स्वच्छता मानकों की पालना की जांच की गई।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छ वातावरण के साथ सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खान-पान उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में कैटरिंग स्टॉलों की नियमित जांच की जा रही है। संचालकों को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने, निर्धारित स्वच्छता मानकों की पालना करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्टॉल परिसर, काउंटर, खाद्य सामग्री रखने की जगह तथा आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। कैटरिंग कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने तथा यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जेवर चोरी

उदयपुर, (कासं)। हिरणमगरी थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ पीड़ित के मकान से जेवर चुराने का प्रकरण दर्ज किया। पीड़ित प्रतीक जैन पुत्र जीनेश जैन निवासी न्यू महावीर नगर सेक्टर 4 ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 3 अक्टूबर को हाथ से सोने का कड़ा खोलकर टेबल पर रखा था। जहां से मैं अपनी दुकान पर चला गया। वापस घर लौटा तो टेबल पर रखा कड़ा नहीं मिला।

भीलवाड़ा के आरजिया गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद

हमलावरों ने दहशत फैलाने की नियत से दो से तीन राउंड हवाई फायर कर दिए

■ पुलिस ने भीड़ के बीच फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और मौके से दो मुख्य संदिग्धों को हिरासत में ले लिया

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र के आरजिया गांव में शनिवार को जमीन के एक टुकड़े को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि हमलावरों ने दहशत फैलाने की नियत से दो से तीन राउंड हवाई फायर कर दिए। फायरिंग की आवाज से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और तनाव के हालात पैदा हो गए। सूचना मिलते ही मांडल थाना पुलिस भारी जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने मौके से दो मुख्य संदिग्धों को हिरासत में ले लिया

पुलिस के अनुसार, सुभाष नगर क्षेत्र से कुछ लोग जमीन से जुड़े एक मामले को लेकर आरजिया गांव पहुंचे थे। वहां स्थानीय परिवार के साथ उनकी कहासुनी हो गई। बहस बढ़ती देख भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और बाहर से आए लोगों की घेराबंदी कर ली। खुद को घिरता देख आरोपियों ने पिस्टल से हवाई फायरिंग कर दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ के बीच फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और मौके से ही दो मुख्य संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। गनीमत रही कि इस वारदात में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस फिलहाल आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है तथा मामले की जांच जारी है।

कैप्टिव ब्रीडिंग से तैयार दो गोडावण पहली बार प्राकृतिक पर्यावास में रिलीज़ किये

री-वाइल्डिंग एवियरी में चौबीस घंटे निगरानी के बाद जंगल में विचरण करेंगे गोडावण

रामदेवरा स्थित सुदासरी में गौडावण को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने रिलीज किया।

■ गत शनिवार को सूदासरी में पहली बार ब्रीडिंग सेंटर (प्रजनन केंद्र) में पले-बढ़े गोडावणों को उनके प्राकृतिक पर्यावास (नेचुरल हैबिटेट) में रिलीज किया गया था

पोकरण, (नि.सं.)। थार के रेगिस्तान जैसलमेर में राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण की दिशा में रविवार को एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई। सम क्षेत्र स्थित डेजर्ट नेशनल पार्क की सूदासरी रेंज में पहली बार कैप्टिव ब्रीडिंग से तैयार किए गए दो गोडावणों को प्राकृतिक पर्यावास में फ्री रिलीज किया गया। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में दोनों गोडावणों ने प्राकृतिक वातावरण में आजादी की उड़ान भरी। इस अवसर पर वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, डीजी फॉरेस्ट संतोष तिवारी सहित वन विभाग एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं गत शनिवार को जैसलमेर जिले के सूदासरी में पहली बार ब्रीडिंग सेंटर (प्रजनन केंद्र) में पले-बढ़े गोडावणों को उनके प्राकृतिक पर्यावास (नेचुरल हैबिटेट) में रिलीज किया गया था। विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने के लिए अथक प्रयास करने का नतीजा है कि शनिवार को गोडावण को री-वाइल्डिंग एवियरी में छोड़ा गया। पहले यह चौबीस घंटे निगरानी में रहेंगे, इसके बाद जंगल में पहले की तरह विचरण करेंगे।

गोडावण संरक्षण अभियान के लिए यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ब्रीडिंग सेंटर में नियंत्रित वातावरण में तैयार किए गए गोडावणों को पहली बार सीधे उनके प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ा गया है। रिलीज से पूर्व दोनों गोडावणों को करीब दो से तीन माह तक री-वाइल्डिंग टनल में प्राकृतिक जीवन के लिए तैयार किया गया। इस दौरान उन्हें खुले वातावरण में उड़ान भरने, स्वयं भोजन तलाशने तथा प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप व्यवहार करने का अभ्यास कराया गया। स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी परीक्षणों में पूरी तरह स्वस्थ पाए जाने के बाद दोनों गोडावणों को प्राकृतिक पर्यावास में रिलीज करने का निर्णय लिया गया। रिलीज किए गए दोनों गोडावणों को जीपीएस टैग लगाया गया है। जीपीएस टैग के माध्यम से भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक उनकी गतिविधियों पर 24 घंटे नजर रखेंगे। इसके जरिए उनकी लोकेशन, उड़ान, भोजन की तलाश, मूवमेंट, सुरक्षित ठिकानों और प्राकृतिक व्यवहार की लगातार निगरानी की जाएगी। विशेष रूप से हाईटेंशन बिजली लाइनों वाले क्षेत्रों में उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा शिकारियों से संभावित खतरे तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानवीय जोखिमों की भी निगरानी की जाएगी, ताकि रिलीज के बाद गोडावणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वैज्ञानिकों द्वारा जीपीएस टैग के माध्यम से जुटाए जाने वाले आंकड़े गोडावणों के प्राकृतिक व्यवहार और पर्यावास में उनके अनुकूलन को समझने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इन आंकड़ों के आधार पर भविष्य में कैप्टिव ब्रीडिंग से तैयार किए जाने वाले अन्य गोडावणों को भी प्राकृतिक पर्यावास में रिलीज करने की रणनीति तैयार की जाएगी। गोडावण संरक्षण के क्षेत्र में भारतीय वन्यजीव संस्थान और वन विभाग पिछले करीब एक दशक से लगातार कार्य कर रहे हैं। कैप्टिव ब्रीडिंग, वैज्ञानिक निगरानी और री-वाइल्डिंग की दिशा में किए गए लंबे प्रयासों के बाद अब पहली बार ब्रीडिंग सेंटर में तैयार गोडावणों को प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ने की उपलब्धि हासिल हुई है।

सूदासरी में हुई यह ऐतिहासिक रिलीज थार के संकटग्रस्त राज्य पक्षी गोडावण को बचाने की मुहिम में नए और महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत मानी जा रही है।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

■ पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया

लूणकरणसर, (निसं)। थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। जानकारी के अनुसार, नाथवाना से लूणकरणसर के बीच रेलवे पिलर नंबर 235/8 के पास यह व्यक्ति ट्रेन से गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही लूणकरणसर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने शव को लूणकरणसर के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि इस व्यक्ति के बारे में किसी को कोई जानकारी हो तो लूणकरणसर थाना पुलिस को बताएं।

युवती को बाइक ने टक्कर मारी, दोनों घायल

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के रामपुरा स्टैंड पर रविवार सुबह सड़क पार कर रही युवती को सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक और युवती दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

त्यौंदा निवासी आंचु (17) पुत्री कृष्ण कुमार रविवार सुबह करीब 10 बजे आरएससीआईटी की परीक्षा देने के लिए खेतड़ी स्थित राजकीय जयसिंह स्कूल जा रही थी। रामपुरा स्टैंड पर बस में बैठने के लिए वह सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार कुरंड निवासी रामजीलाल (42) पुत्र प्रभातीलाल और आंचु दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए मेहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस से दोनों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों की टीम ने जांच एवं उपचार के बाद दोनों को झुंझुनूं रैफर कर दिया।

आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
क्रमांकः डीपीएम/सीसी/मप्रकृप्रौविवि/निविदा-01/2026-27/7527 दिनांक 03/10/2026
ई-निविदा सूचना-01 (2026-27)
निदेशक, आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय, म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि., उदयपुर की ओर से कलर प्रिन्टिंग कार्य करने हेतु (अनुमानित लागत रू. 25 लाख), मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त शर्तें एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.mpuat.ac.in पर देखा जा सकता है।
निदेशक
आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय
UBN No. ATU2627SLOB00202

दीपावली से पहले जयपुर में फायर सेफ्टी जांच तेज

150 भवन मालिकों को नोटिस थमाया नगर निगम प्रशासन ने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दीपावली से पहले जयपुर में पटाखों की अस्थाई दुकानों के लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। इसी के साथ नगर निगम ने पटाखा दुकानों के साथ बाजारों, होटल, रेस्टोरेंट, बार, स्कूल-कॉलेज और अन्य व्यावसायिक भवनों में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच तेज कर दी है। फायर सेफ्टी में कमियां मिलने पर भवन मालिकों को नोटिस देने और जरूरत पड़ने पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

■ **फायर सेफ्टी में कमियां मिलने पर भवन मालिकों को नोटिस देने और जरूरत पड़ने पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी : उपायुक्त दुर्गा कुमारी**

नगर निगम की फायर विंग ने अब तक फायर फाइटिंग सिस्टम और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं में खामियां मिलने पर 150 भवन मालिकों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में 15 दिन के भीतर कमियां दूर करने और आवश्यक फायर सेफ्टी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तय समय में व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं करने और नगर निगम से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं लेने पर संबंधित भवन के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

नगर निगम फायर विंग की डिप्टी कमिश्नर दुर्गा कुमारी ने बताया कि पुरोहितजी का कटला में आग की घटना के बाद वहां सामने आई कमियों और अनियमितताओं को दूर करने की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही शहर के अन्य संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच तेज की गई है। उन्होंने बताया कि फायर टीम अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण कर रही है। जहां सुरक्षा नियमों की अनदेखी मिल रही है, वहां भवन मालिकों को व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए जा रहे हैं। दीपावली के मद्देनजर पटाखों की दुकानों पर भी फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। कमियां मिलने पर नियमानुसार नोटिस या अन्य कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम प्रशासन का फोकस आग की घटनाओं की स्थिति में तत्काल बचाव व्यवस्था उपलब्ध कराने और संभावित नुकसान को कम करने पर है। पटाखों की अस्थाई दुकानों के लिए लाइसेंस जारी होने के साथ ही उनके लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

देवनानी से यूपी के स्पीकर ने मुलाकात की

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से रविवार को यहां सिविल लाइंस स्थित राजकीय आवास पर उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मुलाकात की। इस अवसर पर देवनानी ने महाना का दुपट्टा पहना कर अभिवादन किया। दोनों विधान सभा अध्यक्षों के बीच देश की लोकतांत्रिक एवं विधायी परम्पराओं, विधान सभाओं के सुचारु संचालन तथा सदनों की कार्यप्रणाली से जुडे विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। देवनानी ने कहा कि देश की विधान सभाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारभूत संस्थाएं हैं। इनके माध्यम से जनप्रतिनिधि जनभावनाओं को सदन तक पहुंचाने के साथ ही जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक विमर्श करते हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के बीच अनुभवों और श्रेष्ठ संसदीय परम्पराओं का आदान-प्रदान लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक है। महाना ने राजस्थान विधान सभा की गौरवशाली संसदीय परम्पराओं की सराहना करते हुए देवनानी को राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित अमृत महोत्सव के लिए शुभकामनाएं दीं।

''ब्लिंकिट'' डार्क स्टोर के औचक निरीक्षण में मिली कई गड़बड़ियां

खाद्य सुरक्षा विभाग ने घी के 2 सैंपल लिए, 164 पैकेट खाद्य सामग्री भी मौके पर ही नष्ट करवाई

जयपुर। शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने विश्वा नगर, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला स्थित ब्लिंकिट डार्क स्टोर का निरीक्षण कर कार्रवाई की। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के निर्देश और खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय दल ने यह कार्रवाई की।

■ **खाद्य पदार्थों के सैंपल की रिपोर्ट के आधार पर होगी अग्रिम कार्रवाई**

अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह ने बताया कि निरीक्षण में पनीर और चीज करीब 13 डिग्री सेल्सियस पर रखे मिले, जबकि दूध के कुछ पैकेट फटे और रिसते हुए पाए गए। गंदे कैरेट में दूध के साथ चिकन के पैकेट भी रखे थे। आटे के कट्टे फिनाइल के साथ, खाद्य सामग्री बिना पैलेट, उखड़े प्लास्टर वाली छत के नीचे तथा जंग लगी रैक और गंदे फर्श पर रखी मिली। तेल के पैकेट भी अत्यधिक गंदे पाए गए।

फूड हैंडलर्स के मेडिकल सर्टिफिकेट, पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र और लॉग रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। लोडिंग-अनलोडिंग क्षेत्र में गंदगी व थूक की पीक मिली। कर्मचारियों द्वारा खाद्य सामग्री निकालने के लिए जूते पहनकर रैक पर चढ़ने की बात भी सामने आई। निर्धारित तापमान पर भंडारण नहीं होने के कारण 164 पैकेट खाद्य सामग्री मौके पर नष्ट करवाई गई। मिलावट की आशंका पर घी के 2 सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं। रिपोर्ट में सामग्री मिलावटी या गुणवत्ता मानकों से कम पाए जाने पर संबंधित फर्म के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत दंडात्मक एवं न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

छोटी काशी में शारदीय नवरात्र की तैयारियां-सजावट परवान पर

बंगाल के कारीगर दे रहे मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप

जयपुर स्थित दुर्गाबाड़ी में बंगाल के कारीगर नवरात्रि महोत्सव की तैयारियों में जुटे हैं।

जयपुर (कासं)। छोटी काशी में शारदीय नवरात्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर के विभिन्न इलाकों में पूजा समितियां पंडाल तैयार करने में जुटी हैं, वहीं बंगाल से आए मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में दिन-रात जुटे हुए हैं। बनीपार्क, मालवीय नगर, सी-स्कीम सहित कई इलाकों में नवरात्र उत्सव की तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं।

■ **11 अक्टूबर से शुरू होगा नवरात्र पर्व, बाजारों में भी बढ़ी चहल-पहल**

मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं की बारीक कारीगरी पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उनके अनुसार प्रतिमा तैयार करने की प्रक्रिया में मिट्टी तैयार करने से लेकर ढांचा बनाने, आकार देने, सुखाने और रंग-रोगन तक कई चरण होते हैं। प्रतिमाओं को आकर्षक स्वरूप देने के लिए अंतिम चरण में चेहरे की भाव-भंगिमा और आभूषणों की बारीकियों पर विशेष काम किया जा रहा है।

पूजा समितियों की ओर से पंडालों के निर्माण के लिए बांस, बल्ली और कपड़े सहित अन्य सामग्री जुटाई जा रही है। पंडालों को आकर्षक बनाने के लिए बिजली की रंग-बिरंगी झालरों और सजावटी रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। नौ दिनों तक यहां मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। नवरात्र को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। पूजा सामग्री, फल-फूल, प्रसाद और सजावट के सामान की दुकानें सजने लगी हैं। श्रद्धालु घरों में भी माता के स्वागत और पूजा की तैयारियों में जुट गए हैं।

जयपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में धारा 163 लागू

जयपुर। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के आम चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट अजय सिंह ने रविवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर चुनाव आचार संहिता समाप्त होने तक प्रभावी रहेंगे। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

■ **हथियार लेकर चलने और भड़काऊ पोस्ट पर रोक**

■ **जुलूस, सभा और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए लेनी होगी अनुमति**

सात क्षेत्रों में चार चरणों में चुनाव

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत झोटवाड़ा, आमेर, चाकसू, कोटखावदा, सांगानेर, बस्सी और तूंगा क्षेत्रों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव चार चरणों में संपन्न होंगे। चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए विभिन्न प्रतिबंध लागू किए गए हैं। आदेश के अनुसार सार्वजनिक स्थलों पर रिवॉल्वर, पिस्टल, बंदूक जैसे आग्नेयास्त्र, विस्फोटक पदार्थ, घातक रसायन, तलवार, कृपाण, चाकू, गंडासा और लाठी आदि लेकर घूमने तथा इनका प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, आदेश में निर्धारित श्रेणियों को छूट दी गई है। संबंधित पुलिस उपायुक्त की अनुमति के बिना जुलूस, सभा, धरना या भाषण का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग भी अनुमति मिलने के बाद ही किया जा सकेगा। इनके इस्तेमाल का समय सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। आदेश के तहत सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन प्रतिबंधित रहेगा। निर्धारित ड्राई डे के दौरान शराब की बिक्री पर भी पूर्ण रोक रहेगी। मतदान केंद्रों और उनके आसपास पहचान पर्ची के नाम पर चुनाव चिह्न, झंडे या पोस्टर प्रदर्शित नहीं किए जा सकेंगे। निषेधाज्ञा के प्रावधानों से सुरक्षा बलों और चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को छूट दी गई है। इसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी (आरएसी), राजस्थान पुलिस, अर्द्धसैनिक बल, होमगार्ड तथा चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारी शामिल है। सिख समुदाय के व्यक्तियों को धार्मिक परंपरा के अनुसार कृपाण रखने की छूट रहेगी।

लोन कलेक्शन एजेंट से 1.26 लाख रुपए लूटे

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश लोन कलेक्शन एजेंट से 1.26 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। बदमाशों ने बाइक की पेट्रोल टंकी पर रखा नकदी से भरा बैग झपट्टा मारकर छीन लिया। वारदात के बाद पुलिस ने नाकाबंदी करवाई, लेकिन लुटेरों का सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

हेड कांस्टेबल राजेश ने बताया कि कुचामन-डीडवाना के परबतसर निवासी नाथूराम बागड़ी (26) के साथ लूट हुई है। नाथूराम राजावास के गणेश विहार में रहकर एक निजी बैंक में लोन कलेक्शन एजेंट का काम करता है। जो दौलतपुरा के खोरा श्यामदास से लोन की किस्तों के 1.26 लाख रुपए बैग में लेकर बाइक से निकला था। उसे बदनपुरा में दूसरी सेंटर मीटिंग में जाना था। इसी दौरान रास्ते में पीछे से बाइक पर सवार दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर पेट्रोल टंकी पर रखा नकदी से भरा बैग छीन लिया। नाथूराम ने शोर मचाते हुए बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों तेज रफ्तार से बाइक लेकर फरार हो गए। सूचना पर दौलतपुरा पुलिस ने नाकाबंदी करवाई, परंतु बदमाशों का सुराग नहीं लगा।

सार-समाचार

जयपुर एयर कार्गो का रिकॉर्ड कारोबार

जयपुर। राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड (राजसिको) द्वारा संचालित जयपुर एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स ने सितंबर 2026 में स्थापना वर्ष 1979 के बाद का सर्वाधिक मासिक वित्तीय कारोबार 1.93 करोड़ रुपये दर्ज किया। इस दौरान 276.807 मीट्रिक टन आयात-निर्यात कार्गो का संचालन हुआ, जिसका कुल व्यापारिक मूल्य 2,776.91 करोड़ रुपये रहा। इसमें 211.261 मीट्रिक टन निर्यात (1,557.07 करोड़ रुपये) और 65.546 मीट्रिक टन आयात (1,219.83 करोड़ रुपये) शामिल है। राजसिको ने संचालन एवं परिवहन व्यवस्था के लिए सितंबर से गोविन्दम क्लीयरिंग एजेंसी प्रा. लि. को ठेकेदार नियुक्त किया है। वहीं, व्यापार अवसंरचना निर्यात योजना (टीआईईएस) के तहत विकसित एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स विस्तार सुविधा को जल्द चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की तैयारी है। यहां एक्सप्रेस कार्गो क्लीयरेंस सिस्टम, कोल्ड स्टोरेज और डाक निर्यात केंद्र जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इनके शुरू होने से राजस्थान के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), ई-कॉमर्स निर्यातकों, स्टार्टअप और हस्तशिल्प कारोबारियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।

जयपुर डिजाइन फेस्टिवल 16 नवंबर से

जयपुर। जयपुर में पहली बार 16 से 18 नवंबर तक तीन दिवसीय 'जयपुर डिजाइन फेस्टिवल 2026' आयोजित होगा। रविवार को जवाहर कला केंद्र में फेस्टिवल का पोस्टर लॉन्च किया गया। आयोजन एसोसिएशन ऑफ डिजाइनर्स ऑफ इंडिया (एडीआई) के जयपुर चैप्टर की ओर से किया जाएगा। फेस्टिवल डायरेक्टर मीनाक्षी सिंह ने बताया कि इस अवसर पर फोटोग्राफर सुधीर कासलीवाल और ब्लू पॉटरी कलाकार लीला बोर्डिया मौजूद रहीं। फेस्टिवल क्यूरेटर एवं क्रिएटिव डायरेक्टर आयुष कासलीवाल के अनुसार, '300 वर्षों की विरासत, अगले 300 वर्षों के लिए डिजाइन' थीम पर आयोजित इस फेस्टिवल में डिजाइन फोरम, पैनल चर्चा, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। विरासत, शिल्प, सतत विकास, आवागमन, शिक्षा, नवाचार और चक्रीय अर्थव्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर छह प्रमुख मंचों के माध्यम से जयपुर के भविष्य पर चर्चा की जाएगी।

स्वच्छता मित्रों का सम्मान किया

जयपुर। भाजपा रिद्धि-सिद्धि मंडल की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को त्रिवेणी नगर स्थित श्री भूतेश्वर महादेव हनुमान मंदिर के पास स्वच्छता अभियान एवं स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में योगदान देने वाले स्वच्छता मित्रों का सम्मान कर पुरस्कार प्रदान किए गए। मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील गौड़ ने कहा कि स्वच्छता प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और सामूहिक प्रयासों से स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत का संकल्प साकार होगा। इस अवसर पर मंडल महामंत्री महेंद्र बागड़ी, प्रवक्ता मनोज गोतोड़, उपाध्यक्ष गीतांजलि गौतम, सह-कोषाध्यक्ष हेमराज शर्मा, वार्ड 43 के पार्षद शैलेंद्र भार्गव, पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन गणेश मीणा सहित विभिन्न वार्डों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संजय कल्ला को पीएचडी की उपाधि

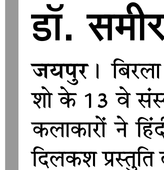

जयपुर (कासं)। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी ने ए स्टडी ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ ऑर्गनाइजेशनल लर्निंग ऑन द मेकिंग ऑफ ए लर्निंग ऑर्गनाइजेशन विषय पर शोध के लिए संजय कुमार कल्ला को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की है। यह शोधकार्य प्रोफेसर (डॉ.) मोनिका ओझा खत्री के निर्देशन में संपन्न हुआ है।

डॉ. समीर शर्मा ने दिलकश गीत सुनाए

जयपुर। बिरला सभागार में हेल्दी स्माइल्स ग्रुप की ओर से गोल्डन एरा शो के 13 वे संस्करण का रंगारंग आयोजन हुआ। शो में अनेक नामचीन कलाकारों ने हिंदी सिनेमा के 60 के दशक से आज तक के गानों की दिलकश प्रस्तुति दी। अल्पना राव ने जवाने जानेमन गीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद ऋचा खोड़ा ये लो मैं हारी पिया गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। आई सुरीले.. सिंगर केपी सक्सेना ने मुझे दुनिया वालों एक अलग अंदाज़ से गाकर श्रोताओं की तालियाँ बटोरी। इसके अतिरिक्त के पी सक्सेना ने दीवाने हैं दीवानों को एवं कान में झुमका गीतों की मेडले की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आकर्षण डॉ समीर शर्मा सैम रहे। धमाकेदार प्रस्तुति में उन्होंने सारा ज़माना, प्यार में दिल पे और ओम शांति ओम श्रोताओं के बीच से अभिभादन करते हुए गाया एवं श्रोताओं को खूब नचाया। इसके बाद डॉ समीर ने तेरा साथ है कितना प्यारा युगल गीत अल्पना राव के साथ, कैलाश खैर का ए री सखी आदि गीत सुनाए। गीतिका चतुर्वेदी ने आजा आयी बहार, जितेंद्र मक्कर ने तुम्हें अपना बनाने की कसम, ज़िंदगी की टूटे ना लड़ी युगल गीत गीतिका चतुर्वेदी के साथ आदि गीत सुनाए। राजेश सक्सेना ने मुंह से सीटी की बेहतरीन आवाज़ निकाल कर गीतों के बीच में संगीत दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हिंदी सिनेमा जगत के स्वर्णिम काल के कई प्रसिद्ध गीतों के मैशअप एवं मेडले रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमितकुमार प्रधान आयकर आयुक्त रहे।

युवक ने फांसी लगाई

जयपुर। शिप्रापथ क्षेत्र के पटेल मार्ग पर 1 अक्टूबर को एक युवक ने बिजली के तार का फंदा बनाकर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले युवक ने एक वीडियो बनाया और बिहार स्थित अपने गांव में रहने वाली भाभी को भेजा। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए साली और साढ़ू को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि दोनों ने उसकी पत्नी को उससे अलग कर दिया और उससे बातचीत नहीं करने देते थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का जयपुरिया अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार मूल रूप से बिहार के मधुबनी निवासी और वर्तमान में मानसरोवर के पटेल मार्ग पर किराए से रहने वाला मोहम्मद नसीरूप निर्माणाधीन मॉल में अग्निशमन प्रणाली लगाने का काम करता था। आत्महत्या से पहले बनाए गए वीडियो में उसने आरोप लगाया कि उसकी साली रिजवाना खातून और साढ़ू मोहम्मद अलाउद्दीन ने उसकी पत्नी को उससे अलग कर दिया है और उससे बात नहीं करने देते। उसने यह भी कहा कि उसे घर में नहीं रहने देने की बात कही जा रही थी। नसीरूप ने वीडियो में अपने दो बच्चों का भी जिक्र किया और इसे सबूत के तौर पर पुलिस को भेजने की बात कही। परिजनों के अनुसार 1 अक्टूबर दोपहर करीब 1:06 बजे नसीरूप ने यह वीडियो बिहार में रहने वाली अपनी भाभी पूनियां खातून को भेजा। वीडियो देखने के बाद परिजनों ने जयपुर में रहने वाले नसीरूप के दोस्त शाहुबद्दीन को तत्काल सूचना दी। शाहुबद्दीन आनन-फानन में उसके कमरे पर पहुंचा, लेकिन तब तक नसीरूप पंखे से लटक चुका था।

वार्ड 77 में सीसीटीवी कैमरों का लोकार्पण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 77 के विश्वविद्यालय पुरी, गोपालपुरा में विधायक कोष से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का लोकार्पण किया। नटवर कुमावत ने बताया कि विश्वविद्यालय पुरी 46वीं कॉलोनी है जहां कैमरे लगाए जा चुके हैं, जबकि 7 कॉलोनियों में काम प्रगति पर है। सराफ ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों से चोरियों पर अंकुश लगाने और असामाजिक गतिविधियों को रोकने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर पार्षद प्रेम कुमार जैन, वार्ड अध्यक्ष बलराम सिंह शेखावत, विकास समिति अध्यक्ष रमेश चंद्र पल्लीवाल, महामंत्री मुरारी लाल गुप्ता, कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद गोयल मौजूद रहे।

आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने यातायात के नियम समझाए

जयपुर। राजधानी में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग एसजीएफआई प्रतियोगिता के दौरान सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम हुआ। आरटीओ अधिकारी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनने, गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने और नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। खिलाड़ियों ने भी नियमों का पालन करने और दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया। श्री हरि ओम विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा

शिवा स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से करीब 700 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रक्षित शर्मा और भवया खांडल को सम्मानित किया गया। रक्षित शर्मा ने लगातार चार वर्षों से एसजीएफआई राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट टाइमिंग दर्ज की है, जबकि भवया खांडल ने सीबीएसई नेशनल 2024-25 में नेशनल मेडल हासिल किया है। कार्यक्रम में वार्ड 11 के पार्षद शैलेन्द्र शर्मा, वार्ड 7 की पार्षद प्रत्याशी पूजा शैलेन्द्र शर्मा, डॉ. सरोज बेनीवाल, इंस्पेक्टर दिनेश सिंह, शिवा स्पोर्ट्स क्लब के संचालक पवन सैनी एवं नरेंद्र सैनी, श्री हरि ओम विद्यालय के निर्देशक बी.एल. अजमेरा, प्राचार्य राम निवास अजमेरा तथा शिवा स्पोर्ट्स अकादमी के कोच नियाज सर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम दोस्त ने किशोरी को अगवा कर एक माह तक दुष्कर्म किया

मिलने के बहाने बुलाकर दिल्ली ले गया था आरोपी, पुलिस ने दबोचा

जयपुर (कासं)। राजधानी में इंस्टाग्राम के जरिए नाबालिग किशोरी से दोस्ती कर उसे बहला-फुसलाकर अगवा करने और करीब एक महीने तक बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी किशोरी को मिलने के बहाने बुलाकर दिल्ली ले गया और अलग-अलग स्थानों पर बंधक बनाकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म करता रहा। जयपुर पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से दिल्ली में दबिश देकर किशोरी को सुरक्षित बरामद किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

■ **पुलिस ने दबिश देकर किशोरी को सुरक्षित बरामद किया**

थानाधिकारी के अनुसार पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य धाराओं में गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहन लाल नायक (31) निवासी सीकर के रूप में हुई है। आरोपी वर्तमान में सऊदी अरब में टाइल्स लगाने का काम करता है। उसने इंस्टाग्राम के जरिए जयपुर निवासी 16 वर्षीय किशोरी से संपर्क किया था। बातचीत बढ़ने के बाद आरोपी ने किशोरी को अपने विश्वास में लिया और करीब एक माह पहले मिलने के बहाने बुलाया। पुलिस के अनुसार किशोरी के मिलने पहुंचने पर आरोपी उसे बहला-फुसलाकर दिल्ली ले गया। वहां उसे करीब एक महीने तक अलग-अलग स्थानों पर बंधक बनाकर रखा। आरोपी ने किशोरी को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया। किशोरी के अचानक लापता होने पर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से किशोरी और आरोपी की लोकेशन का पता लगाया। इसके बाद जयपुर पुलिस की विशेष टीम ने दिल्ली में दबिश देकर किशोरी को सुरक्षित दस्तयाब किया और आरोपी मोहन लाल नायक को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

जयपुर लाने के बाद पुलिस ने किशोरी का मेडिकल परीक्षण करवाया तथा मजिस्ट्रेट के समक्ष उसके बयान दर्ज करवाए। शनिवार को पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए आरोपी को अदालत में पेश किया। न्यायालय ने उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

बढ़ते स्टाफ के बीच जेडीए कार्यालय का होगा पुनर्गठन

जयपुर। अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या बढ़ने के कारण जेडीए कार्यालय परिसर में बैठने की जगह की कमी को दूर करने के लिए कार्यालय के पुनर्गठन और सुविधाओं के विस्तार का काम किया जा रहा है। जेडीए प्रशासन ने नागरिक सेवा केंद्र की क्षमता बढ़ाने के लिए 7.32 करोड़ रुपये की लागत से रिस्ट्रक्चरिंग कार्य स्वीकृत किया है। मौजूदा पार्टीशन हटाने का काम फिलहाल जारी है।

जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और कामकाज को सुगम बनाने के लिए नागरिक सेवा केंद्र के बेसमेंट में दो नए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष तैयार किए गए हैं। इनमें एक की क्षमता 15 और दूसरे की नौ अधिकारियों की है। दोनों कक्षों का नियमित उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि रिस्ट्रक्चरिंग का काम पूरा होने के बाद अधिकारियों के लिए नए कक्ष, वर्क स्टेशन और आगंतुकों के लिए कक्ष विकसित किए जाएंगे। बढ़ते स्टाफ को देखते हुए कार्यालय में उपलब्ध स्थान का भी अधिकतम उपयोग किया जा रहा है। रिकॉर्ड आदि रखने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कुछ कक्षों को चरणबद्ध तरीके से खाली करवाकर कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था के लिए उपयोग में लिया जा रहा है। जेडीए कार्यालय के विभिन्न कॉरिडोर में अव्यवस्थित तरीके से रखी अलमारियों को भी व्यवस्थित किया गया है। आवश्यकता वाले स्थानों से कुछ अलमारियां हटाई गई हैं, जिससे कॉरिडोर में आवागमन के लिए अधिक जगह उपलब्ध हुई है।

कार्यालय परिसर के स्वरूप में सुधार के लिए पुरानी अलमारियों का आवश्यकतानुसार रखरखाव और रंग-रोगन कराया गया है। इसके अलावा वॉल रेलिंग, रूफ पैराफिट की दीवार, गार्डन फेंसिंग और पार्किंग भवन सहित अन्य स्थानों पर भी रंग-रोगन कराया गया है।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
MONDAY
05 October 2026
A-B

World Teachers' Day: Honouring the Pillars of Education

World Teachers' Day, observed annually on October 5, celebrates the dedication, hard work, and impact of teachers worldwide. It is a day to recognize educators for shaping minds, inspiring learning, and nurturing the next generation. Across schools, colleges, and communities, events and programs are organized to honour their contributions, highlight challenges in the teaching profession, and promote quality education for all. The day also serves as a reminder of the vital role teachers play in society, not just as knowledge providers but as mentors, guides, and role models who influence the future of individuals and communities alike.

#IMPORTANCE

Why Is This Simple Saree on Display at the World's Largest Museum?

This saree belonged to Indian scientist Dr. Nandini Harinath, one of the key minds behind India's historic Mars Orbiter Mission (Mangalyaan)

At first glance, it doesn't look extraordinary. It isn't woven with gold threads. It isn't centuries old. It isn't a rare heirloom or an expensive designer creation. In fact, by museum standards, it seems surprisingly ordinary. So, why is this saree on display at the Smithsonian Institution, the world's largest museum, education, and research complex, home to 21 museums and galleries across Washington, D.C.?

Because sometimes, history isn't made by the object. It's made by the person who wore it. This saree belonged to Indian scientist Dr. Nandini Harinath, one of the key minds behind India's historic Mars Orbiter Mission (Mangalyaan). As the mission's Deputy Operations Director, she helped steer one of the most remarkable achievements in space exploration: India becoming the first nation in the world to successfully reach Mars orbit on its very first attempt.

When images of ISRO's women scientists celebrating the success of the Mars mission spread across the globe, they challenged long-held stereotypes. Here were engineers and scientists in sarees, solving some of the most complex problems in space science.

The Smithsonian recognized that moment. Today, Harinath's saree is part of the Smithsonian's collection, where it represents far more than a piece of clothing. The institution has described Nandini Harinath as one of India's "Rocket Women," preserving her story to inspire future generations, particularly young women considering careers in science, technology, engineering, and mathematics (STEM). The display sends a powerful message: brilliance doesn't have to look a certain way.

For decades, popular culture has often imagined scientists in white lab coats or business suits. Harinath showed the world that a scientist can wear a saree while leading an interplanetary mission. Her attire did not define her expertise, but it became part of a moment that redefined what a scientist can look like.

That's why the saree matters. Museums often preserve objects because of the stories they carry. A simple pen that signed a historic treaty, a pair of worn shoes from an Olympic champion, or an astronaut's checklist may hold little monetary value. Yet, each becomes priceless because it witnessed history.

Harinath's saree belongs to that same category.

It symbolizes a day when India made space exploration history, when women scientists stood at the forefront of one of the country's greatest technological achievements, and when millions of girls around the world saw themselves reflected in that success. For women in STEM, this recognition is especially meaningful. The Smithsonian is not celebrating a garment, it is celebrating the idea that excellence in science comes from talent, perseverance, and determination, not from fitting a particular image.

The saree is a reminder that culture and cutting-edge science can coexist. One can embrace tradition while helping humanity explore another planet. That is why this seemingly ordinary saree deserves its place in one of the world's most important museums. Not because it is rare. Not because it is expensive. But because the woman who wore it helped make history, and inspired countless others to believe that they could do the same.

Crows Are Really Smart

Many corvids use tools, but New Caledonian crows are especially advanced. Like chimps, they use sticks or other plant matter to fish insects out of crevices. That alone is impressive, especially without hands, but it's just one of many tricks up their sleeves. In addition to choosing tools that are naturally well-shaped for a particular task, New Caledonian crows also manufacture tools in the wild, which is much rarer than only using found objects. This ranges from trimming the leaves off a stick to creating their own hook-shaped tools from twigs, leaves, and thorns.

● Verna Mohon

Intelligence runs in the crow family, a diverse group of more than 120 bird species. And, as with most geniuses, crows and their relatives tend to be misunderstood.

Known as corvids, this family of birds includes crows, ravens, rooks, jays, jackdaws, magpies, treepies, nutcrackers, and choughs. They range from the 1-ounce dwarf jay, a small forest bird found only in Mexico, to the 3-pound common raven, a wily opportunist found across the Northern Hemisphere. Now that is a family.

But what is special about them is that Corvids are incredibly clever overall, with the largest brain-to-body-size ratios of any bird, but those in the genus Corvus tend to be especially brainy. This genus includes the crows, ravens, rooks, and jackdaws, accounting for about a third of all corvid species. Many of these have a brain-to-body-size ratio (or "encephalization quotient") you'd expect from an ape, not a bird. In fact, according to a study published in the journal *Current Biology*, "the crow brain is the same relative size as the chimpanzee brain."

Humans have long recognized the craftiness of crows and ravens, as seen in centuries of folklore casting the birds as thieves, tricksters, problem-solvers, wise advisors to gods, or even deities themselves. Yet, we also tend to stereotype these birds, overlooking many of their complexities to brand them as spooky, troublesome, or outright nefarious. Fortunately, our appreciation of their intelligence has soared in recent years, thanks to research exploring what corvids can do with all that brainpower.

Crows Have Shrewd Ways to Get Food

Crows tend to be opportunistic and creative, commonly exploiting new food sources or adopting new feeding strategies to make their lives easier. The American crow is known to catch its own fish, for example, in some cases, even using bread or other food as bait to lure fish closer. They don't go hungry.

At the same time, they often steal food from other animals, sometimes even secretly following victims back to their nests or food caches. In one case, a group of American crows was seen distracting a river otter so that they could steal its fish, according to the Cornell Lab of Ornithology. Another group followed common mergansers to intercept minnows the ducks had been chasing into shallow water.

Many crows use gravity and the ground by dropping snails and hard-shelled nuts from the air while flying. This is done by other birds, too, but some crows seem to have taken this a few steps further. Crows in Japan, for instance, place walnuts on roads so that cars will crush the shells, wait for the traffic light to change, and then safely collect the opened nuts.

Crows Don't Just Use Tools; They Also Make Them

In the early 1960s, primatologist Jane Goodall shocked the world with her discovery that wild chimpanzees use twigs as tools to catch termites, debunking the idea that humans are the only tool-using species. Tool use requires a certain level of cognitive sophistication, but we now know plenty of other animals also use tools in the wild, not just our fellow primates. In fact, one of the most studied examples of non-primate tool use comes from a corvid: the New Caledonian crow.

Many corvids use tools, but New Caledonian crows are especially advanced. Like chimps, they use sticks or other plant matter to fish insects out of crevices. That alone is impressive, especially without hands, but it's just one of many tricks up their sleeves. In addition to choosing tools that are naturally well-shaped for a particular task, New Caledonian crows also manufacture tools in the wild, which is much rarer than only using found objects. This ranges from trimming the leaves off a stick to creating their own hook-shaped tools from twigs, leaves, and thorns.

In controlled experiments, New Caledonian crows have also bent pliable materials into hooked tools, and even shown spontaneous 'metatool use,' the ability to use one tool on another. Great apes like chimps and orangutans can solve metatool tasks, researchers noted in one study, but even monkeys are known to struggle with them. These crows have used a short stick to reach a longer stick that can reach a reward, for example, but have also made new compound tools from two or more otherwise non-functional elements.

Crows Can Solve Puzzles on Par with Human Kids

In Aesop's Fable "The Crow and the Pitcher," a thirsty crow encounters a pitcher with a little water but is initially thwarted by the low water level and the bottle's narrow neck. Then, the crow drops pebbles into the pitcher and raises the water level high enough to drink.

Not only has research verified that crows can do this, but it shows they can pass the water-displacement test at a level similar to human children between the ages of 5 and 7. Crows have conquered a variety of other convoluted tests, too. The BBC even showed a crow solving an eight-step puzzle in its series *Inside the Animal Mind*. Crows can also plan their tool use, according to one study in the journal Current Biology, which found that crows could solve a metatool problem when each step was out of sight of the others, planning three behaviours into the future. The birds showed an ability to "mentally represent the goals and sub-goals of metatool problems," the researchers wrote, and even successfully ignored an extra tool planted in their path to distract them.

#NOT WILD AT ALL

When wearing masks to test crows, researchers also carry signs that explain what they're doing for any curious (or nervous) human bystanders.

Crows Hold Funerals for Their Dead

Crows are famous for holding "funerals" when one of their kind has died. It might be a lone individual or a group of crows, known as a murder, of course, and it may be solemnly quiet or cacophonous. In some cases, the crows may keep a vigil over the fallen bird for days. Could they be mourning?

Maybe, explains Kaeli Swift, a postdoctoral researcher and corvid expert at the University of Washington. There is "little doubt that they have emotional intelligence," testing this possibility remains scientifically problematic, since "there's still no way we can truly know what's happening on an emotional level in an animal's head," she says.

So, without necessarily ruling out grief, Swift and other researchers have focused more on "danger learning" as a likely motivator for corvid funerals. "If I were to find a dead person in the woods, I might be feeling sad, but I'd also be alarmed and likely looking for the cause of death to make sure I'm not next," Swift writes. "Perhaps, the crows are doing the same thing, looking for the source of danger and remembering key elements of the experience that will help keep them safe in the future."

Crows Gossip, Hold Grudges, and Know Who You Are

Several kinds of corvids have demonstrated a knack for recognizing human faces. Magpies and ravens, for example, are known to scold specific researchers who have gotten too close to their nests in the past, regardless of what the researchers wear. Some of the best evidence of this ability comes from crows in Washington state, where Swift and her colleagues have extensively tested the birds' reactions to human faces they've learned to distrust.

Led by John Marzluff, a professor of wildlife science at the University of Washington, the testing was born from the realization that crows seem to hold grudges against specific people who'd netted and banded them for research. Researchers began wearing rubber caveman masks when they did this, revealing how the crows were identifying their enemies. Crows scolded and mobbed anyone who wore the caveman mask regardless of who was underneath. In later tests, researchers achieved a similar effect by wearing masks while holding a dead (taxidermied) crow, which resulted in crows pestering future wearers of those same masks. "The interesting part was that not a whole lot mattered except the face," Marzluff told the National Wildlife Federation (NWF).

Lots of other animals can also recognize human faces but crows still stand apart, both for the length of their memories and for how they share information among themselves. Years after the study began, crows "continue to harangue the banding mask," the NWF explains, "even though they see it only twice a year for a few hours at a time."

This animosity isn't just from crows who saw the original banding event. The percentage of birds scolding and mobbing the caveman mask grew over time, roughly doubling within seven years, even though most had never been banded and were unlikely to have personally witnessed the mask doing anything offensive. Some were even young crows not born yet when the grudge began. The crows are apparently transmitting important information, the identity of a seemingly dangerous person, to their families and companions.

As Kat McGowan wrote for Audubon Magazine in 2016, nearly all the birds originally trapped by the caveman are probably dead by now, yet "the legend of Seattle's Great Crow Satan still grows."

Learning to identify humans could be a valuable skill for urban crows since some of us are dangerous, some neutral, and some helpful. Wild crows seem largely indifferent to the faces of people who haven't wronged them and can also form positive relationships with us, like the girl in Seattle who famously received a collection of trinkets from the crows she'd been feeding.

Crows Have Dialects

You're familiar with the crow's "caw caw" sound but did you know their noises have dialects? Similar to humans, whose language can vary from region to region, crows have a deviation in their aviation language between the two populations of crows. According to ornithologist John M. Marzluff and author Tony Angell, who co-wrote the book "In the Company of Crows and Ravens," the sounds "vary regionally, like human dialects that can vary from valley to valley."

And should a crow change its crowd, it'll adapt its noises to fit into the new group. "When crows join a new flock," Marzluff and Angell wrote, "they learn the flock's dialect by mimicking the calls of dominant flock members."

Crows Mate for Life, But They're Also 'Monogamish'

Crows are social birds and are more family-oriented than many people realize. Crows mate for life, meaning a mated pair will typically stay together for the rest of their lives, but their family lives may also be a little more complicated than that suggests. Crows are "monogamish," Swift writes, adding a more scientific clarification that they're considered "socially monogamous but genetically promiscuous." This means they generally stay with one partner for life, but genetic analyses show that male crows only father about 80% of their family's offspring.

Some crows also lead a "double life," according to the Cornell Lab of Ornithology. They can split time between families and big communal roosts. American crows maintain a territory year-round, where their extended family lives and forages together. "But during much of the year, individual crows leave the home territory to join large flocks at dumps and agricultural fields, and to sleep in large roosts in winter. Family members go together to the flocks, but do not stay together in the crowd. A crow may spend part of the day at home with its family in town and the rest with a flock feeding on waste grain out in the country."

Clever Crows Use the Best Stick for the Job

American crows start to nest in early spring, building their nests from sticks and lining them with soft materials like grass, fur, or feathers. (They may also build decoy nests if they think someone suspicious is watching them.) Young crows will remain dependent on their parents for a couple of months after they fledge, but they also tend to stay near their family for a while longer, even after moving out of the nest. These chicks are still fiercely defended by their parents, Swift writes, creating a sort of extended adolescence that allows them time and energy for play behaviours, which might be important for their development and cultural learning.

Young crows will eventually start spending less time with their parents and more time with larger flocks, and face a decision as fall and winter set in. "They can either take off to 'float' before finding a mate and establishing a territory of their own," Swift writes, "or remain on their home turf and act as a 'helper' for next year's brood." The latter is cooperative breeding, in which more than two individuals help care for offspring in a single brood.

In most American crow populations, older offspring continue to help their parents raise new chicks for a few years, according to the Cornell Lab. A crow family may include as many as 15 individuals, with offspring from five different years all pitching in to help. It's unclear why this evolved, Swift writes, but it may help delay the dispersal of young crows when there isn't enough open territory nearby for them to claim. ("See," she adds, "millennials are just doing what comes naturally.")

Crows Are Intelligent, But Not Invincible

It's common for people to vilify crows, often focusing on unwanted behaviour but overlooking more relatable or redeeming qualities. The American crow, for one, has been the subject of extermination attempts in the past, including the use of dynamite on large winter roosts. Those efforts ultimately failed, however, and thanks largely to its intelligence and adaptability, the American crow is now more common than ever across a range of habitats, including farms, towns, and big cities.

Other corvids have similarly adjusted to or even capitalized on civilization, but being intelligent is no guarantee that these birds are safe from us. The Hawaiian crow, for instance, is a smart corvid with a penchant for tool use, yet, it was declared extinct in the wild in 2002 after being wiped out by a combo of disease, invasive predators, habitat loss, and human persecution. Fortunately, scientists saved enough birds to start a successful captive-breeding program and reintroduced the species into the wild.

Crows sometimes raid farms and gardens, but any damage they cause may be offset by ecological benefits like seed dispersal and eating pest insects. Plus, while any species has an inherent right to exist, we're lucky to have brainiacs like corvids living among us. They help us learn more about our own intelligence and remind us how much we still have in common with wildlife around us.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

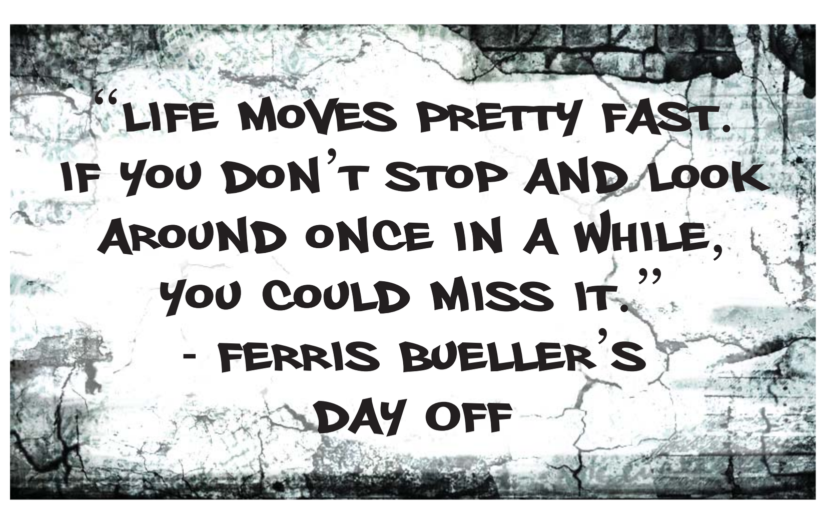

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

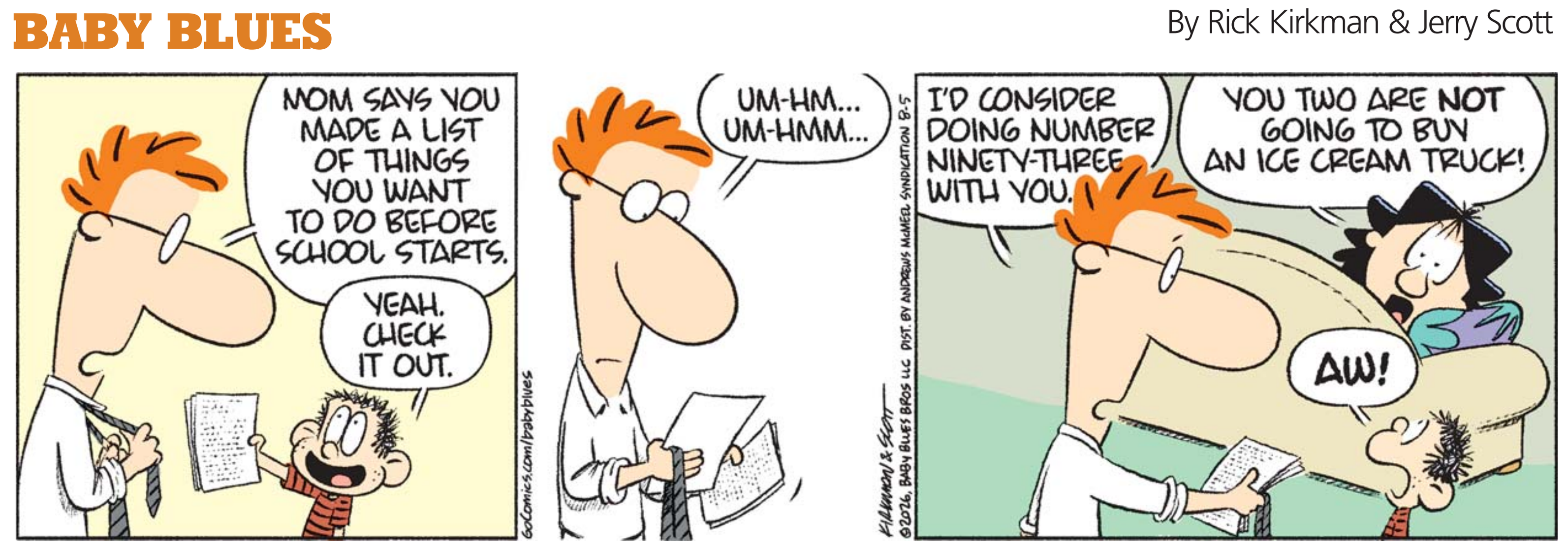

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

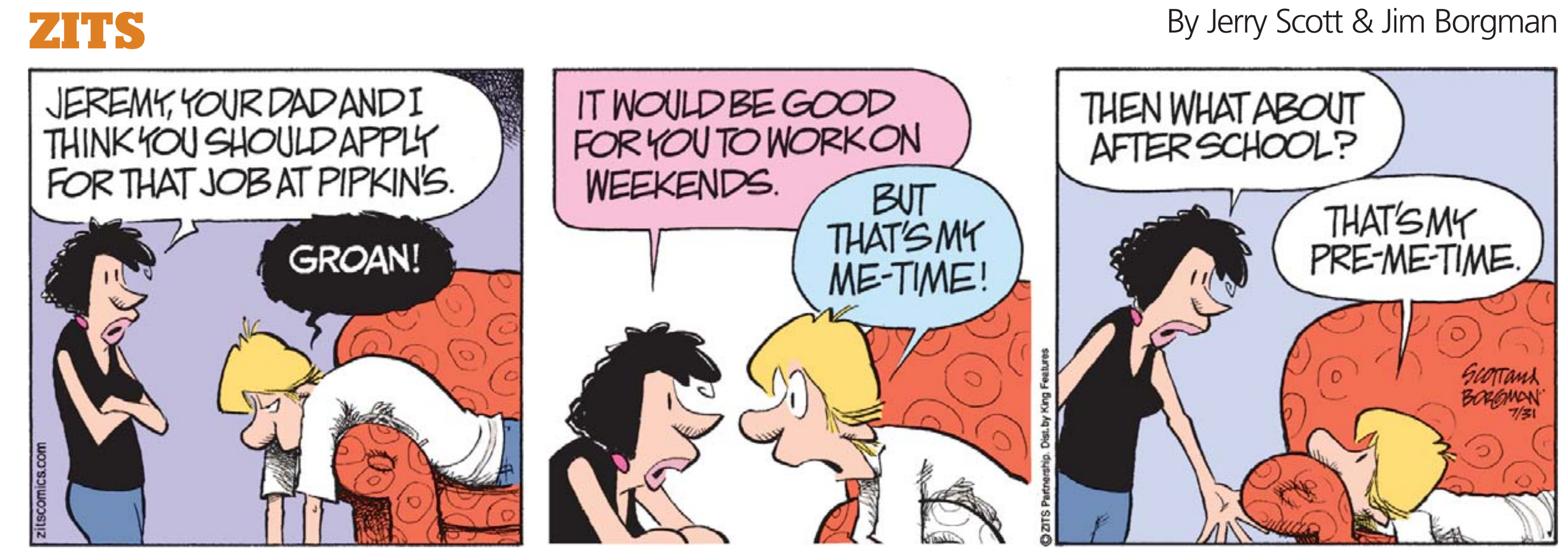

डॉ. सतीश पूनिया ने अलवर से प्रदेशव्यापी नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की

अभियान की शुरुआत करते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने देश को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया

अलवर, (निसं)। अलवर के महल चौक से रविवार सुबह प्रदेशव्यापी नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की गई। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और पंजाब प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने देश में बढ़ते नशे को लेकर चिंता जताई और लोगों से नशे के खिलाफ एकजुट होकर काम करने का आव्हान किया।

डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि आज नशा देश की सबसे बड़ी बुराइयों में से एक है। उन्होंने कहा कि नशे का असर केवल किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे परिवार और समाज भी प्रभावित होते हैं। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकना आज बड़ी चुनौती है और इसके लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना जरूरी है। उन्होंने पंजाब का उदाहरण देते हुए कहा कि एक समय पंजाब अपनी रौनक और खुशहाली के लिए जाना जाता था, लेकिन नशे ने वहां की जवानी को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए जागरूकता के साथ-साथ लगातार अभियान चलाने की जरूरत है।

अलवर में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और पंजाब प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया सहित अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर अभियान का शुभारंभ किया।

- भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सतीश पूनिया ने देश में बढ़ते नशे को लेकर चिंता जताई और लोगों से नशे के खिलाफ एकजुट होकर काम करने का आव्हान किया
- नशा मुक्ति अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना और लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित करना है

अलवर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नशे के मुद्दे को लेकर बेहद गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम मन की बात के दो एपिसोड में नशे की समस्या और इससे बचाव को लेकर विस्तार से चर्चा की है। इससे साफ है कि नशा मुक्ति का विषय देश के लिए कितना महत्वपूर्ण है। डॉ. पूनिया ने कहा कि देश को नशा मुक्त बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपने साथियों को भी इससे बचाने की अपील की। साथ ही परिवारों से बच्चों और युवाओं पर ध्यान देने तथा उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का संदेश दिया। नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों तक नशे के नुकसान की जानकारी पहुंचाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना और लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित करना है। अलवर से अभियान की शुरुआत करते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने देश को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से नशे की समस्या पर प्रभावी तरीके से काम किया जा सकता है और नशे को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा।

जोधपुर में सेखो इंडियन एयरफोर्स हाफ मैराथन का आयोजन

शहीद फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखो की याद में कार्यक्रम आयोजित हुआ

जोधपुर, (कासं)। भारतीय वायु सेना के परमवीर चक्र विजेता शहीद फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखो की याद में रविवार को जोधपुर में सेखों इंडियन एयरफोर्स हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। बरकतुल्ला खान स्टेडियम से शुरू हुई इस दौड़ में शहरवासियों, वायुसेना के जवानों और विद्यार्थियों सहित 3500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मैराथन में जोधपुर की जनता का जबरदस्त सहयोग देखने को मिला। इसमें 250 से ज्यादा विदेशी धावकों और 150 से ज्यादा स्कूली बच्चों की मौजूदगी खास आकर्षण का केंद्र रही।

- दौड़ में शहरवासियों, वायुसेना के जवानों और विद्यार्थियों सहित 3500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया
- मैराथन में 250 से ज्यादा विदेशी धावकों और 150 से ज्यादा स्कूली बच्चों की मौजूदगी खास आकर्षण का केंद्र रही

मैराथन का आयोजन 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की तीन श्रेणियों में किया गया। स्टेडियम से शुरू होकर यह दौड़ शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। पूरी दौड़ के दौरान फिटनेस, अनुशासन, एकता और देशभक्ति का संदेश देखने को मिला।

एयर फोर्स स्टेशन के चीफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर ग्रुप कैप्टन त्रिलोक शर्मा ने बताया मैराथन को लेकर जोधपुर के लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया और इस आयोजन को यादगार बनाया।

ग्रुप कैप्टन मनोज यादव ने कहा यह आयोजन भारतीय वायु सेना और जोधपुर शहर का एक साझा प्रयास था। विदेशी मेहमानों और बच्चों की भागीदारी ने टीम भावना की एक मिसाल पेश की है। आयोजन को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए भारतीय वायु सेना और पुलिस प्रशासन की ओर से कड़े सुरक्षा और ट्रैफिक इंतज़ाम किए गए थे। देश के कई प्रमुख शहरों में एक साथ आयोजित इस मैराथन ने जोधपुर में देशभक्ति का माहौल बना दिया।

जेल में बंदियों ने बंदी से मारपीट की

उदयपुर, (कासं)। केन्द्रीय कारागृह में बंदियों ने विचाराधीन बंदी के साथ मारपीट की।

- मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 अक्टूबर को बैकर नंबर 13 में बंदी विचाराधीन बंदी भूताराम पुत्र धूलाराम निवासी बोरली माण्डवा ने बंदी नरेन्द्र सैनी उर्फ गुट्या पुत्र कालुलाल निवासी इन्द्रा कॉलोनी विज्ञान नगर कोटा, विचाराधीन बंदी यशवंद केवट उर्फ राजा पुत्र महावरी निवासी पानी की टंकी के पास रामचन्द्र पुरिया कुन्हाड़ी कोटा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि 3 अक्टूबर को आरोपियों ने अज्ञात कारणों के चलते मेरे साथ पत्थर से मारपीट की। जिसके चलते शरीर पर चोटें आई। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच एएसआई शीशराम को सौंपी।

जमीन पर कब्जा करने की नीयत से फायरिंग, भाई राज गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार

मनोहरपुर, (निसं)। थाना पुलिस ने रविवार को जमीन पर अवैध कब्जे की नीयत से फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में मनोहरपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 24 घंटे में वारदात का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, जिंदा कारतूस और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, जिंदा कारतूस और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की

पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर की रात करीब 1:45 बजे नवलपुरा क्षेत्र में जमीन को लेकर विवाद के दौरान तीन बदमाश पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए पत्थर फेंकने लगे। इसके बाद आरोपियों ने दो बार फायरिंग कर जान से मारने की धमकी दी। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा लखन सिंह, वृत्ताधिकारी शाहपुरा लक्ष्मीनारायण सैनी के निकटतम सुपरविजन तथा मनोहरपुर थाना प्रभारी आशुतोष सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने साक्ष्य जुटाकर पूर्व में फायरिंग व रंगदारी के मामलों में शामिल आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस जांच में सामने आया कि भाई राज गैंग से जुड़े सदस्यों के जरिए जमीन पर कब्जा करवाने की कोशिश की जा रही थी।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ललित कुमार वर्मा उर्फ राणा पुत्र कालूराम, निवासी चक मनोहरपुर, थाना चंदवाजी तथा महेंद्र कुमार यादव उर्फ काना पुत्र कैलाश चंद यादव, निवासी चक मनोहरपुर, थाना चंदवाजी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। ललित कुमार वर्मा के खिलाफ फायरिंग, रंगदारी, हत्या के प्रयास सहित कई मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस अब घटना में शामिल अन्य आरोपियों तथा अवैध हथियार उपलब्ध कराने वालों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से फायरिंग की वारदात का महज 24 घंटे में खुलासा होने से इलाके में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इस साल जनवरी से सितंबर तक 36 प्रसूताओं की मौत

इस गंभीर मामले में एंटीबायोटिक टैबलेट 'मेट्रोनिडाजोल' का सैंपल जांच में फेल हो चुका है

बीकानेर, (निसं)। यहां पीबीएम अस्पताल में डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की किडनी खराब होने, गंभीर संक्रमण और मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस साल जनवरी से सितंबर तक 36 प्रसूताओं की जान जा चुकी है। इनमें से 20 मौतें मई से अब तक हुई हैं। इस गंभीर मामले में एक तरफ जहां एंटीबायोटिक टैबलेट 'मेट्रोनिडाजोल' का सैंपल जांच में फेल हो चुका है, वहीं 5 महत्वपूर्ण सर्जिकल डिवाइस की रिपोर्ट अब तक कोलकाता की सेंट्रल ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी में अटकी हुई है। कोलकाता भेजी गई जिन सर्जिकल आइटम्स की रिपोर्ट लंबित है, उनमें कैनुला, तीन अलग-अलग तरह की सीरिंज, ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेट और आईवी सेट शामिल हैं।

- वहीं पांच महत्वपूर्ण सर्जिकल डिवाइस की रिपोर्ट अब तक कोलकाता की सेंट्रल ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी में अटकी हुई है
- सहायक औषधि नियंत्रक देवेंद्र केदावत ने कोलकाता लेबोरेटरी से संपर्क साधकर इन रिपोर्ट्स को जल्द से जल्द भेजने का आग्रह किया है

सहायक औषधि नियंत्रक देवेंद्र केदावत ने कोलकाता लेबोरेटरी से संपर्क साधकर इन रिपोर्ट्स को जल्द से जल्द भेजने का आग्रह किया है। अधिकारियों का कहना है कि नियमानुसार ऐसी जांच रिपोर्ट 60 दिनों के भीतर आ जानी चाहिए, लेकिन समय बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। प्रशासन अब कोलकाता लैब से आने वाली 5 सर्जिकल डिवाइस की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिससे यह साफ हो सके कि संक्रमण फैलने में इन मेडिकल उपकरणों की कोई भूमिका थी या नहीं। हालांकि जनाना अस्पताल के ओटी में सुधार अब तक नहीं हो पाया है। न पर्याप्त जगह है न ही खुद का आईसीयू। जनाना और एमसीएच बिल्डिंग में शिफ्ट करने के लिए करीब पांच करोड़ रुपए चाहिए, जिसके प्रस्ताव भी सरकार के पास पेंडिंग हैं।

ड्रग कंट्रोलर विभाग ने पीबीएम अस्पताल के जनाना वार्ड, सेंट्रल स्टोर और ड्रग वेयरहाउस से कुल 32 तरह की दवाओं व सर्जिकल आइटम्स के सैंपल जब्त किए थे। अब तक प्राप्त 26 दवाओं की जांच रिपोर्ट में से एंटीबायोटिक 'मेट्रोनिडाजोल' (बैच नंबर टी 4500) का सैंपल अमानक (फेल) पाया गया। जयपुर ड्रग टेस्टिंग लैब की रिपोर्ट के अनुसार, यह दवा मरीज के पेट में तय समय में घुल नहीं पा रही थी। यह दवा मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के तहत हरियाणा की एक फर्म से खरीदी गई थी। नियम उल्लंघन पर निर्माता कंपनी के खिलाफ कार्रवाई के लिए हरियाणा ड्रग कंट्रोल विभाग को पत्र लिखा गया है।

प्रसूताओं की लगातार होती मौतों और मॉर्टेलिटी (मृत्यु दर) के आंकड़ों को लेकर राज्य सरकार और प्रशासन बेहद गंभीर हैं। लगातार समीक्षा बैठकें हो रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे में व्यापक सुधार पर जोर दिया जा रहा है, ताकि गंभीर मरीजों को रेफर करने के बजाय शुरु में ही सही इलाज मिल सके।

परिजनों का कहना है कि कागजों में तो वरिष्ठ डॉक्टरों का मेडिकल बोर्ड गठित कर दिया गया है, लेकिन धरातल पर प्रसूताओं का इलाज केवल जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के भरोसे छोड़ दिया जाता है। आईसीयू में समय पर बेड न मिलने, बीपी व अन्य जरूरी दवाएं सही समय पर न देने और सीनियर डॉक्टरों के नदारद रहने के कारण प्रसूताओं की स्थिति बिगड़ रही है।

डॉ. सुरेंद्र वर्मा, प्रिंसिपल, एसपीएमसी का कहना है कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के केसेज में प्रसव बाद मृत्यु दर इस साल 36 है, जो पिछले साल के मुकाबले 4 कम है। 2025 में सितंबर माह तक 40 प्रसूताओं की मृत्यु हुई थी। ओटी को संक्रमण मुक्त करने के सभी उपाय किए जाते हैं।

साइबर ठगी के मामले दर्ज

उदयपुर, (कासं)। साइबर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी के दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किये। पीड़िता विनीता पत्नी कमलेन्द्रसिंह ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 3 अक्टूबर को केरियर के नाम पर आरोपी ने बातों बातों में 4 लाख 36 हजार 292 रूपये तथा मोनिल जैन पुत्र अशोक कुमार ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ इनवेस्टमेंट का झांसा देकर 8 लाख 50 हजार रूपये नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

राजगढ़ में ऐतिहासिक कुंड के जीर्णोद्धार व विकास का संकल्प लिया

राजगढ़, (निसं)। कस्बे के ऐतिहासिक कुंड के जीर्णोद्धार एवं विकास को लेकर रविवार को कस्बे के लोगों एवं संस्थाओं से जुड़े प्रतिनिधियों ने श्रमदान कर कुंड की कायापलट का संकल्प लिया। गांधी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात प्रत्येक रविवार को दो घंटे कुंड पर श्रमदान करने का निर्णय लिया गया था। इसको लेकर रविवार चार अक्टूबर को राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी एवं अन्य प्रमुख लोगों की ओर से कुंड में श्रमदान का कार्य किया गया।

कुंड के श्रमदान में किन्नर बहनों की ओर से अपने स्तर पर साफ सफाई एवं स्थाई अवरोध को दूर करने के लिए किए गए प्रयास प्रमुख आकर्षण रहे। कुंड के जीर्णोद्धार एवं श्रमदान से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं ने किन्नर बहनों की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना की। समाजसेवी संगठनों, एवं सकारात्मक सोच के धनी लोगों ने रविवार को श्रमदान किया। श्रमदान के दौरान कुंड की सीढियों की सफाई, पेड़ों की कटाई, घास फूस को हटाया गया। कस्बे के कुंड पर श्रमदान के बाद अधिकांश क्षेत्र की सफाई पूर्ण की गई। श्रमदान के समय वीरेंद्र शर्मा, किशोर मुखर्जी, अनिल गुप्ता, अजय शर्मा, मुकेश जोशी, दिनेश प्रधान, राजकुमार सैनी, जितेंद्र दुहारिया, सतीश महावर, सुनील, लालचंद मीणा, संजय शर्मा, गिरिराज शर्मा एवं अन्य सेवा से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

"लोकमंथन-लोक दर्शन यात्रा" का खांदवा के ग्रामीणों ने स्वागत किया

झुंझुनूं, (निसं)। लोकमंथन-लोक दर्शन यात्रा के खांदवा गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया। पारंपरिक लोक संस्कृति और ग्रामीण परिवेश के बीच आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। यात्रा में आए लोगों को ऊंटगाड़ी में बैठाकर गांव का भ्रमण कराया गया। इस दौरान गांव में पौधरोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। गांव पहुंचने पर अतिथियों एवं यात्रियों का ग्रामीणों ने पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया।

ऊंटगाड़ी से ग्राम भ्रमण के दौरान यात्रियों को गांव की प्राकृतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषताओं से रूबरू कराया गया। ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण के तहत लगाए गए पेड़-पौधों, जल संरक्षण के प्रयासों और स्वच्छता से जुड़े कार्यों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम में ग्रामीण कलाकारों ने लोकगीत, लोक नृत्य और विभिन्न पारंपरिक प्रस्तुतियां देकर राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति की जीवंत झलक पेश की। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। ग्रामीणों ने भी उत्साह के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। यात्रा के उद्देश्य और गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों ने यात्रियों एवं आयोजकों से संवाद किया। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक मटका दौड़ में हिस्सा लिया। पारंपरिक खेल के आयोजन से कार्यक्रम में उल्लास और रोमांच का माहौल बन गया। महिलाओं की भागीदारी को ग्रामीणों ने सराहा।

कार्यक्रम में ग्रामीण कलाकारों ने लोकगीत, लोक नृत्य और विभिन्न पारंपरिक प्रस्तुतियां दी।

- यात्रा में आए लोगों को ऊंटगाड़ी में बैठाकर गांव का भ्रमण कराया और पौधरोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी गई
- लोकमंथन-लोक दर्शन यात्रा का उद्देश्य लोक जीवन, लोक संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक सरोकारों को आमजन तक पहुंचाना है

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सत्यनारायण कुमावत ने लोकमंथन यात्रा के उद्देश्य एवं प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने लोक संस्कृति, सामाजिक सरोकार, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि लोकमंथन जैसे आयोजन समाज की लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से ग्रामीणों और युवाओं को अपनी परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है।

यात्रा के जिला समन्वयक एवं जिला साक्षरता अधिकारी योगेंद्र सैनी ने बताया कि खांदवा पहुंचने से पहले राजकीय एनएमटी कन्या महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां शिक्षाविद् बाबूलाल शर्मा की पुस्तक 'गीतों री फुलवारी' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों एवं विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर लोक संस्कृति के विविध रंगों को सामने रखा। उन्होंने बताया कि यात्रा के तहत सुबह नगर भ्रमण भी किया गया। इस दौरान यात्रा से जुड़े लोगों ने शहरवासियों से संवाद कर लोकमंथन यात्रा के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। योगेंद्र सैनी ने बताया कि लोकमंथन लोक दर्शन यात्रा का उद्देश्य लोक जीवन, लोक संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक सरोकारों को आमजन तक पहुंचाना है। यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों में स्थानीय लोगों की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सामने लाने के साथ जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक विषयों पर भी जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। खांदवा गांव में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने यात्रा को खास बना दिया। ऊंटगाड़ी से ग्राम दर्शन, लोकगीत-नृत्य, मटका दौड़ और सामाजिक सरोकारों पर संवाद ने आयोजन में लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन का जीवंत रंग भर दिया।

महिला सुरक्षा को लेकर उदयपुर में मार्च निकाला

उदयपुर, (कासं)। महिला सुरक्षा को लेकर रविवार को उदयपुर में मार्च निकाला गया। सार्वजनिक कार्यक्रम में महिला अधिकारों के लिए जागरूक महिलाओं के तौर पर उदयपुर महिला अधिकार मंच कार्यकर्ता भी शामिल हुई।

- महिला प्रदर्शन में कॉकरोच पार्टी के पुरुष कार्यकर्ताओं ने धक्का-मुक्की की

मंच की कॉर्डिनेटर करिश्मा के नेतृत्व में शामिल हुई युवतियों ने टू जेंडर वन स्पिरिट,नीरजा भनोत एंड समित, मेवाड़ का स्वाभिमान जौहर का सम्मान, सशक्त महिला के रूप में बादशाह की छाती पर पैर रखने वाली किरणा कुंवर का बीकानेर संग्रहालय वाले चित्र को पोस्टर में दिखाया गया। इस दौरान कॉकरोच पार्टी के चिराग खण्डेलवाल ने युवतियों से धक्का-मुक्की करते हुए पोस्टर छीन लिये और धक्का देकर अलग कर दिया। चिराग ने कहा कि यह मार्च हमारे द्वारा तय नियमों से होगा। इस दौरान पुलिस ने बीच बचाव कर अलग किया।

उदयपुर महिला अधिकार मंच की सेक्रेटरी रीना ने कहा कि एक पुरूष द्वारा युवतियों के साथ की गई इस धक्का-मुक्की से सब हतप्रभ रह गये। सेक्रेटरी रीना ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की मृत्यु भी चिंता बनकर उभरी है। इसी क्रम में अपनी पहचान छिपाकर एक षडयंत्र के तहत लड़कियों को लक्षित कर उसे भावनात्मक रूप से प्रेम प्रसंग में फंसाकर पंथ परिवर्तन करवाने पर भी कठोर कानून की आवश्यकता है। भारत के बेटियों का अपने मजहब की संख्या बढ़ाने के लिए उपयोग हो रहा है। किसी भी मजहब की संख्या बढ ाने के लिए महिला को टूल के रूप में उपयोग करना निंदनीय है। दक्षिण राजस्थान में धन व रसूख के चलते नाता प्रथा का दुरूपयोग होने लगा है। रसूखदार लोग विवाह विच्छेद कर अनेक विवाह कर रहे है। बहु विवाह के अंतर्गत महिलाओं के स्वाभिमान से समझौते होता है बल्कि उनके दोयम दर्जे का व्यवहार सहन करना पड़ता है। मजहब के भेद को त्यागकर सरकार को सब महिलाओं के लिए समान अधिकार देने चाहिए। इसके लिए समान नागरिक संहिता जैसे प्रावधान आवश्यक है। आधुनिकता व स्वच्छंद रिश्तो के नाम पर नई पीढ़ी की लड़कियों पर लिव इन रिवाज थोपा जा रहा है। जिससे लड़कियों का शारीरिक शोषण हो रहा है। बल्कि इस रिश्ते से उत्पन्न शिशुओ से पुरूष जिम्मेदारी से भाग खड़े होते हैं। जिससे सारा भार महिला पर आ पड़ता है। जिससे उसका भविष्य एकल महिला के रूप मे संघर्ष भरा हो जाता है। यदि महिला ऐसा ना करे तो शिशु के हिस्से में अनाथालय आकर उसका जीवन दूभर हो जाता है। रिसर्च बताते हैं कि ऐसे रिश्तों से जन्मे बच्चे अधिक तनावपूर्ण जीवन बिताते हैं। जिससे अपराध व नशे की गिरफ्त में आने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए लिव इन रिश्तों का पंजीकरण करना अनिवार्य होकर शिशु व महिला के प्रति पुरूष की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

जुआ-सट्टा खेलते आठ आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में वृत्ताधिकारी मृत्युंजय मिश्रा एवं कोतवाली थानाधिकारी भंवर लाल वैष्णव द्वारा गठित थाना टीम व जिला स्पेशल टीम की संयुक्त कार्यवाही में कोतवाली थाना क्षैत्र के कालीपलटन में सट्टे की खाईवाली करते व सट्टा लगाते आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 18610 रूपये जुआ-सट्टा राशि व सट्टे के हिसाब की 03 डायरियां, एक केलकूलेटर, एक पेन, सट्टा पर्चियां जब्त की गई।

इस कार्यवाही के दौरान आरोपी ईरसाद उल्ला पुत्र मोहम्मद उल्ला, कदीर पुत्र जमील भिस्ती, अनीस पुत्र गुलसेर कायमखानी, नजीर मोहम्मद पुत्र एसान मोहम्मद, मोहम्मद मोसिन पुत्र मोहम्द अतिक, ललीत कुमार महावर पुत्र सिमला महावर, ओमराज पुत्र तेजपाल खंगार, कलीम खान पुत्र मोहम्द हकिमुउल्ला को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरपीजीओ एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया।

इंस्टाग्राम पर फर्जी सुसाइड रील डाली, युवक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। सोशल मीडिया पर सस्पेंस और पर्सनल ड्रामे के जरिए व्यूज व अटेंशन बटोरने के खतरनाक हथकंडों पर पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। इंस्टाग्राम पर खुदकुशी की झूठी रील पोस्ट कर प्रेमिका को खौफ में डालने वाले एक युवक को हमीरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम से उलझते हुए बदसलूकी और गाली-गलौज भी की।

पुलिस नियंत्रण कक्ष के मुताबिक, एटीएस जयपुर और भीलवाड़ा सिटी कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि एक इंस्टाग्राम आईडी से आत्महत्या का वीडियो अपलोड हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हमीरगढ़ थाना पुलिस ने तुरंत सर्विलांस के जरिए मोबाइल लोकेशन निकाली। लोकेशन रीको स्वरूपगंज स्थित आरसीएम फैक्ट्री परिसर में मिली। मौके पर आरोपी विजय सिंह (24) पुत्र दर्शन सिंह मूल निवासी कठुआ, जम्मू ट्रक में सामान लोड कराता हुआ मिला। स्वरूपगंज चौकी प्रभारी हैड कांस्टेबल राहुल कुमार मय जाब्ते के जब मौके परक पहुंचे और पूछताछ की, तो आरोपी ने कुबूल किया कि प्रेमिका से अनबन के बाद उसे डराने के लिए यह फर्जी रील बनाई थी। पुलिस अधिकारियों ने जब उसे ऐसी हरकतों के कानूनी नतीजों के बारे में समझाया, तो वह भड़क गया। उसने पुलिसकर्मियों पर चिल्लाते हुए कहा कि मेरा फोन है, मेरी मर्जी... मैं जो चाहूं रील डालू, रोकने वाले आप कौन होते हैं? काउंसलिंग के बावजूद आरोपी उग्र होकर विवाद करने लगा और शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी विजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल से विवादित वीडियो हटवा दिया है। वहीं इस्तगासा तैयार कर आरोपी को अदालत में पेश करने की अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पंचायती राज चुनाव के लिए भाजपा ने कसी कमर : संजय भाटिया

दौसा (निसं.)। भाजपा की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक रविवार को रावत पैलेस में भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें आगामी पंचायत चुनाव को लेकर चर्चा की गई साथ ही प्रत्याशी चयन को लेकर मापदण्ड भी तय किये गये।

बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं वंदे मातरम् का सामूहिक गायन के साथ् किया गया। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान प्रभारी संजय भाटिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियों को तेज कर दिया है। भाजपा राष्ट्र प्रथम की भावना वाला संगठन है। उन्होने कहा कि दौसा में नगर निकाय चुनावों में भाजपा को कम सीट मिली, अन्य चुनावों की तुलना मे बेहतर प्रदर्शन रहा है, हमे जनता के जनादेश को स्वीकार करना चाहिये। आगामी पंचायती राज चुनावों में भी संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने की आवश्यकता है जिससे भाजपा पंचायत चुनाव में अपना परचम लहरा सकें। संभाग प्रभारी एवं पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार विकास के कार्य कर रही है। भाजपा का कार्यकर्ता 24 घंटे और 12 महीने जनता के बीच रहकर काम करता है। उन्होंने कहा कि संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं की मेहनत ही पार्टी की वास्तविक ताकत है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज चुनाव संगठन को गांवों तक मजबूत करने का सशक्त माध्यम हैं। बैठक को भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला विजेन्द्र पूनिया, दौसा जिला सह प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला मोर्चा पूजा कपिल, दौसा जिला प्रभारी प्रणवेन्द्र शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर लालसोट विधायक रामविलास मीणा, सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल, महुवा विधायक राजेंद्र मीणा, बांदीकुई विधायक भागचंद टाकडा, दौसा भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा, दौसा लोकसभा प्रत्याशी कन्हैया लाल मीणा, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ रतन तिवाड़ी, सत्यनारायण शाहरा, टीकम सिंह गुर्जर, घनश्याम बालाहेडी, अमरसिंह कसाना, प्रदेश कार्य समिति सदस्य सिकंदर वधावन, लोकेश शर्मा, महावीर रलावता, मनीष पहाडिया, रवि लक्षकार, जय प्रकाश जैमन, रामविलास मरियाडा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दौसा में भाजपा की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

- दौसा में भाजपा का जिला प्रमुख एवं जिले की सभी पंचायत समितियों में बनेंगे भाजपा के प्रधान

प्रतिभावान सम्मान समारोह 25 दिसंबर को

मनोहरपुर । त्रिवेणी धाम 4 अक्टूबर 2026 श्री धन्ना भगत जाट समाज धर्मशाला ट्रस्ट कार्यकारिणी के पदाधिकारीयो की सामूहिक मीटिंग का आयोजन ट्रस्ट अध्यक्ष नरसिंहलाल कपूरिया की अध्यक्षता में किया गया जिसमें जयराम पलसानिया पूर्व सरपंच ने प्रस्ताव रखा की प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन 25 दिसंबर 2026 को किया जावे जिसका अनुमोदन रिछपाल कलवानिया ने किया सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि प्रतिभावान सम्मान समारोह 25 दिसंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा चंद्रभान सिंह पलसानिया ने सुझाव दिया कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए फिजूल खर्ची पर अंकुश लगाना जरूरी है समाज में जो कुप्रथा चालू है उनकी रोकथाम जरूरी है ट्रस्ट महामंत्री प्रहलाद सहाय जाट ने वर्ष 2025 ,26 का ट्रस्ट में आय एवं लागत का हिसाब प्रस्तुत किया एवं धर्मशाला में किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया जिसका अनुमोदन उपस्थित सभी सदस्यों ने ध्वनि मत से पारित किया महामंत्री ने उपस्थित सभी सदस्यों से आव्हान किया कि ट्रस्ट की आय बढ़ाने के लिए हमें और मेहनत करनी चाहिए एवं समाज में जो भी सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं उनमें ट्रस्ट के लिए1100 लेने के कार्यक्रम को गति प्रदान करनी चाहिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष ग्यारसी लाल बोबासिया ने सुझाव दिया कि ट्रस्ट में और व्यवस्थाएं बढ़ानी चाहिए कोषाध्यक्ष सरवन लाल भंवरिया ने ट्रस्ट कार्यकारिणी के द्वारा लिए गए निर्णय को प्रत्येक सदस्य को पालन करना जरूरी है का सुझाव दिया जिससे कि समाज को एक अच्छा संदेश जा सके ट्रस्ट यूथ अध्यक्ष राजेश समोता ने भी उपस्थित युवा साथियों से आ ान किया कि ट्रस्ट के द्वारा लिए गए निर्णय की पालना समाज में करवाने में युवाओं को अहम योगदान देना चाहिए एवं कार्यक्रम की समाज में प्रचार प्रसार व्यापक होना जरूरी है इसके लिए प्रत्येक तहसील में यूथ कार्य करने का होना जरूरी है मंगल चंद्र शेरावत एवं बोदूराम बड़सरा ने जिस टीम के द्वारा निर्माण कार्य की देखरेख की गई है उनको धन्यवाद ज्ञापित किया ।

सार-समाचार

नकबजनी के मामले में शातिर आरोपी गिरफ्तार

फुलेरा। फुलेरा थाना पुलिस ने नकबजनी के मामले में कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी विशाल गवारिया (21) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने तीन अन्य चोरी की वारदातें करना भी स्वीकार किया है। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि 11 जुलाई 2026 को बुद्ध नगर निवासी रामकिशन सैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 10 जुलाई को श्याम नगर स्थित उनके सूने मकान का दरवाजा कूदकर कमरे का ताला तोड़ा गया और कंप्यूटर मॉनिटर, माउस व की-बोर्ड चोरी कर लिए गए। इस पर थाना फुलेरा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने पूर्व में मामले का खुलासा करते हुए आरोपी रोहित रॉय को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया था। फरार आरोपी विशाल गवारिया की गिरफ्तारी के लिए एएसपी दूदू शिवलाल बैरवा व सीओ सांभरलेक मुकेश जोशी के सुपरविजन तथा थानाधिकारी हीरालाल सैनी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने आसूचना व तकनीकी सहायता के आधार पर 3 अक्टूबर को ठाम ईटावा से आरोपी को डिटेन कर पूछताछ की। पूछताछ में नकबजनी की वारदात स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने करीब तीन माह पूर्व भांकरोटा थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे से एचएफ डीलक्स बाइक, खाटूश्यामजी में पचार रोड स्थित तोरण गेट के पास से एक अन्य एचएफ डीलक्स बाइक तथा फुलेरा के सांभर रोड स्थित एक बंद स्कूल से चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

जयपुर व दौसा क्षेत्र के महाविद्यालयों के करीब 250 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

चौमूं / कालाडेरा राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित वेटलिफ्टिंग (महिला एवं पुरुष वर्ग) एवं बेस्ट फिजिक्स (पुरुष वर्ग) प्रतियोगिताओं का आयोजन 5 एवं 6 अक्टूबर 2026 को सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा, जयपुर में किया जाएगा। ठाामीण परिवेश में पहली बार विश्वविद्यालय स्तर की इन प्रतियोगिताओं का आयोजन होने जा रहा है, जिसे लेकर महाविद्यालय में विशेष उत्साह का माहौल है। प्रतियोगिताओं में जयपुर एवं दौसा क्षेत्र के विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 250 खिलाड़ी भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा एवं शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। दो दिनों तक चलने वाली इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के साथ संबंधित महाविद्यालयों के मैनेजर भी मौजूद रहेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जयभारत सिंह ने बताया कि प्रतियोगिताओं के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। ठाामीण क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों एवं खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 5 अक्टूबर को बेस्ट फिजिक्स पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता के लिए प्रातः 8:00 से 10:00 बजे तक बॉडी वेट, मैनेजर मीटिंग, दस्तावेज जमा करने एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ होगा। वहीं 6 अक्टूबर को प्रातः 7:30 से 9:30 बजे तक वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए बॉडी वेट किया जाएगा। इसके पश्चात महिला एवं पुरुष वर्ग की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिताएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होंगी। खिलाड़ियों एवं मैनेजरों के दस्तावेज जमा करने, सत्यापन तथा मैनेजर मीटिंग की प्रक्रिया भी निर्धारित समय के दौरान पूरी की जाएगी। महाविद्यालय के खेल अधिकारी रामेश्वर लाल मीणा ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों एवं मैनेजरों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर दस्तावेज सत्यापन एवं अन्य औपचारिकताएं पूरी करने की अपील की। खेल समिति के संयोजक डॉ. शक्ति सिंह ने बताया कि प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए खेल समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। खिलाड़ियों की सुविधा, प्रतियोगिता के सुचारू संचालन तथा आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जानकारी व मार्गदर्शन के लिए मोबाइल नम्बर7014195866पर सम्पर्क किया जा सकता है।

'नशे से युवा दूर रहें'

खेतड़ी । खेतड़ी उपखंड के बबाई स्थित बाल संस्कार केंद्र में रविवार को सेवा भारती समिति के तत्वावधान में सुपोषित भारत एवं नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम शिक्षाविद् रमाकांत तिवारी के सानिध्य एवं सेवा भारती समिति के जिलाध्यक्ष विष्णुकांत अग्रवाल की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में समिति के जिला मंत्री महेंद्र कुमार सैनी ने सेवा भारती की ओर से संचालित सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि नशा स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है ।

लालसोट में मिला दुर्लभ पैंगोलिन, तस्करों के मंसूबों पर फिरा पानी

लालसोट। शहर के रिहायशी इलाके में रात की गश्त के दौरान वन विभाग की टीम को एक दुर्लभ पैंगोलिन मिला। पैंगोलिन को देखते ही वनकर्मियों ने तत्काल उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया और वन विभाग के रेंज परिसर में सुरक्षित रखा। अधिकारियों के निर्देश के बाद इसे जल्द ही सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। रेंजर दीपक शर्मा ने बताया कि भारतीय पैंगोलिन की रेड लिस्ट में संकटठास्त श्रेणी में शामिल है। यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 के तहत संरक्षित है। पैंगोलिन चींटियां और दीमक खाकर पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि रिहायशी क्षेत्र, खेत या आसपास पैंगोलिन दिखाई देने पर उसे नुकसान न पहुंचाएं और न ही पकड़ने का प्रयास करें। तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि वन्यजीव को सुरक्षित रेस्क्यू कर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सके। पैंगोलिन का अवैध वन्यजीव व्यापार और शिकार इसे गंभीर खतरे में डालने वाले प्रमुख कारणों में शामिल हैं। ऐसे में लालसोट क्षेत्र में दुर्लभ पैंगोलिन का सुरक्षित रेस्क्यू वन विभाग की सतर्कता और रात्रि गश्त की अहम कामयाबी मानी जा रही है।

प्रतियोगिता में हनुमानगढ़ का शानदार प्रदर्शन

हनुमानगढ़ (निसं)। सांचौर के काज का गोलिया में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल (14 वर्ष) बालिका वर्ग प्रतियोगिता में हनुमानगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में हनुमानगढ़ ने राजसमंद को एकतरफा मुकाबले में 14-0 से हराकर चैंपियनशिप जीती। इसके साथ ही हनुमानगढ़ की टीम ने लगातार तीसरे वर्ष राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 28 सितंबर से शुरू हुई प्रतियोगिता में हनुमानगढ़ की टीम ने शुरुआत से ही दमदार प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ता चुनावी तैयारियों को जमीनी स्तर तक मजबूत करें : मोहम्मद शाहिद

पंचायतराज चुनाव को लेकर यूथ कांठोस ने कसी कमर

निवाई। पंचायतराज चुनाव 2026 को लेकर यूथ कांठोस के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद शाहिद ने निवाई का दौरा करते हुए जमात गौशाला के सामने स्थित श्रीराम फार्म हाउस पर पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करके आगामी पंचायतराज चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों पर चर्चा की। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद शाहिद का जिला प्रभारी हरीराम सुद व राष्ट्रीय संयोजक विक्रम चौधरी के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर राजस्थानी परम्परानुसार स्वागत किया। राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद शाहिद ने नव निर्वाचित कांठोस पार्षदों से चर्चा करते हुए उनको बधाई दी। इस दौरान उन्होंने यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आगामी पंचायतराज के चुनाव की तैयारियों, संगठन की सक्रियता व बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि निकाय चुनाव के दौरान सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया एवं बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया।

नारद मोह लीला ने बांधा समां, भक्ति-हास्य के रंग में रंगा रामलीला मंच

पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में 75 वर्षों से चली आ रही रामलीला मंचन की परंपरा के तहत शनिवार रात नारद मोह लीला का शानदार मंचन किया गया। कलाकारों के प्रभावी अभिनय, जीवंत संवाद और हास्य प्रसंगों ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। लीला में नारद मुनि के घोर तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु द्वारा उनकी परीक्षा लेने का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। तप के प्रभाव से नारद मुनि में अहंकार उत्पन्न होने पर भगवान विष्णु ने अपनी माया रची। स्वयंवर में नारद मुनि भगवान विष्णु का रूप पाने की इच्छा रखते हैं, लेकिन प्रभु की लीला के चलते उनका मोह भंग होता है और अंततः उन्हें अपनी भूल का अहसास होता है। प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने अहंकार से बचने और प्रभु की माया को समझने का संदेश दिया। व्यास पीठ पर विराजमान योगेश शर्मा ने अपने प्रभावी वाचन से लीला के प्रसंगों को रोचकता प्रदान की। उनके सधे हुए जोड़ो, संवादों के बीच सटीक भाव और प्रसंगानुकूल प्रस्तुति ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। नारद की भूमिका में रामशरण बोहरा, शंकर जी के रूप में विनीत गौड़, ब्रह्मा के रूप में सावर बोहरा, तथा रुद्रगण के रूप में सुनील गौड़ व दीपक भारद्वाज ने शानदार अभिनय किया। कलाकारों के हास्य, संवाद और भावपूर्ण दृश्यों पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं।

दीपावली पर रोशनी से जगमगाएगा रतनगढ़ का बाजार

रतनगढ़। लंबे अंतराल के बाद इस बार दीपावली पर रतनगढ़ के बाजारों को भव्य रूप से सजाया जाएगा। इसको लेकर पालिकाध्यक्ष सुनील शर्मा ने व्यापारियों के साथ बैठक कर बाजार को आकर्षक तरीके से सजाने का निर्णय लिया।पालिकाध्यक्ष सुनील शर्मा ने व्यापारियों से कहा कि दीपावली पर बाजार को दुल्हन की तरह सजाएं। सजावट के लिए नगर पालिका से जिस सहयोग की आवश्यकता हो, उसकी जानकारी दें। नगर पालिका की ओर से किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

पशुओं की रक्षा, हमारा कर्तव्य : विमल केशुका

मनोहरपुर । भामाशाह विमल केशुका ने कहा कि आज 4 अक्टूबर को पूरे विश्व में विश्व पशु दिवस मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति क्रूरता को रोकना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके कल्याण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना है। विश्व पशु दिवस की शुरुआत वर्ष 1925 में जर्मनी के लेखक और पशु प्रेमी हेनरिक ज़िमरमैन ने की थी। 4 अक्टूबर को ही इसे इसलिए मनाया जाता है क्योंकि यह दिन पशुओं के संरक्षक संत फ्रांसिस ऑफ असीसी का जन्मदिन है। आज तेजी से बढ़ते शहरीकरण, वनों की कटाई और अवैध शिकार के कारण कई पशु-पक्षी विलुप्त होने की कगार पर हैं। गाय, कुत्ता, हाथी, शेर, बाघ जैसे पशु हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि पशु नहीं रहेंगे तो पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाएगा। समाजसेवी और पर्यावरण प्रेमी विमल केशुका ने कहा - "पशु भी इसी धरती के जीव हैं, उन्हें भी जीने का पूरा अधिकार है। हमारे शास्त्रों में भी गाय को माता और हर जीव में आत्मा का वास बताया गया है।

आम सूचना दिनांकः05/10/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम श्रीमती मूर्ति टोकस व आकाश टोकस, हमारी पुत्री/बहन- सुश्री निशा टोकस, पुत्री श्रीमती मूर्ति टोकस एवं स्व0 कैप्टन चांद सिंह, आयु 27 वर्ष, आधार संख्या - 2911 2644 5586 हाल निवासी- S Homes Girls PG, 10/37, चित्रकूट स्कीम, चित्रकूट स्टेडियम के पास, जयपुर को हमारी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल करते है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी इत्यादि द्वारा सुश्री निशा टोकस से कोई संव्यवहार किया जाता है या उसे कोई ऋण दिया जाता है तो उस स्थिति में हमारी कोई देयता अथवा जिम्मेदारी नहीं होगी एवं संव्यवहार करने वाले पक्षकार स्वयं जिम्मेदार होंगे।

(मूर्ति टोकस)
पत्नी स्व. कैप्टन चांद सिंह
(आकाश टोकस)
पुत्र स्व0 कैप्टन चांद सिंह निवासीगण - प्लॉट नम्बर-108, सेक्टर-6, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 (राजस्थान)

NAME CHANGE

I hitherto known as LAKHAN SINGH, S/o PRAKASH, R/o Chourandapura, Pareeta, PO: Parita, DIST: Karauli, Rajasthan - 322219, have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH SINGH.

I hitherto known as SATTA DEVI, W/o PRAKASH CHAND, R/o Ward No 05, Kurka, PO: Kurka, DIST: Bharatpur, Rajasthan - 321301, have changed my name and shall hereafter be known as SANTA DEVI.

I hitherto known as ROOPA DEVI, W/o BAHADUR SINGH, R/o Salempur, PO: Salempura Chowki, DIST: Dausa, RAJASTHAN - 322240, have changed my name and shall hereafter be known as RUPO DEVI.

It is for general information that I SONU SHARMA son of JAGDISH PRASAD SHARMA resident of 329, Ward No-7, Karen Ka Thok, Masari Alwar, Rajasthan-321605, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as JAGDESH SHARMA and BRIJESH DEVI in my 10th Class Documents. The Actual name of my father and my mother are JAGDISH PRASAD SHARMA and BRIJESH respectively which may be amended accordingly.

नम्बर मिलाइए 8890333139

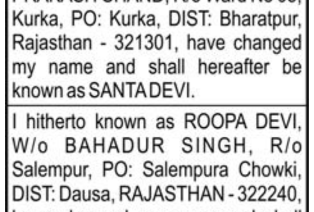

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नागरिक अभिनंदन कर 3 लाख रुपए भेंट किए

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। यहां भैरव भवानी चौक पर परशुराम सर्किल के पास स्थित गनेडीवाला भवन में पशुपालन विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक डॉ. बीएल झुरिया के नेतृत्व में नगरपालिका अध्यक्ष संजीव भानुका का नागरिक अभिनंदन कर तीन लाख रुपए की थैली भेंट स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष की माताश्री वरिष्ठ पार्षद परमेश्वरी देवी, निर्दलीय पार्षद बबीता चिराणिया, व भामाशाह समाजसेवी बलबीर सिंह सारण का भी स्वागत किया गया। आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में पालिकाध्यक्ष संजीव भानुका का विजय झुरिया ने माल्यार्पण कर, मनोज बगड़िया ने साफा, मित्र मंडली ने शाल ओढ़ाकर व तीन लाख रुपए की थैली सम्मान स्वरूप राशि भेंट कर अभिनंदन किया ।

सीकर में पंचायत चुनाव में आचार संहिता की पालना के निर्देश

सीकर । जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने आदेश जारी कर पंचायत आम चुनाव 2026 के मद्देनजर राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आदर्श आचार संहिता की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न सरकारी विभागों, निगमों, स्वायत्तशासी निकायों एवं अर्द्धसरकारी संस्थाओं के भवनों, स्थानों, वाहनों, खंभों तथा अन्य परिसंपत्तियों का राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों अथवा अन्य व्यक्तियों द्वारा चुनाव प्रचार के लिए उपयोग प्रतिबंधित है तथा इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने निर्देश दिए कि किसी भी सरकारी विभाग, निगम, स्वायत्तशासी संस्था अथवा निकाय की किसी भी प्रकार की परिसंपत्ति का चुनाव प्रचार कार्य के लिए उपयोग नहीं किया जाए। साथ ही, इन संस्थाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों में भाग नहीं लें। उन्होंने होर्डिंग्स, पोस्टर, बैनर एवं नारे लगाने अथवा लिखने तथा चुनावी सभाओं एवं जुलूसों के आयोजन के संबंध में भी आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी सरकारी, अर्द्धसरकारी विभाग, निगम अथवा स्वायत्तशासी संस्था के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली परिसंपत्ति का चुनाव प्रचार के लिए उपयोग पाए जाने अथवा आदर्श आचार संहिता के किसी प्रावधान का उल्लंघन होने पर संबंधित विभाग, निगम अथवा स्वायत्तशासी संस्था के नियंत्रण अधिकारी को सीधे तौर पर जिम्मेदार मानते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग्स आदि लगाने, चुनावी सभा एवं जुलूसों के आयोजन, विश्रामगृहों एवं डाक बंगलों तथा सरकारी वाहनों के उपयोग के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता एवं समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

लॉयंस क्लब ने मदद का हाथ बढ़ाया

झुंझुनूं (निसं)। जरूरतमंद दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लॉयंस क्लब झुंझुनूं और दिव्यांग सेवा संस्थान की ओर से सराहनीय पहल की गई। स्थानीय शहीद कर्नीराम रामदेव पार्क में आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद दिव्यांगों को निःशुल्क चार सिलाई मशीनें भेंट की गईं। मशीनें एमजेएफ लॉयन उमर कुरैशी के आर्थिक सौजन्य से उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष डॉ. देवकीनंदन तुलस्यान ने कहा कि दिव्यांगजनों को सहायता के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। इस अवसर पर लॉयंस क्लब के सचिव रघुनाथ पोद्दार, महिपाल सिंह, मांगीलाल सैन, शिवरतन शर्मा, बाबूलाल, राकेश जांगिड़, सोयब लंगा सहित जिलेभर से आए दिव्यांगजन मौजूद रहे।

दौसा में 35 हजार के लक्ष्य के मुकाबले 35,118 नवसाक्षरों ने दी परीक्षा

दौसा (निसं.)। जिले में 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के तहत रविवार को प्रथम बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन हुआ। साक्षरता के इस अभियान में दौसा ने निर्धारित लक्ष्य को पार करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। जिले को 35,000 नवसाक्षरों को परीक्षा में शामिल कराने का लक्ष्य दिया गया था, जिसके मुकाबले 35,118 नवसाक्षरों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर राज्य एवं जिला स्तर के अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निदेशालय साक्षरता एवं सतत शिक्षा के कार्यक्रम अधिकारी आशीष गोस्वामी तथा जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी हरिओम गुर्जर ने ठाामीण क्षेत्रों में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण दल ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पांचोली, टुडियाना, पीपलखेडा एवं समलेटी सहित विभिन्न केंद्रों पर पहुंचकर नवसाक्षरों के लिए की गई बैठने की व्यवस्था, प्रश्न-पत्र वितरण, परीक्षा की गोपनीयता तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों पर बुजुर्गों, महिलाओं सहित अन्य नवसाक्षरों में परीक्षा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

बड़ी संख्या में नवसाक्षर पूरे उत्साह के साथ परीक्षा देने पहुंचे । जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी हरिओम गुर्जर ने परीक्षा के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य से अधिक नवसाक्षरों की भागीदारी जिले में संचालित साक्षरता अभियान के प्रति आमजन के उत्साह तथा पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है।

विवाधको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

आदेश 5 के नियम 1 और 5

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड

रामावतार बनाम इन्द्राज वगैरह

वाद तकासमा एंव स्थाई निषेधाज्ञा

वाद सं.

बनाम
1-इन्द्राज पुत्र मंगूराम, जाति जाट, निवासी पांछूडाला, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
2- मंजू देवी पत्नि स्व0 प्रेमप्रकाश उर्फ ओमप्रकाश
3-अजय कुमार
4- अभयप्रताप पुत्रांन स्व0 प्रेमप्रकाश उर्फ ओमप्रकाश
5-गीता पुत्री रामजीलाल
6-गीता पुत्री रामजीलाल
जातियान बावरिया, निवासी पाथरेडी, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
7- सुनील पुत्र स्व0 जयसिंह
8-रामसिंह पुत्र सुलतान
9-निशान्तसिंह पुत्र प्रतापसिंह
10- प्रतिभा पुत्री प्रतापसिंह
11- महेन्द्रसिंह
12- गजेन्द्रसिंह
13- गोपालसिंह पुत्रांन स्व0 प्रेमकंवर जातियान राजपूत, निवासी पाथरेडी, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
14- बसन्ती पुत्री रामजीलाल, जाति बावरिया, निवासी पाथरेडी, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
15- भवानीसिंह पुत्र रोहिताशसिंह, जाति राजपूत, निवासी पाथरेडी, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
16- रामकला देवी पत्नि इन्द्राज, जाति जाट, निवासी पांछूडाला, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
17- शोभा कंवर पत्नि प्रतापसिंह, जाति राजपूत, निवासी पाथरेडी, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
18- सुगना पत्नि रामजीलाल
19- संतोष पुत्री रामजीलाल
जातियान बावरिया, निवासी पाथरेडी, तहसील पावटा, कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान जिला
20- सन्जू कंवर पुत्री रोहिताशसिंह, जाति राजपूत, निवासी पाथरेडी, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान

वादी ने आपके विरूद्ध वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 6.10.26 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है । आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी वारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके । आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें । आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 1.10.26 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है ।

मोहर अदालत

उपखण्ड अधिकारी पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का नागरिक अभिनंदन

चूरू । स्थानीय श्रीराम मंदिर में शनिवार देर शाम चाणक्य जनहित मंच के तत्वावधान में रतननगर की नव निर्वाचित चेयरमैन चंदा देवी ढ़ंड़ सहित रतननगर और चूरू के विप्र समाज के नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाज सेवी सत्यनारायण व्यास ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया गया। पं. उमेश व्यास व कुलदीप शर्मा ने मंगलाचरण किया। इस दौरान रतननगर चेयरमैन चंदा शर्मा, पूर्व सभापति विजय शर्मा, पार्षद लीलाधर चूलेट, अरुणा मिश्रा, अनीता शर्मा, अनुराग शर्मा, अभिषेक चोटिया, विजयश्री शर्मा, प्रियंका ओझा, राजेश्वरी शर्मा, इंदु शर्मा और विकास शर्मा का समाज की ओर से अभिनंदन किया गया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भरतपुर पहुंचे, साइबर थाने, कार्यप्रणाली की जानकारी ली

भरतपुर (निसं)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रविवार शाम भरतपुर दौरे पर पहुंचे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का सर्किट हाउस पंहुचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कलकटर कमर चौधरी, आईजी प्रीति चंद्रा, एसपी राजेश कुमार मीना ने की अगवानी। दौरे के दौरान वे साइबर थाने पहुंचे, जहां आईजी प्रीति चंद्रा और जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्य सचिव ने साइबर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम से थाने की कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने साइबर थाने पर आने वाले परिवादों, उनकी सुनवाई की प्रक्रिया और अब तक की गई कार्यवाही के बारे में एक-एक बिंदु पर चर्चा की। थाना प्रभारी ने बताया कि किस प्रकार ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया अपराध और वित्तीय फ्रॉड से जुड़े मामलों का निस्तारण किया जा रहा है। मुख्य सचिव श्रीनिवास ने निर्देश दिए कि साइबर अपराध से जुड़े परिवादों का निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए, ताकि पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए थाने में अभी और बेहतर स्ट्रक्चर व संसाधनों की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार स्तर पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने थाने में दर्ज मामलों की, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता और स्टाफ की स्थिति की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव ने साइबर जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया, ताकि आमजन ठगी से बच सकें।

राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के भरतपुर पहुंचने पर सर्किट हाउस में स्वागत किया।

सार-समाचार

गुमानपुरा टोल प्लाजा पर टोल कर्मचारियों से मारपीट, तोड़फोड़

टोंक । टोंक-सवाई माधोपुर के नेशनल हाईवे-116 पर बने गुमानपुरा टोल प्लाजा पर शनिवार देर रात्रि को टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट और तोड़फोड़ का मामला घटित हुआ है। इस घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं । टोल मैनेजर शिवकेश बेसला ने बताया कि शनिवार रात करीब 09.22 बजे कुछ लोग टोल प्लाजा पर आए और कर्मचारियों से बदसलूकी की। उनके हाथों में धारदार हथियार थे और उन्होंने हमला किया। करीब 45 मिनट बाद 8-10 लोग दोबारा पहुंचे और फिर मारपीट की। इस घटना में दो टोल कर्मचारी घायल हुए हैं और टोल प्लाजा की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा है। मैनेजर ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को मामले की जानकारी दे दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और दूसरे सबूतों के आधार पर जांच कर रही है। आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो पाएगी।

पावटा में अग्रसेन जयंता पर प्रतिभाओं का होगा सम्मान

पावटा। अग्रवाल सेवा समिति की बैठक समिति अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल होंगे। कार्यवाहक अध्यक्ष पवन अठावाल ने बताया कि जयंती समारोह के दौरान अग्रवाल समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। साथ ही बालाजी महाराज का सुंदरकांड पाठ भी आयोजित होगा। कोषाध्यक्ष हीरालाल सिंगल ने बताया कि समारोह को सफल बनाने के लिए समिति सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में विकास अठावाल, सुरेंद्र अठावाल, राजेश अग्रवाल, रितेश कुमार अग्रवाल सहित समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्कूली बोलोरो पलटने से तीन बालक घायल

दूदू । निकटवर्ती पडासोली मैं संचालित निजी स्कूल की बोलोरो गागरडू के पास पलट जाने पर तीन बालक घायल हो गए प्राप्त जानकारी के अनुसार पडासोली से बोलेरो उरसेवा गांव में छोड़ने बच्चों को छोड़ने जा रही थी । इस दौरान गागरडू के पास भैंस के सामने आ जाने से बोलेरो पलट गई इधर उसमें सवार राघव गुर्जर पीयूष खटीक कृष्ण खटीक घायल हो गए कुछ स्थानीय लोगों ने बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया जाकर राघव को दूदू राज के चिकित्सालय में रेफर कर दिया गया जहां उपचार जारी है मौके पर पुलिस ने पहुंचकर घटना की जानकारी ली

नगर पालिका अध्यक्ष अर्मिला कुमावत ने पार्षदों का सम्मान किया

चौमूं / कालाडेरा । कालाडेरा नगर पालिका की नवनिर्वाचित अध्यक्ष उर्मिला कुमावत ने रविवार को निवास पर पधारे पार्षदों व पार्षद प्रत्याशियों का राजस्थानी परंपरा के अनुसार स्वागत सत्कार किया गया। वहीं उपस्थित ठाामवासियों का भी आभार जताया इस अवसर पर सभी ने अध्यक्ष उर्मिला कुमावत स्नेहपूर्वक मुलाकात कर सम्मान एवं शुभकामनाएँ दीं। गौरतलब है कि कालाडेरा नगर पालिका की अध्यक्ष की कुर्सी पर पहली बार मे ही महिला अध्यक्ष उर्मिला कुमावत बनीं है। अध्यक्ष पद का पदभार ठाहण करने के साथ ही कालाडेरा कस्बे में स्वच्छता अभियान को लेकर सकारात्मक सोच के साथ सभी पार्षदों को साथ लेकर चल रहीं है लेकिन अध्यक्ष के सामने कालाडेरा कस्बे कई महत्वपूर्ण जन समस्याओं का समाधान करने व नगरपालिका क्षेत्र में धडल्ले से चल रहें अवैध निर्माण कार्य व भू-माफिया के द्वारा सरकार भूमि पर कर रहें अतिक्रमण को ध्वस्त करवाने की बहुत बड़ी चुनौती भी सामने होगी।

कालाडेरा में नालियां चोक, जगह-जगह गंदगी के ढेर

चौमूं / कालाडेरा । कालाडेरा नगर पालिका के वार्डों में स्वच्छता अभियान के प्रति नगरपालिका में अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों की उदासीनता से नगर में स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान का लोगों को सिर्फ सपना दिखाया जा रहा है। जबकि जमीनी हकीकत कुछ और बयां कर रही है। दरअसल नगर के कई वार्डों में तो नगर पालिका बनने के बाद से आज तक नालों की सफाई तक नहीं हुई और वार्डों में जगह जगह कचरा पड़ा है नालियां चोक होने से पानी नहीं निकलता। गंदगी के चलते लोगों को परेशानियां का सामना करना पड़ता है। जबकि सफाई के लिए लाखों रुपये के दो टेन्डर दिये गये उनके बाद भी नगर में कचरा उठाने के बजाय जलाने का काम किया जा रहा है। नगर में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर जहां नगर पालिका ने लाखों रुपए खर्च करके डस्टबिन, कचरा दान, कचरा ट्रॉली, सहित कई सामठाी की खरीदी की लेकिन इसका उपयोग ठीक तरीके से नहीं किया जा रहा है। ऐसे में स्वच्छता के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करके कागजों में अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही के चलते वार्डों में फिनायल नहीं डाली जा रही है। जिससे खुली पड़ी नालियां बदबू मार रही हैं। वहीं वार्ड 19 में जो गंदे पानी का नाला है उसकी सफाई भी नहीं कि गई।

दौसा में फुटबॉल प्रतियोगिता 7 से

दौसा । जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक स्थानीय मान क्लब मैदान में जिला स्तरीय लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा। उक्त लीग प्रतियोगिता में विजेता टीम राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग ले सकेगी। जिला फुटबाल संघ दौखा के अध्यक्ष व पूर्व राष्ट्रीय खिलाडी कृष्णावतार शर्मा (टिल्लू) ने बताया है की राजस्थान फुरबाला संघ के तत्वावधान में 22 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक माउंट आबू में राज्य स्तरीय सीनियर (पुरुष-वर्ग) का आयोजन किया जावेगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दौसा जिले की टीम भी शामिल होगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाडी एवं टीम का चयन हेतु 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक मान क्लब मैदान पर जिला स्तरीय लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा। इस प्रतियोगिता में 2010 से पहले के जन्त्र वाले खिलाडी व दौसा जिले के मूल निवासी खिलाडी ही भाग ले सकेंगे।

पंचायत राज चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक तैयारी तेज

- आगामी चुनावों को लेकर संभाग प्रभारी ने बैठक ली

ंचायत राज चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की बैठक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई।

टोंक। पंचायत राज चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा की एक महत्वपूर्ण बैठक भाजपा कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में अजमेर संभाग चुनाव प्रभारी एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक कर पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने की। बैठक में पंचायत चुनाव को लेकर संगठन की रणनीति, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता, मतदाताओं से संपर्क तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रभारी अरुण चतुर्वेदी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव में संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है, उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से अपने-अपने क्षेत्र में पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि पंचायत चुनाव को लेकर जिले में संगठन पूरी तरह सक्रिय है। पार्टी के कार्यकर्ता बूथ से लेकर पंचायत स्तर तक मजबूती के साथ चुनावी तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरने का आह्वान किया। बैठक में पंचायत चुनाव से संबंधित विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने सुझाव रखे तथा पंचायत स्तर पर बैठकों, जनसंपर्क एवं संगठनात्मक गतिविधियों को और गति देने पर जोर दिया। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी,संभाग सहप्रभारी विष्णु चेतानी,जिला प्रभारी रामानंद गुर्जर,सहप्रभारी शक्ति सिंह,देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर,निवाई विधायक रामसहाय वर्मा,पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया,पूर्व विधायक अजित सिंह मेहता,पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा,सतीश चंदेल,पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल, बबलू टैंकर, प्रधान काबरा, ममता जाट, नन्दलाल छान, मनीष बैरवा, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकलेश मीणा सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण व युवा नेतृत्व पर विशेष जोर

दौसा । ऑल इंडिया वुमेन्स कॉन्फ्रेंस दौसा शाखा की अध्यक्ष एवं स्टैंडिंग कमेटी सदस्य मूर्ति मीणा के नेतृत्व में रविवार को पिंकी होटल, दौसा में सेंट्रल ज़ोन-बी (राजस्थान एवं मध्य प्रदेश) का जोनल कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया। के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस सम्मेलन में विभिन्न शाखाओं की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया।

सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा, युवा नेतृत्व तथा संगठन की भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलजीत कौर ने की। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राखी राठौड, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं। पूर्व मंत्री वीरेंद्र मीना विशिष्ट अतिथि रहें। इस अवसर पर की राष्ट्रीय महासचिव रेहाना बेगम तथा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. भावना जोशीपुरा भी गरिमामयी उपस्थिति रही। दौसा शाखा की अध्यक्ष डॉ.मूर्ति मीणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा दौसा शाखा द्वारा महिलाओं, बच्चों एवं ठाामीण क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

साइबर ठगी में तीन आरोपी गिरफ्तार

निवाई पुलिस थाने में जब्त साईबर ठगी में प्रयुक्त मोबाईल फोन व बैंक के चैक बुके व पास बुके।

निवाई। डीएसटी व निवाई पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए साईबर ठगी करने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनसे साइबर ठगी के 700 रूपये की नकद राशि, 4 मोबाइल फोन, 7 डेबिट कार्ड, 3 आधार कार्ड, 7 बैक पासबुक, 3 चैक बुक व एक मोटरसाईकिल जब्त किया है। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी व थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशानुसार क्षेत्र में साईबर ठगी के मामलों को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल प्रसाद व डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में डीएसटी व पुलिस की विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए साईबर ठगी के आरोपी लोकेशकुमार मीणा पुत्र भरतलाल मीणा निवासी रामनगर पुलिस थाना दत्तवास, धनराज मीणा पुत्र हीरालाल मीणा व पवन मीणा पुत्र रंगलाल मीणा दोनों निवासी चौरपुरा को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 4 मोबाईल फोन, 7 डेबिट कार्ड, 3 आधार कार्ड, 7 बैक पास बुके व 2 चैक बुके, 32 सिम कार्ड, एक मोटरसाइकिल व ठगी के 700 रूपए की नकद राशि जब्त की है। उन्होंने बताया कि आरोपी गुगल पर फर्जी ई-मेले बनाकर ई-मेल को लोगिन करके वाटस्अप व इस्टॉठााम आईडी से आम जनता को मोटी राशि का फर्जी प्रतिरूपण करके साईबर ठगी करते है। साथ ही टेलीठााम एप अपने मोबाईल में डाउनलोड करके फर्जी चैनल बनाकर वाटस्अप के माध्यम से इन्वेस्टमेन्ट के नाम पर 2-3 घण्टे में 2 से 5 गुणा राशि होने का लालच देकर न्यु जोइनिंग के नाम से मैसेज भेजकर लोगों को जोईन करवाकर साईबर ठगी करते हैं, इस प्रकार उक्त तीनों आरोपियों द्वारा उक्त सिम, फर्जी एप व लिंक एवं चैनलों का ऑनलाईन साईबर ठगी के काम में लेकर जनता को फंसाकर मोटी राशि देकर म्युल खातों में अनुचित लाभ प्राप्त कर ठगी को अंजाम देते थे। आरोपियों द्वारा सायबर फ्रॉड कर जिन बैंक खातों मे फ्रॉड की राशि डलवाई गई थी। उक्त बैंक खातों व जिन मोबाईल नम्बरों का उपयोग कर साईबर फ्रॉड किया गया था उन बैंक खातों व मोबाईल नम्बरों पर एनसीआरपी पोर्टल पर कुल 51 शिकायते दर्ज हैं। आरोपी देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग व्यक्तियों के साथ साइबर फ्रॉड की कई वारदातों को अंजाम दिया है। तीनों आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस व आईटी एक्ट में मामला दर्ज किया।

जीवन में अहिंसा व आत्मचिंतन को उतारना ही सच्चा धर्म है : सुन्दर सागर

- श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अठावाल मंदिर का वार्षिकोत्सव मनाया धूमधाम से
- चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं हितेश छाबडा ने बताया कि कार्यक्रम शुभारंभ जैन भजन संध्या के साथ हुआ।

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर का वार्षिकोत्सव आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में श्रद्धा व उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं हितेश छाबडा ने बताया कि कार्यक्रम शुभारंभ जैन भजन संध्या के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर अध्यक्ष सुशील कुमार जैन, विष्णु बोहरा, नेमीचंद सिरस, विमल जौला, महेश मोटूका, रौनक बोहरा एवं राहुल बोहरा ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

महुवा से आए प्रसिद्ध भजन गायक दुर्गेश एंड पार्टी ने सुन्दर सागर नाम रे, पारस प्यारा लागो, मंत्र नमोकार हमें प्राणों से प्यारा सहित कई भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु जमकर झूमे। वार्षिकोत्सव के धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ श्रीजी के अभिषेक एवं शांतिधारा करके किया गया। इसके बाद 64 ऋद्धि मंडल विधान का आयोजन हुआ, जिसमें पांच कलशों की स्थापना की गई एवं प्रत्येक मंडप पर 64 अघ्र्य समर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ विधान में भाग लिया।

उन्होंने बताया कि दोपहर में श्रीजी की विशाल रथयात्रा का जुलूस अग्रवाल मंदिर से रवाना हुआ। जिसमें रथ का सारथी बनने का सौभाग्य पवन कुमार, सत्यनारायण, गिर्राज एवं महेश मोटूका को प्राप्त हुआ। खजांची बनने का सौभाग्य अनिल, सुनील एवं मनीष झिलाय को मिला। रथयात्रा अठावाल मंदिर से रवाना होकर अहिंसा सर्किल होते हुए कृषि उपज मंडी पहुंची। कृषि उपज मंडी में पांडुशिला पर श्री शांतिनाथ भगवान को विराजमान कर पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई।

इसके बाद अतिथि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक रामसहाय वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष जितेंद्र जैन व शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा सहित कई अतिथियों का कमेटी की ओर से सम्मान किया गया। इसके पश्चात भगवान श्रीजी की महाआरती की गई। महाआरती के बाद आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने जीवन में अहिंसा, संयम, सत्य व आत्मचिंतन को उतारना ही सच्चे अर्थों में धर्म है।

मनुष्य को बाहरी सुखों के पीछे भागने के बजाय अपने भीतर की आत्मशक्ति को पहचानने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिनेंद्र भगवान की आराधना तभी सार्थक है, जब हमारे आचरण में भी भगवान के बताए मार्ग की झलक दिखाई दे। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म के प्रति आस्था बनाए रखते हुए नियमित स्वाध्याय, पूजा, संयम एवं सदाचार को जीवन का हिस्सा बनाने का आव्हान किया।

दिवाली त्योहार के आसपास मतदान, शिक्षक संकट में

दौसा । पंचायती राज संस्थाओं के तृतीय चरण के निर्वाचन हेतु राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 04 एवं 06 नवंबर 2026 की मतदान तिथियां निर्धारित की गई हैं। हालांकि, इन तिथियों के ठीक आसपास धनतेरस, छोटी दीपावली और दीपावली जैसे प्रमुख राष्ट्रीय एवं धार्मिक पर्व पड़ रहे हैं। ऐसे में त्योहारों के मुख्य समय में चुनाव प्रक्रिया आयोजित होने से आमजन, मतदाताओं और चुनाव ड्यूटी में लगने वाले कर्मचारियों के सामने व्यावहारिक कठिनाइयां खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अन्य राज्य कर्मचारी अपने गृह जिलों से दूर अन्य जिलों में पदस्थापित हैं। त्योहारों के अवसर पर कर्मचारी अपने परिजनों के साथ समय बिताने और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु गृह जिले में जाते हैं। दूसरी ओर, चुनाव प्रक्रिया में शिक्षकों की पीठासीन अधिकारा और मतदान दल के सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। 07 नवंबर को उपसरपंच का चुनाव भी प्रस्तावित होने के कारण लगातार चुनावी दायित्वों के चलते दूर-दराज के क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों के लिए समय पर आवागमन करना और दोनों जिम्मेदारियों को निभाना कठिन साबित हो सकता है।

सार-समाचार

राजगढ़ में भारत विकास परिषद का शिविर शुरु

राजगढ़ । भारत विकास परिषद शाखा राजगढ़ की ओर से रविवार, 4 अक्टूबर 2026 को खंडेलवाल धर्मशाला, राजगढ़ में प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ राजगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष रेखा सैनी ने फीता काटकर किया । इसके पश्चात भारत माता, स्वामी विवेकानंद एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। परिषद के अध्यक्ष दिनेश सैन ने बताया कि रक्तदान शिविर में श्री मक्खन लाल चैरिटेबल ट्रस्ट, अलवर की टीम द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में राजगढ़ के 40 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा में अपना योगदान दिया। भारत विकास परिषद शाखा राजगढ़ की ओर से रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें माला स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान परिषद के सचिव दीपक विजय, कोषाध्यक्ष पारस सर्राफ प्रकल्प प्रमुख जिनेंद्र जैन, लायंस क्लब अध्यक्ष लोकेश रावत, महिला संयोजक प्रीति शर्मा, परिषद की पूर्व अध्यक्ष पदमा गोयल, नरेंद्र शर्मा , योगेश शर्मा , शिवचरण शर्मा, आशीष गुप्ता, सूर्या गुप्ता, नीतू सिंह आर्य, अवधेश साहू, मेघ सिंह आर्य, गजेंद्र विजय, संचित भांगला, जगदीश सैनी, राहुल सैनी वीरेंद्र दाधीच सहित परिषद के अनेक सदस्य एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

70 साल की दादी ने साक्षरता परीक्षा दी

लालसोट । रविवार का दिन लालसोट के लिए सिर्फ छुट्टी का दिन नहीं, बल्कि शिक्षा के जश्न का दिन बन गया। जब पूरा देश आराम कर रहा था, तब लालसोट ब्लॉक के 39 परीक्षा केंद्रों पर कलम चल रही थी। मौका था उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत आयोजित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का। सुबह 10 बजे परीक्षा शुरू होनी थी, लेकिन 9 बजे से ही केंद्रों पर चहल-पहल शुरू हो गई। किसी ने नई धोती पहनी थी, तो कोई पहली बार अपने नाम का पेन लेकर आया था। सबसे खास बात - महिला परीक्षार्थियों की संख्या पुरुषों से कहीं ज्यादा रही। कई दादियां अपनी पोतियों के साथ परीक्षा देने पहुंची, तो यह नजारा बेहद भावुक करने वाला था। ब्लॉक साक्षरता समन्वयक अविनाश शर्मा ने बताया, "इस बार हमने ब्लॉक के सभी यूसीईईओ और पीईईओ को मिलाकर कुल 39 परीक्षा केंद्र बनाए थे। परीक्षा प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक चली। हमारा लक्ष्य सिर्फ हस्ताक्षर कराना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को पढ़-लिख कर अपने हक को समझने लायक बनाना है।" उन्होंने बताया कि इस परीक्षा के बाद सफल नवसाक्षरों को सरकार की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। यह प्रमाण पत्र उनके लिए मनरेगा, बैंक और अन्य सरकारी योजनाओं में पहचान के साथ-साथ आगे की पढ़ाई का आधार बनेगा। परीक्षा को पारदर्शी और नकल-रहित बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया था। इस कंट्रोल रूम की कमान चार कर्मठ योद्धाओं ने संभाल रखी थी - कृष्ण कुमार जैमिनी, जयप्रकाश शर्मा, सुनील कुमार शर्मा और सुमित कुमार शर्मा। ये चारों दिनभर एक-एक केंद्र से फोन पर फीडबैक लेते रहे और किसी भी समस्या का तुरंत समाधान करते रहे। पूरे आयोजन की प्रेरणा स्त्रोत रहीं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शीला मीना । उनके निर्देशन और एसीबीईओ की टीम ने सभी पीईईओ, साक्षरता प्रभारियों और शिक्षकों में ऐसा जोश भरा कि परीक्षा महापर्व बन गई। सीबीईओ मीना ने कहा कि शिक्षा ही वह दीया है जो एक घर नहीं, पूरी पीढी को रोशन करता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के आयोजनों से अब गांव की चौपाल पर भी पढाई-लिखाई की चर्चा होने लगी है। निश्चित ही लालसोट ब्लॉक जल्द ही पूर्ण साक्षरता की ओर अग्रसर होगा।

नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष व पार्षदों का अभिनंदन

फुलेरा। जोबनेर रोड स्थित राजस्थान विप्र वाटिका में रविवार को विप्र समाज की ओर से नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष राजू शर्मा दाधीच एवं पार्षद सुरेश मिश्रा, किरण पारीक व मीनाक्षी शर्मा के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समाज पदाधिकारियों एवं विप्र बंधुओं ने जनप्रतिनिधियों का माला, दुपट्टा एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फुलेरा विधानसभा के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने कहा कि संगठन ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है। संगठित समाज की शक्ति का उदाहरण सभी के सामने है। उन्होंने समाजबंधुओं से एकजुट रहकर समाजहित में कार्य करने का आ ान किया। पालिकाध्यक्ष राजू शर्मा ने कहा कि वह सभी समाजों को साथ लेकर नगर के विकास के लिए कार्य करेंगे। कस्बे की समस्याओं को प्राथमिकता से लेकर उनके शीघ्र समाधान का प्रयास किया जाएगा। विप्र महासभा के महामंत्री शैलेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष धनराज शर्मा, दीनदयाल शर्मा, मनीष शर्मा, मुरारीलाल सिंवाल, मुकेश पारीक एवं रामविलास शर्मा ने पालिकाध्यक्ष व पार्षदों का स्वागत किया। वहीं सभापति यादराम जोशी, सुरेश शर्मा एवं प्रभुदयाल दाधीच का भी समाज पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित कुंजबिहारी वशिष्ठ, कुलदीप वशिष्ठ के मंत्रोच्चार से हुआ। इस दौरान पंडित रामअवतार दाधीच, वैद्य गणेशचंद दाधीच, नंदकिशोर शर्मा, केजी गोड़, ओमप्रकाश शर्मा, जगन्नाथ सिंवाल, शिवकुमार शर्मा, जुगलकिशोर शर्मा, सुमित शर्मा, त्रिलोकचंद शर्मा, सुरेशचंद सारस्वत, टीकम शर्मा, एडवोकेट निशांत शर्मा, संजय शर्मा, विशाल शर्मा, नवनीत शर्मा, अनिल शर्मा, समाजसेविका उर्मिला सुरोलिया, उमा शर्मा, कृष्णा शर्मा, पंकज शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुष एवं विप्र बंधु मौजूद रहे।

"पंचायत चुनाव में होर्डिंग, पोस्टर व बैनर का उपयोग नियमानुसार होगा"

- पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक हुई

भरतपुर (निसं)। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के संबंध में रविवार को जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित चुनाव कार्यक्रम एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भरतपुर जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के लिए चुनाव तृतीय व चतुर्थ चरण में निर्धारित किया गया है। चरणवार कार्यक्रम के अनुसार तृतीय चरण में नदबई, वैर, भुसावर एवं बयाना तथा चतुर्थ चरण में सेवर, उच्चैन एवं रूपवास क्षेत्र शामिल हैं। जिले में पंचायत समिति एवं जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं, मतदान केन्द्रों एवं अन्य निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी साझा की गई।

उन्होंने बताया कि जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान 4 नवंबर तथा 14 नवंबर 2026 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित है। मतगणना 20 नवंबर 2026 को प्रातः 8 बजे से मतगणना पूर्ण होने तक जिला मुख्यालय पर होगी। इसके पश्चात जिला प्रमुख का चुनाव 25 नवंबर तथा उप जिला प्रमुख का चुनाव 26 नवंबर को होगा। पंचायत समिति प्रधान एवं उप प्रधान के चुनाव क्रमशः 27 एवं 28 नवंबर को निर्धारित हैं।

बैठक में पंचायत समिति सदस्यों, प्रधान एवं उप प्रधान तथा पंच एवं सरपंच के चुनावों के लिए भी चरणवार निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी दी गई। पंच एवं सरपंच के लिए तृतीय चरण में 6 नवंबर तथा चतुर्थ चरण में 16 नवंबर 2026 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान निर्धारित किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। नवीन निविदाओं, नवीन योजनाओं एवं नवीन विकास कार्यों पर आचार संहिता के प्रावधान लागू रहेंगे, जबकि आचार संहिता लागू होने से पूर्व स्वीकृत अथवा प्रारंभ किए जा चुके विकास कार्य इससे प्रभावित नहीं होंगे। बैठक में राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रचार के दौरान वाहनों, लाउडस्पीकर, कटआउट, होर्डिंग, पोस्टर एवं बैनर के उपयोग से संबंधित आयोग के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। जिला परिषद सदस्य के चुनाव में अधिकतम तीन, पंचायत समिति सदस्य के चुनाव में दो तथा सरपंच चुनाव में एक वाहन के उपयोग का प्रावधान बताया गया है। वाहनों के उपयोग से पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को सूचना एवं आवश्यक अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। लाउडस्पीकर के उपयोग, प्रचार सामग्री के प्रदर्शन तथा सार्वजनिक स्थलों पर कटआउट, होर्डिंग, पोस्टर एवं बैनर लगाने के संबंध में भी निर्धारित प्रतिबंधों एवं अनुमति प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

नारी शक्ति को जागृत करने पर चर्चा

राजगढ़ । गायत्री शक्ति पीठ, राजगढ़ में रविवार को आयोजित नारी जागरण कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति को जागृत करना, महिलाओं को उनकी आंतरिक क्षमताओं का बोध कराना तथा परिवार एवं समाज निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्त गायत्री कचौलिया, जिला शिक्षा अधिकारी रेनू भट्ट तथा जयपुर के प्राचार्य अनीता भी उपस्थित रहीं। तीनों वक्ताओं की टोली ने संगीत एवं प्रेरक प्रस्तुतियों के माध्यम से माताओं एवं बहनों में उत्साह का संचार किया तथा गायत्री परिवार के उद्देश्य एवं विचारधारा से परिचित कराया। वक्ताओं ने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति है। नारी के भीतर असीम संभावनाएं छिपी हुई हैं। आवश्यकता है कि वह स्वयं अपनी शक्ति को पहचाने।

स्काउटिंग प्रशिक्षण के साथ सेवा व नेतृत्व का पाठ सीखा स्काउटर्स ने

टोरडा धाम में रोवर प्रशिक्षण शिविर में 85 स्काउटर्स प्रशिक्षण लिया।

पावटा। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ पावटा के तत्वावधान में बाबा भरतदास आश्रम बगीची टोरडा धाम मंदिर परिसर में तृतीय, द्वितीय सोपान एवं निपुण/रोवर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ महंत मंगलदास महाराज के कर कमलों से ध्वजारोहण के साथ हुआ। शिविर में क्षेत्र के करीब 10 विद्यालयों के 85 स्काउटर्स उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। शिविर के दूसरे दिन रविवार को महंत मंगलदास महाराज ने स्काउटर्स को आशीर्वचन देते हुए सेवा, संस्कार एवं अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों में अच्छे नागरिक बनने की भावना विकसित करते हैं और उन्हें समाज व राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। शिविर संचालक अभय सिंह शेखावत के निर्देशन में स्काउटर्स को ध्वज बांधने, विभिन्न प्रकार की गांठें लगाने, प्राथमिक उपचार, दिशा ज्ञान सहित स्काउटिंग के विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के साथ विद्यार्थियों से गतिविधियों का व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया गया। शिविर संचालक अभय सिंह शेखावत ने कहा कि शिविर का उद्देश्य केवल स्काउटिंग कौशल सिखाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सेवा-भाव, अनुशासन, नेतृत्व, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। सह-संचालक प्यारेलाल महला, सचिव भवानी सिंह, हरसहाय गुर्जर, माडूराम यादव, इंद्राज, महीपाल एवं अजीत सिंह ने भी स्काउटर्स को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। युवा भाजपा नेता विकास जांगल मोलाहेड़ा ने स्काउटिंग को अनुशासन के साथ आधुनिक तकनीक के बढ़ते दबाव के बीच तनावमुक्त जीवन जीने की कला बताया।

उन्होंने अपना खेल खेलने की कोशिश की। उन्होंने बचाव किया, वे व्यवस्थित थे और उन्होंने जवाबी हमले करने की कोशिश की। मुझे लगता है कि उन्होंने अच्छा खेल खेला। - कार्लो एंसेलोटी

ब्राजील के मुख्य कोच, भारत के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी अनुराग ठाकुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि एशियाई खेलों में महिला व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स को एएम ग्रीन आईजीपीएल की ओर से एक करोड़ का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रणवी एशियाई खेलों में गोल्फ का व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। इसके अलावा महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला गेल्फ टीम की प्रणवी उर्स, अदिति अशोक और दीक्षा डागर को व्यक्तिगत रूप से 25-25 लाख दिए जाएंगे।

क्या आप जानते हैं ?... एशियन गेम्स 2026 (आइची-नागोया) में भारत ने 85 पदक जीते, जिसमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

एशियन खेल-2026 का समापन, परेड में नीरू ढांडा ने शान से लहराया तिरंगा

भारत 21 स्वर्ण समेत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर

आइची-नागोया, 4 अक्टूबर। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू हुए एशियन गेम्स-2026 का रविवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित भव्य समापन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा रहीं। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ हाथ में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व किया।

समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद एथलीटों की परेड शुरू हुई, जिसमें विभिन्न देशों के ध्वजवाहकों ने अपने-अपने दल का नेतृत्व किया। भारत की ओर से नीरू ढांडा ने तिरंगा थामा। वह भारतीय ध्वज लहराते हुए आगे बढ़ रही थीं और उनके साथ भारतीय दल भी अपने शानदार प्रदर्शन से उत्साहित दिखाई दिया। नीरू ढांडा ने इन एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत समेत कुल तीन पदक अपने नाम किए हैं।

दोहा करेगा 21वें एशियन गेम्स की मेजबानी एशियन गेम्स के 21वें संस्करण की मेजबानी कतर (दोहा) करेगा, जो साल 2030 में होगा। दोहा दूसरी बार एशियन गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2006 में भी इन खेलों की मेजबानी की थी। समापन समारोह के दौरान ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया का झंडा दोहा के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया। समापन समारोह में हजारों खिलाड़ी, अधिकारी और दर्शक मौजूद रहे।

भारत 21 स्वर्ण समेत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर भारत ने एशियन गेम्स-2026 में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य समेत कुल 85 पदक जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। भारत ने अपने अभियान का समापन पुरुष हॉकी में स्वर्ण पदक के साथ किया।

हालांकि, भारत का इस बार का प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियन गेम्स की तुलना में कम रहा। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 107 पदक (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) जीते थे। इस लिहाज से इस बार भारत के कुल पदक 22 और स्वर्ण पदक सात कम रहे।

पदक तालिका में चीन शीर्ष परएशियन गेम्स-2026 की पदक तालिका में चीन शीर्ष पर रहा। चीन ने 169 स्वर्ण, 89 रजत और 83 कांस्य समेत कुल 341 पदक जीते। जापान 83 स्वर्ण, 95 रजत और 91 कांस्य सहित कुल 269 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया ने 39 स्वर्ण, 43 रजत और 68 कांस्य सहित कुल 150 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

अनाहत सिंह ने एशियाई खेलों के रजत पदक के बाद 2028 ओलंपिक पर साधी नजरें

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना 'बहुत यथार्थवादी' लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्क्वाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की मलेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें

2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। स्वदेश लौटने के बाद अनाहत ने कहा, "मैं निश्चित रूप से काफी निराश थी। दोबारा खुश होने या थोड़ा बेहतर महसूस करने में मुझे कुछ दिन लगे। फाइनल में हारना अच्छा नहीं लगता, विशेषकर तब जब आप किसी बड़े मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद खिताब के इतने करीब पहुंच जाते हैं।" उन्होंने कहा, "मैं सकारात्मक पहलुओं को देखने की कोशिश करूंगी और इसे इस रूप में देखूंगी कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन कर सकती हूं तो इसमें मेरे लिए कई अच्छी बातें भी हैं।" अनाहत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरी थीं लेकिन उन्हें पता था कि मजबूत खिलाड़ियों की मौजूदगी को देखते हुए यह आसान लक्ष्य नहीं था। उन्होंने कहा, "मेरा पहला लक्ष्य एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतना था।

निडर होकर खेलें खिलाड़ी, खुद पर रखें भरोसा : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि टीम के खिलाड़ियों को बाहरी दबाव की चिंता किए बिना अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करना चाहिए।

अय्यर ने कहा कि वह चाहते हैं कि खिलाड़ी निडर होकर खेलें और अपनी सोच या खेलने के तरीके को सीमित न करें। क्योंकि जब आप अपनी स्वाभाविक सोच को रोकते हैं, तो आपकी असली काबिलियत मैदान पर नहीं दिखती। इसलिए, मुझे लगता है कि बाहर से जो उम्मीदें हैं, उनसे कहीं ज्यादा हमें खुद पर भरोसा करना चाहिए। एक टीम के तौर पर आप जानते हैं कि टीम के अंदर क्या चल रहा है और खिलाड़ियों की सोच कैसी है इसलिए, अच्छे और बुरे हर समय में आपको एक-दूसरे का साथ देना होगा और यह पक्का करना होगा कि मुश्किल समय में हर कोई एक-दूसरे के साथ खड़ा रहे। अपनी बल्लेबाजी की रणनीति पर अय्यर ने कहा कि वह परिस्थिति के हिसाब से खेलना पसंद करते हैं। अगर वह पावरप्ले में बल्लेबाजी के लिए आते हैं

तो क्षेत्ररक्षण प्रतिबंधों का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे हालात के हिसाब से खेलना पसंद है। अगर मैं पावरप्ले में बल्लेबाजी करने जाता हूं, तो मैं पावरप्ले में मिलने वाली क्षेत्ररक्षण पाबंदियों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। मैं मुश्किल समय में भी गेंदबाजों पर हावी होकर खेलना पसंद करता हूं, क्योंकि तभी आक्रामक खेल काम आता है। मेरी सोच शुरू से ही ऐसी रही है, जबसे मैंने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलना शुरू किया था। एक बार जब मैं जम जाता हूं, तो मैं यह पक्का करने की कोशिश करता हूं कि मेरे बाद आने वाले बल्लेबाजों के लिए एक अच्छा मंच तैयार करूं।

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ अपनी बातचीत को लेकर अय्यर ने कहा कि वह उनसे सिर्फ क्रिकेट के बारे में बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि मैं वैभव से मैदान के बाहर की चीजों के बारे में बात करते रहते हैं, क्योंकि हर कोई उससे क्रिकेट के बारे में ही बात करता है। हम जानते हैं कि एक इंसान के तौर पर वह कितना प्रतिभाशाली है। इसलिए, मैं उससे मैदान के बाहर की जिंदगी, परिवार और उसकी पसंद-नापसंद के बारे में बात करता हूं। ऐसी बातें करते हुए वह ज्यादा सहज महसूस करते हैं।

अय्यर ने आगे कहा कि वैभव बहुत शांत स्वभाव का है, लेकिन मैदान पर उसका अंदाज बेहद आक्रामक है। उन्होंने भरोसा जताया कि जब वैभव को भारतीय टीम में खेलने का पूरा मौका मिलेगा तो वह भारतीय क्रिकेट पर अपना प्रभाव छोड़ेगा। फिलहाल टीम में विश्व कप विजेता सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। वैभव अभी टीम के 15 सदस्यीय दल का हिस्सा है और सही समय आने पर वह जरूर अपनी छाप छोड़ेगा।

आईसीसी विश्व कप 2027 की तैयारी : सीरीज से तय संयोजन के साथ खेलना चाहता हूं : गिल

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। चोटों और व्यस्त कार्यक्रम के कारण स्थायी एकादश नहीं उतार पाने से चिंतित भारतीय कप्तान शुभमन गिल चाहते हैं कि आगामी एकदिवसीय मुकाबलों में उन खिलाड़ियों को नियमित मौके दिए जाएं जिनके 2027 के आईसीसी विश्व कप में खेलने की संभावना है। भारत ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई तीन मैच की शृंखला में बड़े पैमाने पर दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को मौका दिया। भारत ने यह श्रृंखला 2-1 से जीती। हालांकि एशियाई खेलों में हिस्सा लेने गए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे नियमित खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में भारतीय गेंदबाजी में अपेक्षित धार नहीं दिखी। इसके अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी गुवाहाटी में दूसरे एकदिवसीय के दौरान चोटिल खिलाड़ियों

की बढ़ती सूची में शामिल हो गए।

गिल ने तीसरे एकदिवसीय में पांच विकेट की हार के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "ईमानदारी से कहूं तो प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। उम्मीद है कि हम जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं वे सभी खिलाड़ी अगली श्रृंखला से टीम में होंगे और हम विश्व कप में जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं उसी के साथ खेलना शुरू करना चाहते हैं।" आईसीसी के इस प्रमुख टूर्नामेंट से पहले सीमित संख्या में एकदिवसीय मुकाबलों को देखते हुए गिल को मुख्य गेंदबाजों की लगातार अनुपस्थिति निराशाजनक लगी।

उन्होंने कहा, "मैं कहूंगा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। चोटों और अन्य मुकाबलों के आसपास व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम उस गेंदबाजी क्रम के साथ नहीं खेल पाए जिसके साथ हम खेलना चाहते थे।" हालांकि गिल ने कहा कि इससे नए गेंदबाजों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका भी मिलता है। उन्होंने कहा, "सबसे पहले तो मुझे नहीं लगता कि जड्डू भाई को बाहर किया गया था। आगे हम चयनकर्ताओं के साथ चर्चा करेंगे। विश्व कप को ध्यान में रखते हुए जो टीम के लिए सही होगा और उन परिस्थितियों में जो खिलाड़ी अपने कौशल से टीम को अधिक योगदान दे सकता है, हम उसे टीम में रखेंगे।

गोल्ड मेडल जीतने के साथ जसप्रीत बुमराह ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। जापान में खेले गए एशियन गेम्स के फाइनल मुकाबले में मिली जीत ने जसप्रीत बुमराह को शीर्ष पर पहुंचा दिया। वे अपने पहले 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले प्लेयर बन गए। उन्होंने इस मामले में सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ा। जसप्रीत बुमराह ने अपने 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 78 जीत दर्ज की जो पूरी दुनिया में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक है। इससे पहले विश्व के किसी भी क्रिकेटर ने अपने पहले 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 78 में जीत दर्ज नहीं की थी। बुमराह ऐसा करने पहले दुनिया के पहले क्रिकेटर बने हैं। बुमराह से पहले टॉप पर सूर्यकुमार यादव थे, जिन्होंने अपने पहले 100 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में से 77 मैच जीते थे। अब वे लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

अंडर-23 चैम्पियनशिप के लिए दौसा की टीम घोषित

दौसा, 4 अक्टूबर। जिला क्रिकेट संघ दौसा ने 5 अक्टूबर से जयपुर में शुरू होने वाली अंडर-23 चैंपियनशिप के लिए जिले की 18 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान सचिन शर्मा को सौंपी गई है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि टीम का चयन सीनियर चयन समिति ने किया है। चयन में दौसा जिले के मूल निवासी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है।

दौसा की टीम - सचिन शर्मा (कप्तान), देवकृत शर्मा, विजय मीणा, नमन शर्मा, अमित सैनी, राम शर्मा, नवरत्न सैनी (विकेटकीपर), प्रांजुल शर्मा (विकेटकीपर), विजय सैनी, लीलाधर मीणा, विशाल सिंह, आशीष शर्मा, पृथ्वी नागरवाल, जतिन मेहरा, अभिमन्यु गौतम, कमलेश मीना, मोहित शर्मा और मोहित जैमन।

तीन दिन में तीन मुकाबले - दौसा का पहला मुकाबला5 अक्टूबर को करौली से होगा। इसके बाद 6 अक्टूबर को बाड़मेर और 7 अक्टूबर को बूंदी के खिलाफ टीम मैदान में उतरेगी। जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों रतन चंद शर्मा एडवोकेट, शिवचरण शर्मा एडवोकेट, हीरालाल सैन, शोभना गुर्जर और विनय जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने टीम को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जयपुर में 70वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग में राज्यभर से 700 खिलाड़ी पहुंचे

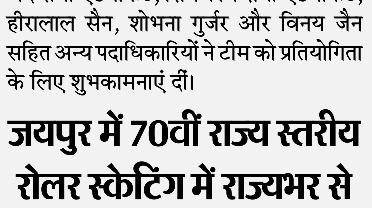

जयपुर, 4 अक्टूबर। राजधानी जयपुर में 70वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का रविवार को भव्य आगाज हुआ। हरि ओम विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के तत्वावधान में शिवा स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से करीब700 प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन अवसर पर स्केटिंग ट्रैक पर खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। विभिन्न आयु वर्गों के स्केटर्स ने गति, संतुलन, तकनीक और कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने जिलों का प्रतिनिधित्व किया। खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षकों और अभिभावकों में भी खासा उत्साह नजर आया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में वार्ड 11 के पार्षद शैलेन्द्र शर्मा, वार्ड 7 की पार्षद प्रत्याशीपूजा शैलेन्द्र शर्मा, डॉ.सरोज बेनीवाल, आरटीओ अधिकारी दिनेश, शिवा स्पोर्ट्स क्लब के संचालक पवन सैनी एवं नरेंद्र सैनी कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

300 से ज्यादा खिलाड़ियों ने दिखाया योगासन का हुनर

जयपुर, 4 अक्टूबर। 51वीं सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन रविवार को देशभर से आए 300 से अधिक खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार संतुलन, लचीलापन, एकाग्रता और शरीर नियंत्रण का प्रदर्शन कर निर्णायकों को प्रभावित किया। दूसरे दिनआर्टिस्टिक सोलो, आर्टिस्टिक पेयर और ट्रेडिशनल योगासनकी स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहीं। ट्रेडिशनल योगासन में 8-10, 10-12 और 12-14 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के बीच बेहतर प्रदर्शन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। योग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिवडॉ. अभिनव जोशीने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ी पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग ले रहे हैं।

24 जिलों के 325 खिलाड़ी भिड़े, जूनियर वुशू चैम्पियनशिप का आगाज

भीलवाड़ा, 4 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ एवं भीलवाड़ा जिला वुशू संघ के तत्वावधान में सुखाड़िया स्टेडियम में 20वीं जूनियर राज्य स्तरीय (बालक-बालिका) वुशू प्रतियोगिता का रविवार को शुभारम्भ हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के 24 जिलों के 325 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 6 अक्टूबर तक चलेगी।

पहले दिन शांशौ वर्ग में मुकाबले - प्रतियोगिता के पहले दिन जूनियर बालक वर्ग के शांशौ मुकाबलों में 45 किलोग्राम वर्ग में अजमेर के मोहित ने बूंदी के हिमांशु को 2-0 से हराया। 48 किलोग्राम वर्ग में अजमेर के वीरेन्द्र ने सीकर के शुभम को 2-1 तथा पाली के

अफजल ने झालावाड़ के भावेश सिंह को 2-0 से शिकस्त दी। 52 किलोग्राम वर्ग में जयपुर के लक्षित चावरिया ने भीलवाड़ा-ए के सुरेश जाट को 2-0 से तथा बूंदी के हर्षित सेनी ने अजमेर के नमन जोशी को 1-0 से पराजित किया।

डीएसए ने एसएमआर को 191 रन से हराया

जयपुर, 4 अक्टूबर। 12 डीएसए कप क्रिकेट प्रतियोगिता में डीएसए क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसएमआर क्रिकेट अकादमी को 191 रन से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीएसए क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में 5 विकेट पर 261 रन बनाए। टीम की ओर सेसुमित शर्मा ने 70 तथा सोम सैनी ने 41 रनकी उपयोगी पारियां खेलीं। एसएमआर की ओर से कुशल शर्मा ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएमआर क्रिकेट अकादमी की टीम डीएसए के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और17 ओवर में 70 रन पर ऑल आउट हो गई। डीएसए की ओर सेसोम सैनी ने 5 विकेट तथा लवेश जांगिड़ ने 2 विकेट झटके। शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए सोम सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

एआईएफएफ चुनाव : भारतीय फुटबॉल महासंघ के चुनाव 20 दिसंबर को होंगे

कोलकाता, 4 अक्टूबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को अपने बहुप्रतीक्षित चुनाव 20 दिसंबर को कराने का फैसला किया जिसके साथ ही नये पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के चुनाव को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता खत्म हो गई। राष्ट्रीय महासंघ की यहां हुई विशेष आमसभा बैठक (एसजीबीएम) में यह निर्णय लिया गया। बैठक में एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के सदस्यों, संबद्ध राज्य संघों के प्रतिनिधियों के अलावा फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अधिकारी भी मौजूद रहे। महासभा ने हरियाणा के पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त राजीव शर्मा को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया। वह चुनाव प्रक्रिया की निगरानी और उसके संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे। बैठक में यह भी तय किया गया कि एआईएफएफ के मौजूदा कार्यकारी समिति का कार्यकाल 30 दिसंबर तक या नयी निर्वाचित कार्यकारी समिति के पदभार संभालने तक जारी रहेगा।

ईरानी कप : शेष भारत ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया

श्रीनगर, 4 अक्टूबर। मुकेश कुमार (33 रन पर छह विकेट) और आकाश दीप (25 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की दम पर शेष भारत ने रविवार को चौथे और आखिरी दिन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराकर ईरानी कप का खिताब जीत लिया। जीत के लिए 279 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही जम्मू-कश्मीर की टीम को ट्रॉफी अपने नाम करने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत थी। पहली पारी में 41 रन की बढ़त लेने वाली जम्मू कश्मीर की टीम मुकेश और आकाश दीप की धारदार गेंदबाजी के आगे दूसरी पारी में महज 111 रन पर ढेर हो गई।

अंडर-23 में भीलवाड़ा और भरतपुर की शानदार जीत

अपूर्व, सर्वज्ञ, जयवर्धन, शौर्यवर्धन, अंश और अव्यांश चमके

जयपुर, 4 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को भीलवाड़ा और भरतपुर ने शानदार जीत दर्ज की। भीलवाड़ा ने पाली को 170 रन से तथा भरतपुर ने अलवर को पांच विकेट से हराया।

भीलवाड़ा ने पाली को 170 रन से हराया

भीलवाड़ा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 327 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। सर्वज्ञ पानेरी ने 81, जयवर्धन सिंह गहलोत ने 62, शौर्यवर्धन सिंह ने 57, यथार्थ भिरानिया ने 46, अपूर्व शर्मा ने 34 और स्वयं सोमानी ने 28 रन बनाए। पाली की ओर से चंद्रपाल सिंह ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाली की टीम 157 रन पर ऑलआउट हो गई। मितेश जांगिड़ ने 46 और मोहित ने 38 रन बनाए। भीलवाड़ा के लिए अंश चतुर्वेदी ने चार विकेट और अपूर्व शर्मा ने तीन विकेट झटके।

भरतपुर ने अलवर को पांच विकेट से हराया

दूसरे मुकाबले में अलवर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 193 रन पर सिमट गई। शिवम ने 24, आकाश ने 23 तथा मानव और राहुल ने 22-22 रन बनाए। भरतपुर के अनुभव गहलोत और नमन पंघाल ने तीन-तीन, जबकि जगदम्बिका पाल ने दो विकेट लिए। भरतपुर ने पांच विकेट खोकर 199 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। अव्यांश सिंह ने नाबाद 54 रन की पारी खेली। गिरीश ने 45, अर्जुन ने 37, आर्यन ने 24 और नमन ने नाबाद 21 रन बनाए। अलवर के यश यादव ने दो विकेट लिए।

पूनिया बंधुओं ने दर्ज की आसान जीत, मुख्य ड्रॉ की ओर बढ़ाए कदम

जयपुर, 4 अक्टूबर। राजस्थान के जुड़वा भाई तपेष्वर और तेजेष्वर पूनिया ने ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कों के अंडर-17 युगल वर्ग में आसान जीत दर्ज की। सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही प्रतियोगिता में पूनिया बंधुओं की जोड़ी ने हरियाणा के जागृत बुधवर और रितिक ढाका को सीधे गेमों में 15-10, 15-4 से हराकर मुख्य ड्रॉ की ओर कदम बढ़ाया।

अंडर-15 बालिका एकल के चौथे क्वालिफाइंग राउंड में राजस्थान की खुशी शर्मा ने तमिलनाडु की अवन्थिका को तीन गेमों तक चले मुकाबले में 11-15, 15-11, 15-8 से शिकस्त दी। अंडर-15 बालिका युगल में राजस्थान की काव्या चौधरी और मिराया फगेरिया ने गुजरात की दिति तेजस और वेदांशी शुक्ला को 15-9, 15-9 से हराया। वहीं राजस्थान की कियारा गोयल और पंजाब की समायरा अग्रवाल की जोड़ी ने दिल्ली की पविनी और काव्या सारस्वत को 15-7, 12-15, 21-20 से मात दी। राजस्थान के वर्धित और वर्षित की जोड़ी ने दिल्ली-तमिलनाडु की अर्पित बालियान और निर्वान की जोड़ी को 15-11, 15-4 से पराजित किया।

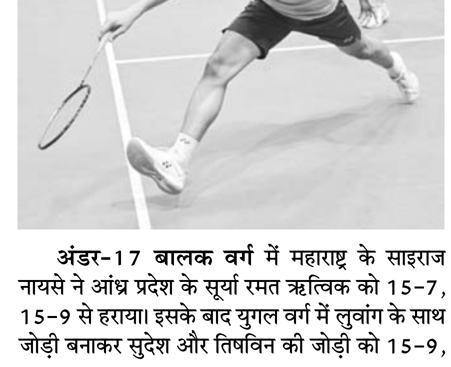

अंडर-17 बालक वर्ग में महाराष्ट्र के साइराज नायसे ने आंध्र प्रदेश के सूर्या रमत ऋत्विक को 15-7, 15-9 से हराया। इसके बाद युगल वर्ग में लुवांग के साथ जोड़ी बनाकर सुदेश और तिषविन की जोड़ी को 15-9, 15-11 से हराकर दोहरी सफलता हासिल की। हालांकि, **अंडर-15 बालिका एकल** में राजस्थान की मिराया फगेरिया को आंध्र प्रदेश की कीयाकोसा राजू के हाथों 15-11, 9-15, 10-15 से हार का सामना करना पड़ा। **अंडर-15 बालक एकल** में राजस्थान के लक्ष्यराज सिंह नाथावत को महाराष्ट्र के प्रथम विशाल ने 15-17, 15-9, 3-15 से हराया। अंडर-17 के चौथे राउंड में तमिलनाडु के लक्ष्मण आरके ने राजस्थान के मानस परवाल को 15-13, 15-9 से शिकस्त दी।

अंडर-15 बालिका युगल के दूसरे राउंड में आंध्र प्रदेश की दीया और मानविष्टा की जोड़ी ने राजस्थान की आरवी सैनी और स्वराज तकसाली को 15-7, 15-4 से हराया। वहीं अंडर-15 बालक युगल में महाराष्ट्र-गुजरात की प्रथम और विवान की जोड़ी ने राजस्थान के प्रणव मुलचंदानी और लक्ष्यराज सिंह को 15-2, 19-17 से पराजित कर बाहर कर दिया। सोमवार को करीब 120 मुकाबले खेले जाएंगे।इसके साथ ही क्वालिफाइंग राउंड का समापन होगा। क्वालिफाइंग में सफल रहने वाले खिलाड़ी 6 अक्टूबर से शुरू होने वाले मुख्य ड्रॉ में जगह बनाएंगे।

श्रीलंकाई टीम का ऐलान, असलंका बाहर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे ट्राई-सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा रविवार को कर दी है। इस सीरीज में मेजबान पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी हिस्सा लेगी। सीरीज की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी। श्रीलंका की टीम में दो बदलाव किए गए हैं। पूर्व कप्तान चरिथ असलंका को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा भी चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं हैं। इन दोनों की जगह बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो और ऑलराउंडर सहान अराचिगे को टीम में शामिल किया गया है। असंलका ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में क्रमशः 1, 11 और 7 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड दौरे के दौरान हसरंगा चोटिल हो गए थे।

लघु उद्योग भारती ने महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का काम किया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने पाली में 1200 उद्यमियों को राजस्थान में उद्योग लगाने के लिये प्रोत्साहित किया

पाली/जयपुर, 4 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लघु उद्योग आकार में भले ही छोटे हों, लेकिन राष्ट्र निर्माण और रोजगार सृजन में उनका योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि गांव, ढ ाणी और कस्बों में रहने वाले युवाओं, महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को उनके स्थानीय क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार लघु उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए हर कदम पर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

> ■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पाली की पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि यहाँ का टैक्सटाइल उद्योग, पापड़, गुलाब हलवा और मेहंदी अपनी अलग पहचान रखते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पाली शहर की अग्रसेन वाटिका में आयोजित लघु उद्योग भारती के राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित किया।

पाली शहर की अग्रसेन वाटिका में आयोजित लघु उद्योग भारती के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उद्यिमयों को प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश भर से 1200 से ज्यादा उद्यिमयों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने उद्यिमयों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, ''जब प्रवासी उद्यमी राजस्थान में आकर उद्योग लगा रहे हैं, तो यहां के लोग भी उद्योग क्यों नहीं लगा सकते। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार उद्यिमयों के साथ खड़ी है और सरकार हर कदम पर उनके सहयोग के लिए तैयार है।''

उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती ने महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। चूड़ियों पर नगीनें लगाने, मिट्टी के कुल्हड़ की मशीन उपलब्ध करवाने, सिलाई का प्रशिक्षण देने तथा बेटियों को ब्यूटी पार्लर और विभिन्न कौशल सिखाने के माध्यम से हजारों महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध करवाया गया है और उन्हें आजीविका से जोड़ा गया है। लघु उद्योग भारती देश को आगे ले जाने का काम कर रहा है। उन्होंने पाली की पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां का टेक्सटाइल उद्योग, पापड़, गुलाब हलवा और मेहंदी अपनी अलग पहचान रखते हैं। साथ ही रणकपुर को निहारने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। मुख्यमंत्री ने जवाई बांध का भी उल्लेख करते हुए कहा कि पाली के जवाई बांध में पानी आएगा। इसके लिए साढ़े चार हजार करोड़ रुपए का काम चल रहा है।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से 8500 करोड़ रुपए के उद्योग राजस्थान में स्थापित हुए

उत्तराखंड से दिनेश आर्य, प.बंगाल से कोयल मल्लिक राज्यसभा के लिये भाजपा प्रत्याशी घोषित

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तराखंड में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल में होने वाले राज्यसभा उप-चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है। पार्टी ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक (कोयल मल्लिक) को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञिप्त के अनुसार, केंद्रीय चुनाव

> ■ उत्तराखंड व प.बंगाल के साथ उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों पर भी 16 अक्टूबर को चुनाव होंगे

समिति ने दोनों राज्यों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। दिनेश आर्य उत्तराखंड में राज्यस्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष (दर्जा राज्यमंत्री) रह चुके हैं। वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनसंपर्क अधिकारी, भाजपा के नैनीताल के पूर्व जिलाध्यक्ष और अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। रुक्मिणी मल्लिक कोयल मल्लिक के नाम से जानी जाती हैं। वह अभिनेत्री और राजनेता हैं तथा मुख्य रूप से बंगाली फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। वह तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य रह चुकी हैं।

मुख्यमंत्री आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास को गति देने के लिए सरकार और स्थानीय निकाय मिलकर कार्य करेंगे।

मनीष हत्याकांड फिर उठा, स्थानीय नागरिकों ने पर्यटक जीपों को आमेर जाने से रोका

आरोप है कि जीप संचालन दोबारा शुरु करने के लिये बनी सहमति अभी तक लागू नहीं हुई

जयपुर, 4 अक्टूबर। आमेर में 7 सितंबर को गाइड मनीष सोनी की हत्या को लेकर एक बार फिर माहौल गरमा गया है। रविवार को आमेर महल जाने वाली पर्यटक जीपों के संचालन और हत्याकांड के बाद प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासनों को लेकर मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान जीपों को आमेर महल की ओर जाने से रोक दिया गया, जिससे आमेर रोड पर यातायात प्रभावित हुआ और कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बनी।

मनीष के परिजनों और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि हत्याकांड के बाद प्रशासन के साथ हुई वार्ता में जीप संचालन दोबारा शुरू करने से पहले प्रत्येक चालक का पुलिस सत्यापन और पंजीकरण अनिवार्य करने तथा संचालन के लिए सख्त दिशा-निर्देश लागू करने पर सहमति बनी थी। आरोप है कि इन व्यवस्थाओं को पूरी तरह लागू किए बिना रविवार दोपहर करीब 12 बजे जीपों का संचालन शुरू कर दिया गया।

इसके विरोध में मृतक के परिजनों और वॉर्ड नंबर एक के स्थानीय लोगों ने जीपों को आमेर महल की ओर जाने से रोक दिया। मृतक की पत्नी पूनम सोनी ने आरोप लगाया कि जीप चालक और उनके परिजन लगातार धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिना नियमों

> ■ दूसरी ओर जीप चालकों का कहना है कि पर्यटन सीज़न शुरु हो चुका है व सप्ताहांत में बड़ी संख्या में पर्यटक आमेर पहुंच रहे हैं। जीप संचालन बंद रहने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है।

के जीप संचालन किया जा रहा है, जिससे लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

पूनम सोनी ने मनीष की हत्या के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ पूर्व में घोषित 25 लाख रुपए के मुआवजे, परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी और डेयरी बूथ आवंटित करने की मांग भी दोहराई।

इधर जीप चालकों ने भी अपनी मांगों को लेकर आमेर थाने में ज्ञापन दिया। चालकों का कहना है कि पर्यटन सीजन शुरू हो चुका है और सप्ताहांत में बड़ी संख्या में पर्यटक आमेर पहुंच रहे हैं। ऐसे में जीप संचालन बंद रहने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से नियमानुसार जल्द जीप संचालन शुरू करवाने की मांग की।

आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि पर्यटक जीप संचालन को लेकर स्थानीय मोहल्ले के लोगों और चालकों से बातचीत की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जीप चालक अपनी मांगों को लेकर थाने आए थे और ज्ञापन सौंपकर चले गए, उन्होंने थाने के बाहर धरना नहीं दिया।

और तेज हुआ दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश करते दिखीं।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और कपिल सिब्बल भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। बाद में नेहा बोरा को हिरासत में लिया गया। संगठन का आरोप है कि उन्हें प्राइवेट वाहन में ले जाया गया और शुरुआती समय में उनका ठिकाना अज्ञात रहा।

इंडिया गेट पर भी आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन हुआ, जहां दिल्ली इकाई प्रमुख सौरभ भारद्वाज और विधायक संजीव झा समेत एक दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

प्रदर्शनकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों को ले जा रही बसों को रोका और बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की।

रुसी ड्रोन हमले में यूक्रेन की भारतीय दवा कंपनी को भारी नुकसान पहुंचा

कीव, 04 अक्टूबर। यूक्रेन के सूमी क्षेत्र में भारतीय समूह कुसुम ग्रुप द्वारा संचालित एक दवा निर्माण संयंत्र रूसी ड्रोन हमले में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं।हमले में कुसुम ग्रुप के स्वामित्व वाले संयंत्र की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और उसका बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया।

घटना के बाद सामने आए दृश्यों में ड्रोन हमले के बाद फैक्टरी से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया।स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि बचाव और नुकसान के आकलन का काम जारी है। ऐसे में मृतकों और घायलों की संख्या में बदलाव हो सकता है।

कुसुम ग्रुप ने 1994 में यूक्रेन में भारतीय दवाओं के वितरक के तौर पर काम शुरू किया था। इस समय कंपनी भारतीय नागरिक राजीव गुप्ता के नेतृत्व में संचालित होती है। कंपनी खुद को

> ■ सूमी क्षेत्र में कुसुम ग्रुप की कंपनी की मुख्य इमारत का बड़ा हिस्सा नष्ट, एक की मौत व कई घायल

भारतीय जड़ों वाली यूक्रेनी कंपनी बताती है। कंपनी ने 2002 में दूसरी कंपनियों की दवाओं के वितरण से आगे बढ़ ते हुए अपने ब्रांड विकसित करना शुरू किया। इसके बाद उसने दवा निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा। कंपनी अपने उत्पाद यूक्रेन के अलावा उज़्बेकिस्तान, कज़ाकिस्तान और फिलीपींस सहित कई देशों में बेचती है।

सूमी स्थित संयंत्र ने रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान काफी समय तक अपना काम जारी रखा था। अब रूसी ड्रोन हमले में इसे व्यापक नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट में इस नुकसान का अनुमान कम से कम 400 करोड़ रुपये लगाया गया है।

चुनाव आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से निलंबित करने की मांग भी की गई है। दूसरी याचिका वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने दाखिल की है। इसमें कथित तौर पर एकतरफा लिए गए 14 फैसलों को रद्द करने की मांग की गई है।

दूसरी याचिका में पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में स्वतंत्र न्यायिक जांच आयोग या विशेष जांच दल यानी एसआईटी गठित करने की मांग की है। इस जांच में साइबर सिक्योरिटी और आईटी विशेषज्ञों को भी शामिल करने की मांग की गई है।

पाकिस्तान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कथित संलिप्तता का पता चला है, जिसमें सुरक्षा बलों से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) तक पहुंचाना शामिल है। इसके अनुसार, अभिषेक कुमार सिंह को एसटीएफ पीएस केस नंबर 09/2026 के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच जारी है।

उद्धव व राज ठाकरे ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिये गर्जना मोर्चा निकाला

उनकी अपील पर अन्य दलों के लोग पार्टी झंडे की जगह तिरंगा लेकर आये

मुंबई, 04 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ-साथ एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर मुंबई में रविवार को गर्जना मोर्चा निकाला गया। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने इसका नेतृत्व किया। इस मोर्चे में सभी दलों से शामिल होने की अपील की गई थी। यह भी अपील की गई थी कि मार्च में किसी पार्टी विशेष का झंडा ना लाया जाए। इसकी जगह तिरंगा लेकर लोग मार्च में शामिल हों।

रविवार सुबह दस बजे से इस मोर्चे में कई ऐसे वोटर भी शामिल हुए जिनके नाम को लेकर एसआईआर की प्रक्रिया में समस्याएं पैदा हुई थीं।

मुंबई के मेट्रो सिनेमा इलाक़े में इस मोर्चे के दौरान बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए । इसके अलावा कांग्रेस

> ■ उद्धव ठाकरे ने कहा कि पश्चिम बंगाल में उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट गये हैं।

नेता बालासाहेब थोराट, राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेताओं के साथ महाविकास अघाड़ी के कुछ अन्य नेता भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

इस दौरान राज ठाकरे ने कहा, "मैं 2017-18 से बता रहा हूं कि वोट चोरी हो रही है। चुनाव आयोग को ईवीएम और मतदाता सूचियों में गड़बड़ी को लेकर कदम उठाना चाहिए। इसके लिए चुनावों का बहिष्कार किए बिना दूध का दूध और पानी का पानी नहीं होगा।''

उन्होंने कहा, ''सत्ता में और विपक्ष में किसे बैठाना है, यह मतदाताओं को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं।''

उद्धव ठाकरे ने कहा, देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं।

उन्होंने कहा, चुनाव आयोग की नियुक्ति चुनाव के जरिए होनी चाहिए। पहले एक समिति होती थी, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता शामिल होते थे। उन्होंने (केंद्र सरकार ने) इस समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा चुने गए एक मंत्री को नियुक्त किया गया।

विपक्ष ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावी गड़बड़ियों को लेकर राजनीतिक और कानूनी मामला मजबूत किया जा सके। दरअसल, विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर आपत्तियां उठाए जाने की खबरों के बाद ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नए सिरे से नोटिस देने की योजना बनाई थी। विपक्ष का कहना है कि नए नोटिस में पहले से ज्यादा तथ्य और आरोप शामिल किए जाएंगे।

बड़ी संख्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गारंटी देता है।

उन्होंने कहा कि कानून इस अधिकार के इस्तेमाल को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन ऐसा कोई कानून या प्रशासनिक कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 325 और 326 की सीमाओं से बाहर नहीं जा सकती। जस्टिस भुइयां ने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला नागरिक, संविधान में निर्धारित अयोग्यताओं को छोड़कर, चुनाव में वोट देने का हकदार है। उन्होंने कहा कि इन संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करने वाला कानून अमान्य होगा।

जीएसटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीमित रहे जिनका आकार इसके लायक है।

फिलहाल जीएसटी अधिकारियों को आयुक्त स्तर के अधिकारी की पूर्व मंजूरी के बाद ऐसे गंभीर मामलों में गिरफ्तारी का अधिकार है, जिनमें कर चोरी, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट या गलत तरीके से रिफंड लेने की राशि एक करोड़ रुपये से अधिक हो।

कलाम अकैडमी में छात्र से मारपीट के मामले में पुलिस व छात्रों में झड़प

आरोपी शिक्षक के निष्कासन व गिरफ्तारी की मांग पर बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर उतरे

जयपुर, 4 अक्टूबर। जयपुर के कलाम कोचिंग सेंटर कलाम एकेडमी में शिक्षक द्वारा छात्र से मारपीट के मामले में रविवार को तूल पकड़ लिया। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में विद्यार्थी सड़क पर उतर आए और आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की स्थिति बन गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे छात्र नेता मनोज मीणा को हिरासत में लिया।

जानकारी के अनुसार घटना 2 अक्टूबर की है। कोचिंग सैंटर में पढ़ ाई के दौरान एक छात्र के पास 'कलाम बलिदान मांगता है' लिखा हुआ पर्चा मिला था। आरोप है कि इसी बात को लेकर शिक्षक प्रवीण दान चारण ने छात्र के साथ मारपीट की। छात्र के साथ मारपीट व थप्पड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद

> ■ घटना का वीडियो प्रसारित होने के बाद कलाम अकैडमी प्रबंधन ने आरोपी शिक्षक प्रवीण दान चारण को संस्थान से निष्कासित करने की बात कही, पर प्रदर्शनकारी छात्र इससे संतुष्ट नहीं हैं। वे शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

विद्यार्थियों में रोष फैल गया।

पीड़ित छात्र ने आरोप लगाया कि उसने नीचे गिरी पर्ची को केवल आगे बढ़ ाया था। इसके बाद शिक्षक ने उसे बुलाकर मारपीट की और खुद को सिरोही का हिस्ट्रीशीटर बताते हुए धमकाया। रविवार को छात्र नेता मनोज मीणा और मनीष मीणा के नेतृत्व में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थी बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान के बाहर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारी आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे थे।(प्रदर्शन के दौरान स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया और छात्र नेता मनोज मीणा को हिरासत में ले लिया।

छात्र नेता मनीष मीणा ने आरोप लगाया कि शिक्षक ने छात्र के साथ मारपीट करने के अलाया कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर उसे अपमानित भी किया। उन्होंने कहा कि आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

घटना का वीडियो प्रसारित होने और मामला बढ़ ने के बाद कलाम एकेडमी प्रबंधन ने आरोपी शिक्षक प्रवीण दान चारण को संस्थान से निष्कासित करने की बात कही है। हालांकि, प्रदर्शनकारी छात्र केवल निष्कासन से संतुष्ट नहीं हैं और शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

टोंक में कांग्रेस का बोर्ड बनने पर सचिन पायलट की ''धन्यवाद रैली''

पायलट के टोंक पहुंचने पर कार्यकर्ताओं, समर्थकों व आमजन ने ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी व फूल मालाओं से स्वागत किया

-कार्यालय संवाददाता-

टोंक, 4 अक्टूबर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री, टोंक विधायक एवं पंजाब के कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने रविवार को टोंक नगर परिषद में कांग्रेस बोर्ड के गठन पर आयोजित ''धन्यवाद रैली'' में शामिल होकर जनता का आभार जताया। टोंक में जगह-जगह कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं, ढ ोल-नगाड़ों व आतिशबाजी से उनका स्वागत किया।

पायलट ने कहा कि टोंक की जनता ने एक बार फिर कांग्रेस पर विश्वास जताते हुए अच्छा बहुमत दिया है। कांग्रेस ने 24 वर्षीय शिक्षित एवं युवा मयंक गोयल को नेतृत्व का अवसर दिया है। सभापति और उपसभापति मिलकर नगर परिषद के विकास को गति देंगे। प्रदेश में भाजपा सरकार होने के बावजूद टोंक के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट रविवार को टोंक नगर परिषद में कांग्रेस बोर्ड के गठन पर आयोजित ''धन्यवाद रैली'' में शामिल हुए।

पायलट ने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव के बाद कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों पर दबाव बनाने के लिए पुलिस और प्रशासनिक मशीनरी का इस्तेमाल किया गया तथा कांग्रेस बोर्ड नहीं बनने देने का प्रयास हुआ। उन्होंने कहा कि तमाम दबाव, धमकियों और प्रताड़ना के बावजूद कांग्रेस पार्षद अपने निर्णय पर अडिग रहे और पार्टी के पक्ष में मतदान किया। उन्होंने सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों के साहस की सराहना की। उन्होंने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव में भाजपा सरकार के मंत्रियों ने आचार संहिता का उल्लंघन और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया। पायलट ने कहा कि जनता सब देख रही है और आने वाले चुनावों में इसका जवाब देगी।

पायलट ने कहा कि अब पंचायत और जिला परिषद चुनाव सामने हैं और उन्हें विश्वास है कि इन चुनावों में भाजपा का सूपड़ा साफ होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में करीब दो

> ■ सभा को संबोधित करते हुए पायलट बोले ''जनता ने एक बार फिर कांग्रेस पर विश्वास जताते हुए अच्छा बहुमत दिया है, टोंक के विकास में कमी नहीं आने देंगे।''

वर्ष का समय बचा है और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से मिल रहे फीडबैक के अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस आगे रहेगी।

पायलट ने पंचायत, जिला परिषद सहित आगामी ग्रामीण चुनावों में कांग्रेस को भारी बहुमत मिलने का विश्वास जताया। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि पूरे देश में आयोग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। भाजपा नेतृत्व निर्वाचन आयोग जैसी निष्पक्ष संवैधानिक संस्था को लगातार कमजोर और खोखला करने का प्रयास कर रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908